प्रतिवेदन

NAAC A+
Accredited University

अन्यतम महामनीषी डॉ. सर हरीसिंह गौर की 155वीं जयन्ती स्मृति-आयोजन

गौर उत्सव

20-26 नवम्बर 2024

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय /A Central University)

07582-265228 | www.dhsgsu.edu.in

कार्यक्रम विवरण

दिनांक	कार्यक्रम	स्थान एवं समय
20-23 नवम्बर, 2024	टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच प्रतियोगिताएँ समन्वयक : डॉ. विवेक साठे	अब्दुल गनी खान स्टेडियम प्रातः 09:30
	विश्वविद्यालयीन अन्तर-शाला विद्यार्थी प्रतियोगिताएँ समन्वयक : डॉ. विवेक साठे	अब्दुल गनी खान स्टेडियम/ गौर प्रांगण प्रातः 11:00
21 नवम्बर, 2024	सम्बद्ध महाविद्यालयों के कार्यक्रम समन्वयक : डॉ.राजू टंडन	स्वर्ण जयंती सभागार प्रातः 11:00
22-23 नवम्बर, 2024	मनोरंजक खेल एवं महिला खेल प्रतियोगिताएं समन्वयक : डॉ. विवके साठे	अब्दुल गनी खान स्टेडियम प्रातः 11:00
23 नवम्बर, 2024	केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 के विद्यार्थियों के सांस्कृतिक कार्यक्रम समन्वयक : श्री आर. एस. वर्मा	स्वर्ण जयंती सभागार प्रातः 10:00
24 नवम्बर, 2024	विश्वविद्यालय परिवार की काव्यात्मक प्रस्तुति समन्वयक : डॉ. हिमांशु कुमार	अभिमंच सभागार अपरान्ह 04:00
25-27 नवम्बर, 2024	गौर जयंती मेला समन्वयक : श्रीमती ओमिका सिंह	अतिथि गृह प्रांगण प्रातः 10:00 से सायं 06:00
25-26 नवम्बर, 2024	गौर साहित्य प्रदर्शनी समन्वयक : डॉ. मोहन टी. ए.	जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय प्रातः 11:00
25 नवम्बर, 2024	दीप प्रज्ज्वलन माननीया कुलपति जी एवं विश्वविद्यालय परिवार	गौर मूर्ति, तीनबत्ती सायं 06:00
25 नवम्बर, 2024	डॉ. गौर की जीवनी : रेडियो वार्ता प्रसारण माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा	आकाशवाणी, सागर सायं 06:30
26 नवम्बर, 2024	डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण, उद्बोधन एवं शोभा-यात्रा माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता	गौर मूर्ति, तीनबत्ती, कटरा बाजार प्रातः 08:30
26 नवम्बर, 2024	गौर जयंती मुख्य समारोह	गौर प्रांगण प्रातः 10:30 बजे से अपरान्ह 01:00 बजे तक
26 नवम्बर, 2024	सांस्कृतिक संध्या समन्वयक : डॉ. राकेश सोनी	गौर प्रांगण सायं 06:00

26 नवम्बर 2024

डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण, उद्‌बोधन एवं शोभा-यात्रा

माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

समय -प्रातः 8:30 बजे...

स्थल-गौर मूर्ति, तीनबत्ती, कटरा बाजार, सागर

(शोभा-यात्रा : गौर मूर्ति,कटरा बाजार से विश्वविद्यालय परिसर तक)

गौर जयन्ती मुख्य समारोह

समय-प्रातः 10:30 बजे से अपरान्ह 1:00 बजे तक

स्थल-गौर प्रांगण, विश्वविद्यालय परिसर

गौर अतिथि

माननीय डॉ. वीरेन्द्र कुमार
कैबिनेट मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

माननीया डॉ. लता वानखेड़े
सांसद
सागर लोकसभा, सागर

माननीय श्री गोविन्द सिंह राजपूत
कैबिनेट मंत्री, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग
मध्यप्रदेश शासन, भोपाल

माननीय श्री उदय प्रताप सिंह
कैबिनेट मंत्री, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा विभाग
मध्यप्रदेश शासन, भोपाल

माननीय श्री भूपेन्द्र सिंह
पूर्व कैबिनेट मंत्री
मध्यप्रदेश शासन, भोपाल

माननीय श्री गोपाल भार्गव
पूर्व कैबिनेट मंत्री
मध्यप्रदेश शासन, भोपाल

माननीय श्री शैलेन्द्र जैन
विधायक, सागर विधानसभा, सागर

अध्यक्षता
श्री कन्हैयालाल जी बेरवाल (पूर्व आई.पी.एस.)
कुलाधिपति, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

सारस्वत उद्‌बोधन
प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलपति, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

हम सब डॉ. गौर के ऋणी, भारत रत्न दिलाने के लिए करेंगे सामूहिक प्रयास : प्रो. नीलिमा गुप्ता

गौर जयन्ती एवं 38वें अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024 के संबंध में पत्रकार-वार्ता

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2024 का आयोजन किया जा रहा है. साथ ही भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है.

विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के सम्मेलन कक्ष में आयोजित पत्रकार-वार्ता कार्यक्रम में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय में एक सप्ताह तक विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है. इसी के साथ पांच दिवसीय युवा उत्सव भी आयोजित किया जा रहा है. सागर शहर और विश्वविद्यालय परिवार अपने पितृ पुरुष की जन्म जयन्ती को मिल जुलकर उत्साहपूर्वक एक उत्सव के रूप में मनायेगा. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्प और सपनों को साकार करना हमारा दायित्व है. पूरे सप्ताह कई अकादमिक-सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी. उन्होंने कहा कि डॉ गौर के जन्म दिन पर हमारा प्रयास है कि हम गौर संग्रहालय की शुरुआत करें, उनकी स्मृतियों को सहेजें और उनके साहित्य से लोगों को परिचित कराएं ताकि उनके अद्वितीय योगदान का प्रचार-प्रसार हो सके.

उन्होंने कहा कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिले, इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है. डॉ गौर को भारत रत्न दिलाने संबंधी प्रयासों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि हम लोग इसके लिए पूर्ण प्रयासरत हैं. सांस्थानिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रयासों की एकजुटता से हम डॉ. गौर को देश का सर्वोच्च सम्मान दिलाने में हम जरूर सफल हो सकते हैं. उन्होंने पत्रकारों से भी अपील की कि उनके योगदान और कार्यों को लगातार प्रचारित करें ताकि हम एक मुहिम चला सकें और उन्हें भारत रत्न दिला सकें. इस युवा उत्सव पर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा.

उन्होंने कहा कि गौर जयन्ती के दिन 'गौर पीठ' की स्थापना के लिए एक लाख रूपये या उससे अधिक दान करने वाले दानदाताओं का विश्वविद्यालय द्वारा सम्मान किया जाएगा. उन्होंने गौर पीठ के लिए अधिक से अधिक लोगों से सहयोग करने की अपील की. इस पीठ के माध्यम से डॉ. गौर के बहुआयामी व्यक्तित्व और कृतित्व के पर शोध एवं अनुसंधान किया जाएगा. उन्होंने कहा कि यह केवल विश्वविद्यालय का ही आयोजन नहीं बल्कि पूरे सागर शहर का आयोजन है. उन्होंने कहा कि गौर उत्सव के विविध आयोजनों में शहर और विश्वविद्यालय से जुड़े प्रत्येक नागरिक का स्वागत और अभिनन्दन है और पत्रकार बंधुओं से अपेक्षा है कि मीडिया के माध्यम से डॉ. गौर जयन्ती के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, उनके विचारों, कार्यों और सपनों को जन-जन तक पहुचाएं. यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी.

गौर उत्सव आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. डी. के. नेमा ने सात दिवसीय आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की. युवा उत्सव के सचिव डॉ. राकेश सोनी ने 26 से 30 नवंबर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा रखते हुए बताया कि आयोजन में मध्य क्षेत्र के विश्वविद्यालयों के लगभग 1200 प्रतिभागी कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे. इसमें विजयी प्रतिभागी और दल राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए चुने जाते हैं.

कार्यक्रम का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल ने किया. इस अवसर पर सह समन्वयक प्रो.ऋतु यादव, डॉ. राजेंद्र यादव, डॉ. आशुतोष, डॉ. रजनीश, समर्थ दीक्षित, प्रवीण राठौर तथा सागर शहर के सम्माननीय पत्रकार गण मौजूद रहे.

डॉ. गौर की विरासत को संजोते हुए उनके सपनों को पूरा करेंगे- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

गौर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट की हुई शुरुआत

पहले दिन विश्वविद्यालय एकादश (ए) और पत्रकार एकादश टीम विजयी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2024 का आयोजन किया जा रहा है. गौर उत्सव की शुरुआत शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित टी 20 मैत्री क्रिकेट मैच से

हुई. यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के अब्दुल गनी खान स्टेडियम में प्रारंभ हुई. मैच की शुरुआत विशिष्ट अतिथि विवि के सेवानिवृत्त प्रो. सुबोध जैन, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, प्रो. अनिल जैन, प्रो. डी. के. नेमा, प्रो. अजीत जायसवाल, डॉ. सुरेन्द्र गादेवार, डॉ. पंकज तिवारी, प्रो. विवेक साठे की उपस्थिति में हुई.

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्टेडियम पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया. उन्होंने कहा गौर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित उत्साहजनक खेल के साथ गौर उत्सव प्रारम्भ हो रहा है. यह ऐतिहासिक कार्यक्रम है. गौर जयन्ती की श्रृंखला में आयोजित गतिविधियाँ प्रत्येक वर्ष बहुत ही उल्लास के साथ आयोजित की जाती हैं. हम डॉ. गौर के अविस्मरणीय योगदान को याद करते हुए उनके द्वारा सौंपी गई विरासत का नाम रोशन करेंगे. अकादमिक शोध, अध्ययन-अध्यापन और बहुआयामी गतिविधियों को लगातार आयोजित करते हुए हम विकास के पथ पर यूं ही आगे बढ़ते रहेंगे.

प्रथम मैच संबद्ध महाविद्यालय बनाम विश्वविद्यालय एकादश (ए) के बीच खेला गया, जिसमें विश्वविद्यालय एकादश ए ने यह मैच 5 रन से जीता. संबद्ध महाविद्यालय क्रिकेट टीम के कप्तान अजय श्रीवास्तव और विश्वविद्यालय एकादश ए के कप्तान कृष्ण कुमार थे. संबद्ध महाविद्यालय ने टॉस जीत कर पहले बॉलिंग करने का फैसला किया था. विश्वविद्यालय एकादश ए

पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट खोकर संबद्ध महाविद्यालय को 155 रनों का लक्ष्य दिया. विश्वविद्यालय एकादश ए की तरफ से नवनीत कुमार सिंह ने सर्वाधिक 73 रन की शानदार पारी खेली साथ ही हेमंत पाटीदार ने 21 रन, शंकर पटेल ने 18 रन बनाये. वही संबद्ध महाविद्यालय ने बॉलिंग करते हुए सिद्धार्थ ने 2 विकेट लिए, अंकित हजारी ओर समीर ने क्रमशः 1-1 विकेट लिए इसी के साथ दूसरी इनिंग में संबद्ध महाविद्यालय की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 151 रन ही बना सकी. सर्वाधिक 48 रन अंकित जैन ने, अंकित हजारी ने

25 रन एवं 16 रनों की पारी सिद्धार्थ ने खेली. विश्वविद्यालय एकादश ए ने गेंदबाजी करते हुए नितेश, हेमंत एवं विनय शुक्ला ने 2-2 विकेट लिए, 1 विकेट नीरज ने लिया. महेंद्र बाथम एवं अंकित ने शानदार फील्डिंग की. विश्वविद्यालय एकादश ए ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 4 रन से जीत अर्जित कर अगले दौर में प्रवेश किया.

प्रतियोगिता का द्वितीय मैच पत्रकार एकादश और विश्वविद्यालय एकादश (बी) के बीच खेला गया, जिसमें टॉस जीतकर विश्वविद्यालय एकादश (बी) टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 7 विकेट खोकर 119 रन बनाए. सर्वाधिक 62 रनों की पारी अंजन्य शुक्ला ने खेली, सत्यम ने 20 रनों की पारी खेली. पत्रकार एकादश की ओर से गेंदबाजी करते हुए दानिश ने 5 विकेट भूपेंद्र एवं दिनेश ने एक-एक विकेट लिए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी पत्रकार एकादश की टीम ने 7 विकेट से जीत अर्जित की सर्वाधिक शशांक ने 45 रनों की पारी खेली शानू ने 22 एवं सोमू ने 16 एवं दिनेश ने 13 रन बनाये. विश्वविद्यालय एकादश (बी) की ओर से गेंदबाजी करते हुए हिमांशु यादव, सत्यम एवं पीयूष ने 1-1 विकेट लिए, शत्रुघन ने शानदार फील्डिंग की. इस मैच के अंपायर वैभव, शिवांशु यादव, अमन दुबे, रुद्रांश रहे एवं स्कोरर नैन्सी कुर्मी और आदित्य बेन रहे.

कार्यक्रम का संचालन महेंद्र बाथम ने किया एवं आभार डॉ. सुमन पटेल ने व्यक्त किया. इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. विवेक साठे, महाविद्यालयीन प्रतिनिधि डॉ. राजू टंडन, डॉ. आशीष पटेरिया, डॉ राजेंद्र यादव, डॉ. हिमांशु यादव, डॉ. विवेक जायसवाल, विश्वविद्यालय के कई शिक्षक, शहर के गणमान्य नागरिक, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र एवं पत्रकार बंधु उपस्थित रहे.

अधिवक्ता एकादश ने एमपीईबी एकादश को 4 विकेट से हराकर शानदार जीत हासिल की

डॉ. हरीसिंह गौर जयंती के उपलक्ष्य पर खेल कूद गतिविधियों में दूसरे दिन एडवोकेट एकादश एवं एमपीईबी एकादश के बीच क्रिकेट मैच खेला गया. इस टी -20 मैत्री क्रिकेट मैच में एमपीईबी एकादश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 161 रन बनाए. टीम के बल्लेबाज अवनीश और द्रगपाल ने बेहतरीन प्रदर्शन किया. अवनीश ने 7 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 60 रन बनाए, जबकि द्रगपाल ने 5 चौकों और 2 छक्कों के साथ 36 रनों का योगदान दिया. भूपेंद्र ने भी 2 चौकों की मदद से 24 रन जोड़े. अधिवक्ता एकादश के गेंदबाजों में प्रणव और मनोज ने 2-2 विकेट लिए जबकि देवांशु ने 1 विकेट झटका. लक्ष्य का पीछा करने उतरी अधिवक्ता एकादश की शुरुआत अच्छी रही. टीम के स्टार बल्लेबाज प्रवीण ने 8 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 88 रनों की दमदार पारी खेली. उनकी इस पारी ने टीम की जीत को सुनिश्चित किया. 5 गेंद शेष रहते अधिवक्ता एकादश ने लक्ष्य हासिल कर लिया. एमपीईबी एकादश के गेंदबाजों में अवनीश ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए. प्रवीण को उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच दिया गया.

स्कूल शिक्षा विभाग ने जिला प्रशासन एकादश को हराया

इस टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच में स्कूल एजुकेशन टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिला प्रशासन की टीम को 10 विकेट से हराकर एकतरफा जीत दर्ज की. इस मैच के मुख्य अतिथि डॉ. विवेक साठे थे, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिला प्रशासन की टीम ने 15 ओवर में 7 विकेट पर 94 रन बना. टीम के लिए हेमंत ने सबसे अधिक 31 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 1 छक्का शामिल था. स्कूल एजुकेशन टीम के गेंदबाजों में विपिन और आशीष ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट झटके, जबकि ओजस्व ने 1 विकेट लिया.

लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कूल एजुकेशन टीम की सलामी जोड़ी ने विस्फोटक शुरुआत करते हुए मात्र 5.1 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया. देवांश ने 40 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 3 छक्के शामिल थे, वहीं पुष्पेंद्र ने आक्रामक अंदाज में 54 रन बनाए जिसमें 4 चौके और 5 छक्के शामिल थे.

बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए पुष्पेंद्र को मैन ऑफ द मैच

मुकाबला खेल भावना, टीमवर्क और मनोरंजन से भरपूर रहा. मुख्य अतिथि डॉ. साठे ने दोनों टीमों की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन खिलाड़ियों के बीच आपसी सहयोग और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देते हैं.

संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता, इसके अभाव में महानतम कार्य रुक जाते हैं- प्रहलाद पटेल

डॉ. गौर की प्रेरणा से कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहकर कार्य करें, यही सच्ची श्रद्धांजलि- कुलपति

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2024 का आयोजन किया जा रहा है. 21 नवंबर को विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन स्वर्ण जयन्ती सभागार में किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं.

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं विशेष अतिथि रानी अवंतीबाई राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद कुमार मिश्रा थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. इस अवसर पर जिलापंचायत अध्यक्ष हीरासिंह राजपूत, युवा नेता गौरव सिरोठिया, जिला पंचायत सीईओ विवेक के वी, डीसीडीसी प्रो एन पी सिंह, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस पी उपाध्याय, डॉ. आशीष पटेरिया, डॉ. सुशील गुप्ता एवं डॉ. राजू टंडन मंचासीन थे. स्वागत भाषण डॉ. सुशील गुप्ता ने दिया. संचालन डॉ अवनीश मिश्रा ने किया.

इस अवसर पर मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि डॉ. गौर द्वारा स्थापित शिक्षा के इस मंदिर से मेरा बहुत पुराना नाता है. उन्होंने अपने पुरुषार्थ से कमाए हुए सर्वस्व धन को दान कर इस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी. वे देश के अनमोल रत्न हैं, उनके जैसा उदाहरण पूरे देश में कहीं नहीं है. उन्होंने कहा कि नव स्थापित राज्य विश्वविद्यालय डॉ. गौर के शिक्षा में अद्वितीय योगदान के उनके भाव को ताकत देगा. उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यश पाना चाहता है लेकिन किस तरह का यश उसे प्राप्त करना है उसे खुद तय करना होता है. अगर आप पीढ़ियों तक यश प्राप्त करना चाहते हैं तो शिक्षा के केंद्र स्थापित की जिए जैसा डॉ. गौर ने किया. यही कारण है कि वे न केवल कई पीढ़ियों तक याद किये जायेंगे बल्कि वे अमर हैं. एक महान अधिवक्ता, समाज सुधारक, लेखक के रूप में उनका व्यक्तित्व हम सबके लिए प्रेरणादायी है. हमें उनके संस्थान में पढ़ने, पढ़ाने और किसी भी रूप में जुड़े रहने पर गर्व होना चाहिए. डॉ. गौर संकल्प के साथ कार्य करते थे. संकल्प व्यक्तिगत होता है और संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता. संकल्प न होने से महानतम कार्य रुक जाते हैं.

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से डॉ. गौर की जयन्ती पर साप्ताहिक आयोजन करते हुए हम उत्सव की तरह मनाते हैं जिसमें पूरे शहर के लोग सम्मिलित होते हैं. इस वर्ष युवा महोत्सव का भी आयोजन किया जा रहा है, इसलिए पूरे 11 दिनों तक यह आयोजन चलेगा. खेल समग्र व्यक्तित्व का विकास करता है और खेल गतिविधि के माध्यम से इस युवा उत्सव की शुरुआत हुई है. इसी श्रृंखला में आज यह सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा आयोजित किया गया है. डॉ. गौर की प्रेरणा के साथ हम नित नए मुकाम हासिल कर रहे हैं. हम सब अपने कर्तव्य पथ पर इसी तरह अग्रसर रहकर कार्य करें, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी. हमारे विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं पूरी दुनिया में डॉ. गौर का नाम रोशन कर रहे हैं. डॉ. गौर की प्रेरणा, संकल्प और उनके महान अवदान का प्रतिफल ही है कि आज हर क्षेत्र में हमारे विद्यार्थी उच्च पदों पर पहुंचे हैं.

रानी अवंतीबाई राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद मिश्रा ने कहा कि यह प्रथम अवसर है जब वे डॉ. गौर द्वारा स्थापित शिक्षा के इस मंदिर में आये हैं. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर द्वारा शिक्षा के लिए दान करना उनकी शिक्षा के प्रतिबद्धता और संकल्प को दर्शाता है. वे एक महान व्यक्तित्व थे जिनके अवदान के कारण लाखों विद्यार्थी आज शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और अपने भविष्य को संवार रहे हैं. उन्होंने राज्य विश्वविद्यालय की प्रगति भी साझा की. इस अवसर पर विभिन्न सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक, प्रतिनिधि, विद्यार्थी, विवि के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे.

सम्बद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने दी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर से सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई. बी.टी. इन्स्टीटयूट ऑफ एक्सीलेन्स विद्यार्थियों ने गणेश वंदना व देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया. छात्र-छात्राओं ने कठपुतली नृत्य, समूह नृत्य व एकल नृत्य, मूक अभिनय, राजस्थान का प्रसिद्ध कालबेलिया नृत्य, मराठी समूह नृत्य, एकल गायन भजन, , एकल नृत्य शास्त्रीय आदि की बी.टी. इन्स्टीटयूट ऑफ एक्सीलेन्स, राजीव लोचनाचार्य महाविद्यालय खुरई, बी.के.पी. महाविद्यालय मालथौन , सुन्दरलाल श्रीवास्तव महाविद्यालय, ओम श्री महाविद्यालय, टाइम्स कालेज दमोह, एरिसेंट महा विद्यालय एवं अन्य सम्बद्ध महा विद्यालयों के विद्यार्थियों ने कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी. कार्यक्रम समापन के अवसर पर सभी अतिथियों और प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए.

सांस्कृतिक कार्यक्रम के पूर्व अतिथियों द्वारा गौर समाधि पर दी गई पुष्पांजलि

कैबिनेट मंत्री माननीय प्रहलाद सिंह पटेल ग्रामीण एवं पंचायत मंत्री (मध्यप्रदेश सरकार) ने गौर प्रांगण स्थित गौर समाधि पहुंचकर डॉ. हरीसिंह गौर को श्रद्धांजलि दी.

टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच: पत्रकार एकादश एवं स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के बीच होगा फ़ाइनल मैच

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में 155वें गौर जयंती के अवसर पर आयोजित टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच विश्वविद्यालय के अब्दुल गनी स्टेडियम में खेला गया. पहले सेमीफाइनल में पत्रकार एकादश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय एकादश को 7 विकेट से हराया. मैच के मुख्य अतिथि डॉ. विवेक साठे रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया. पत्रकार एकादश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया. बल्लेबाजी करने उतरी विश्वविद्यालय एकादश की शुरुआत खराब रही और टीम 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर मात्र 105 रन ही बना सकी. बल्लेबाज नवनीत ने 15, गोविंद ने 18, और नीतीश ने 20 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की. पत्रकार एकादश के गेंदबाजों में दिनेश ने 3 विकेट लिए जबकि सोमू, नितिन, अभिषेक, और दानेश ने 1-1 विकेट लिया.

लक्ष्य का पीछा करते हुए पत्रकार एकादश ने 12 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया. शशांक ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 32 रन बनाए. दिनेश ने 20 और शानू ने 29 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं. विश्वविद्यालय एकादश के गेंदबाजों में अंकित और नीरज ने 1-1 विकेट लिया. दिनेश को मैन ऑफ द मैच चुना गया. उन्होंने गेंदबाजी में 3 विकेट लेने के साथ ही बल्लेबाजी में भी 20 रन बनाए. पत्रकार एकादश की इस जीत के साथ फाइनल में पहुंचने की राह साफ हो गई है. टूर्नामेंट के अगले मुकाबले में और अधिक रोमांच की उम्मीद की जा रही है.

स्कूल शिक्षा विभाग एकादश की टीम ने 48 रनों से दर्ज की जीत

टी-20 मैत्री क्रिकेट का दूसरा सेमीफाइनल मैच स्कूल शिक्षा विभाग और अधिवक्ता एकादश के बीच खेला गया.
टॉस जीतकर स्कूल शिक्षा विभाग टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 8 विकेट पर 194 रनों का मजबूत लक्ष्य दिया. बल्लेबाज अभिषेक ने 60 रन बनाए, जबकि अधिवक्ता एकादश के गेंदबाजों में रेहान और मनोज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट चटकाए, प्रणव एवं प्रवीण ने 1-1 विकेट लिया. लक्ष्य का पीछा करते हुए अधिवक्ता एकादश ने संघर्ष तो किया, लेकिन पूरी टीम 146 रन ही बना सकी. टीम के बल्लेबाज अर्पित खरे ने 89 रनों की शानदार पारी खेली. स्कूल शिक्षा विभाग के गेंदबाज अभिषेक ने 2, विपिन 2, सचिन ने 3, विनीत एवं मनीष ने 1-1 विकेट लिया. स्कूल शिक्षा विभाग टीम ने 48 रनों से इस मुकाबले को जीत लिया. बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दिनेश को मैन ऑफ द मैच चुना गया.

गौर उत्सव के तृतीय दिवस महिला खेलों का हुआ आयोजन

गौर जयती उत्सव के तृतीय दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में महिला खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें म्यूजिकल चेयर, स्पून लेमन रेस और टग ऑफ वार जैसे खेल शामिल थे. म्यूजिकल चेयर का आयोजन दो राउंड में किया गया. पहला

राउंड विश्वविद्यालय की छात्राओं के बीच हुआ, जिसमें काजल शांडिल्य (पत्रकारिता प्रथम वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. आस्था विश्वकर्मा द्वितीय स्थान पर रहीं और शिखा शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. दूसरे राउंड में महिला क्लब की 17 महिलाओं ने भाग लिया, जिसमें वंदना सोनी ने प्रथम, देवांशी ने द्वितीय, और ज्योति तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. इसके बाद लेमन रेस हुआ, जिसमें वूमेन सेल की महिलाओं ने भाग लिया. शिवानी ने प्रथम, अदिति ने द्वितीय और विजयश्री ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. रस्साकसी का खेल भी आयोजित किया गया, जिसमें वूमेन सेल की दो टीमों ने भाग लिया. रितु यादव की टीम विजेता रही, और प्रतिभागियों में शिवानी, अदिति, विजयश्री, देवांशी, पूनम, दीपाली, वेनुका, कुशुमा, और अंजली शामिल रही.

मिशन के रूप में कार्य कर विद्यार्थी डॉ. गौर के सपनों को साकार कर सकते हैं- प्रो. नीलिमा गुप्ता

केंद्रीय विद्यालय क्र. 4 के छात्र-छात्राओं ने गौर उत्सव सहवार्षिक उत्सव में दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

डॉक्टर हरीसिंह गौर की 155वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 द्वारा गौर उत्सव सह वार्षिक उत्सव का आयोजन स्वर्ण जयंती सभागार में किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा माँ

सरस्वती एवं डॉ. गौर कि प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्जवलित कर कि गई. विद्यार्थियों द्वारा आसामी नृत्य, महाभारत नृत्य, खेल नृत्य, हरियाणवी नृत्य समेत प्रसिद्ध बुंदेली नृत्य जैसी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी.

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमी गुप्ता ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि हर वर्ष कि तरह विश्वविद्यालय में गौर जयंती बड़े ही हर्ष और उल्लास से मनाई जा रही है. उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में कैंटोनमेंट की सीईओ मनीषा जाट जी को बुलाने का उद्देश्य उनकी उपलब्धियों से विद्यार्थियो को प्रेरणा देना है. उन्होंने अपनी उम्र में कई ज्यादा उपलब्धियां हासिल की है. खासकर महिला छात्राओं के लिए वह एक प्रेरणा का रूप है. उन्होंने बताया कि इस स्कूल को एक कक्षा से शुरु कर आज हाई स्कूल का रूप दे दिया है. उन्होंने सभी छात्र छात्राओं को जो स्कूल का नाम रोशन कर रहे है उन्हें सम्मानित करने और प्रोत्साहन देने की बात कही. उन्होंने कहा कि भारत सरकार भी केजी से पीजी तक की शिक्षा के साथ विश्वविद्यालय पीएचडी की शिक्षा तक दे रहा है. उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ गौर ने शिक्षा के इस मंदिर को अपने तन मन धन से सिंचित कर इसको स्थापित किया. जहां आज देशभर के करीब 25 राज्यों के बच्चे यहां उच्च शिक्षा में अध्यननरत है. यह गौरव की बात है कि यहां स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक कि पढ़ाई एक ही कैंपस में प्राप्त हो रही है. इस अवसर पर उन्होंने कक्षा 10 वीं के छात्र शुभ सक्सेना को उनकी विशेष उपलब्धि के लिये शील्ड देकर सम्मानित किया. गौरतलब है कि शुभ को विज्ञान मॉडल के लिये देशभर के 3 केंद्रीय विद्यालयों में से चयनित कर भारत सरकार ने उनको जापान यात्रा पर भेजा था.

मुख्य अतिथि के रूप में सागर कैंटोनमेंट की सीईओ मनीषा जाट ने डॉ. गौर के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन की सारी कमाई शिक्षा के लिये दान कर दी। इसलिए आने वाली पीढ़ी को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है. जिसके लिए बेहतर प्रयास करने की आवश्यकता है. यह अत्यंत गौरव का विषय है कि देश आज तेजी से आगे बढ़

रहा है जो शिक्षा के द्वारा से ही संभव है. उन्हीने कहा कि में मध्य प्रदेश के बारे में उन्होनें प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान पढ़ा. उन्होंने कहा कि डॉ गौर के योगदान को इस तरह के कार्यक्रम के माध्यम से ही नई पीढ़ी तक पहुचाएं जा सकते है. डॉ गौर के

बारे में कुछ भी कहना सूर्य को रोशनी दिखाने के बराबर है. डॉ गौर उच्च पद पर पहुंचने के बाद भी उन्होंने अपने जन्मस्थान को याद रखा और यहां शिक्षण संस्थान की स्थापना की. उन्होंने शिक्षा के बारे में बताते हुए कहा कि समय के साथ शिक्षा और समाज में परिवर्तन आया है. तकनीक और एक्सपोजर के साथ विश्व में सब कुछ बदल रहा है इसलिए शिक्षा देने का तरीका भी बदलना चाहिए. आगे आने समय के लिए विद्यार्थियो को तैयार करना हम सभी की जिम्मेदारी है. शिक्षा सिर्फ

किताबी ज्ञान नहीं न होकर सामाजिक, मानसिक विकास शिक्षा से ही होता है. भविष्य में समाज में व्यहवार करने के तरीके भी बच्चे शिक्षा के द्वारा सीखते है. केन्द्रीय विद्यालय इन सभी के लिए प्रयासरत है. वह भविष्य के जिम्मेदार नागरिक बना रहे है.कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह वर्मा ने दिया. विद्यालय के बच्चों की विशिष्ट उपलब्धियों के बारे बताया साथ ही उन्होंने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट पर विस्तार से प्रकाश डाला. कार्यक्रम में विद्यालय के नामित अध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष एवं एकेडेमिक्स अफेयर्स के निदेशक प्रो. नवीन कांगो ने गजल के माध्यम से डॉ. गौर को नमन किया एवं उनके वृहतर योगदान की चर्चा की. इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व नामित अध्यक्ष प्रो. पी.के कठल सहित बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, अधिकारी समेत अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के छात्र तनिष्क और शिवांगी ने किया और अंत में आभार ज्ञापन अनीता डोंगरे ने माना.

टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच के फाइनल में स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने जीता खिताब

खेल शारीरिक,मानसिक विकास में योगदान एवं टीम भावना और अनुशासन को बढ़ावा देते है: कुलपति

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में 155वें गौर उत्सव के अवसर पर टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच का फाइनल मुकाबला अब्दुल गनी स्टेडियम में संपन्न हुआ. आयोजित फाइनल मैच में स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने पत्रकार एकादश को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया.

टॉस जीतकर स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया. पत्रकार एकादश ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 142 रनों का लक्ष्य दिया. उनकी पारी का मुख्य आकर्षण दर्पण की 94 रनों की शानदार पारी रही, जिसमें 7 चौके और 9 छक्के शामिल रहे. स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के विपिन कन्नौजिया की घातक गेंदबाजी ने पत्रकार एकादश को अधिक स्कोर बनाने से रोक दिया. विपिन ने 4 विकेट झटके और मैच में निर्णायक भूमिका निभाई।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने 18 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज कि. टीम के बल्लेबाज अभिषेक ने 53 रनों की शानदार पारी खेली और टीम की जीत में अहम योगदान दिया. मैन ऑफ द मैच विपिन कन्नौजिया रहे. जिन्होंने 4 विकेट लिए. टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच के मैन ऑफ द सीरीज का ख़िताब अभिषेक परदेशी को मिला. विजेता टीम स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के कप्तान ओजस मिश्रा ने अपने टीम के साथ ट्रॉफी और स्वर्ण पदक प्राप्त किए. उपविजेता टीम पत्रकार एकादश को भी प्रशंसा के साथ-साथ ट्रॉफी और मेडल से सम्मानित किया गया.

इस समापन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विजेता और उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए गौर उत्सव के अवसर पर आयोजित टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच के आयोजन की सफलता पर अपनी खुशी व्यक्त की. उन्होंने कहा कि गौर उत्सव केवल खेल या सांस्कृतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे छात्रों और संकाय सदस्यों के सामूहिक प्रयास और ऊर्जा का प्रतीक है. हर साल इस आयोजन को नई ऊंचाई पर ले जाने की कोशिश की जा रही है, इस बार भी उत्साह और जोश ने इसे यादगार बना दिया है. इस तरह के आयोजन न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में योगदान करते हैं, बल्कि टीम भावना और अनुशासन जैसे मूल्यों को भी बढ़ावा देते है.

महिला खेल में दूसरे दिन पिट्ठू खेल का आयोजन किया गया जिसमें विजेता टीम में ओमिका, ऋतु यादव, पूनम मिश्रा, देवांशी एवं एकता थे. दूसरी टीम ने भी बराबर की टक्कर से खेला जिसकी कप्तानी दीपाली ने की. विजयश्री, वेणुका, अनुराधा और शिवानी इस टीम की साथी सदस्य रहीं. दो दिन चले महिला खेलों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके दैनिक जीवन से समय निकाल कर उन्हें मनोरंजन प्रदान करना था. खेलों के माध्यम से महिलाओं की प्रतिभा और शारीरिक क्षमता भी विकसित होती है. महिला क्लब की खेल कूद की गतिविधियों से अन्य महिलाएं भी खेलों में अपनी रुचि दिखाती है. उम्र की सीमा को न देखते हुए सभी खेलो में महिलाएं अपनी

प्रतिभागिता प्रदर्शित करती हैं. महिला खेलो के बाद समापन सत्र का आयोजन माननीया कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता के उपस्थिति में हुआ. उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी एवं विजेता टीम को पुरस्कृत किया. उन्होंने सभी आयोजकों और सहभागियों को सफल खेलो के आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी. इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा किया गया, जिसमें प्रो. डी.के. नेमा, प्रो. एन.पी. सिंह, प्रो. सुबोध जैन, डॉ. राजू टंडन, डॉ. कालीनाथ झा, डॉ. रितु यादव, डॉ. विवेक साठे, और डॉ सुरेन्द्र गादेवार, डॉ सुमन पटेल, महेंद्र बाथम ने अहम भूमिका निभाई.

डॉ. गौर के संघर्षशील जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें छात्र- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

गौर उत्सव: 'काव्यांजलि' में शिक्षकों और छात्रों ने दी रचनात्मक अभिव्यक्ति

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर के 155वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 24 नवंबर 2024 को काव्यांजलि का आयोजन अभिमंच सभागार में संपन्न हुआ। सरस्वती वंदना की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम आरम्भ हुआ. इस आयोजन में छात्रों, शिक्षकों, और साहित्यप्रेमियों ने अपनी रचनात्मक अभिव्यक्तियों से विश्वविद्यालय परिसर को साहित्यिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया.

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की उन्होंने विश्वविद्यालय के संस्थापक की सोच और आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. गौर ने सीमित संसाधनों में जिस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी, वह आज देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुका है. हमें उनके बताए गए मूल्यों और संघर्षशील जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना है। विश्वविद्यालय को डॉ. गौर के सपनों के अनुरूप विकसित करने के लिए शिक्षकों और छात्रों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। डॉ. गौर ने हमें संघर्ष और परिश्रम की जो शिक्षा दी उससे मार्गदर्शन लेते हुए हमें उनकी विरासत को आगे बढ़ाना है.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री महेश कुमार शर्मा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सागर, ने अपने वक्तव्य में डॉ. हरीसिंह गौर की अद्वितीय विधि एवं साहित्यिक उपलब्धियों का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि गौर साहब का जीवन परोपकार, शिक्षा, और संघर्ष की मिसाल है। उन्होंने युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने और कठिन परिश्रम द्वारा अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया। न्यायिक प्रक्रिया और साहित्य के आपसी संबंधों पर चर्चा की और कविताओं के माध्यम से न्यायालय में मानवीय संवेदनाओं की आवश्यकता पर बल दिया.

काव्यांजलि' में विश्वविद्यालय शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने कविताएं और ग़ज़लें प्रस्तुत कीं। बुंदेलखंड के रसखान के नाम से प्रसिद्ध मायूस सागरी (शेख अब्दुल रज्जाक) ने अपनी मधुर ग़ज़लों से समां बांध दिया। विश्वविद्यालय परिवार के कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को प्रभावित किया। मंच से डॉ. हरीसिंह गौर के जीवन, संघर्ष, और योगदान को रेखांकित करती कविताएं भी प्रस्तुत की गईं। छात्रों द्वारा तैयार की गई विशेष फिल्म और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को श्रोताओं ने सराहा। दुर्गेश कुमार (हिंदी शोधार्थी) ने "तुम्हारी उपेक्षा पर शिकायत नहीं करूंगा शीर्षक से कविता पढ़ी. प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने "मिट्टी का दिया, खेत-खलिहान के बिना बचपन", सिद्धांत शर्मा (हिंदी शोधार्थी) ने "हर सुबह अखबार झूठ बोलता है', दिव्या राय ने "पिता और बेटी के रिश्ते की तरह", डॉ. हेमंत पाटीदार ने 'जानता हूं सागर गहरा बहुत है', डॉ. शशि कुमार सिंह ने

'सागर और सागर के लोग शीर्षक से संस्कृत में कविता पाठ किया. कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. हिमांशु कुमार थे. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. ए. डी. शर्मा, प्रो. अनिल कुमार जैन, प्रो. नवीन कांगगो, प्रो. राजेंद्र यादव, डॉ. रितु यादव, कुलसचिव डॉ. एस.पी. उपाध्याय, वित्ताधिकारी डॉ. कुलदीपक शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ सुरेन्द्र गाढेवार, सहित समस्त विभागों के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी शोधार्थी एवं छात्र उपस्थित रहे.

महान स्वप्नद्रष्टा और महामनीषी डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिए- प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति

डॉ. सर हरीसिंह गौर को सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न की मांग की मुहिम में विश्वविद्यालय ने बढ़ चढ़कर भाग लिया

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर परिवार ने दैनिक भास्कर डॉ. गौर को 6.5 किलोमीटर लम्बे माल्यार्पण कार्यक्रम में

सहभागिता करते हुए डॉ. सर हरीसिंह गौर को सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न की मांग की मुहिम में बढ़ चढ़कर भाग लिया. भारत रत्न की माँग का समर्थन करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय प्रांगण स्थित गौर मूर्ति पर माल्यार्पण किया और माला की श्रृंखला को हस्तानांतरित किया. उन्होंने माल्यार्पण श्रृंखला के साथ पद यात्रा की. इस दौरान सभी ने डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने के लिए नारे लगाए. कुलपति ने कहा कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिए. वह एक लेखक, विचारक, कानूनविद, समाज सुधारक, और महान दानवीर थे. उनके संघर्ष एवं त्याग की मिसाल अन्य कहीं नहीं देखने को मिलता है. वह हमारे पितृ पुरुष है. ऐसे महान स्वप्नद्रष्टा और मनीषी को भारत रत्न अवश्य मिलना चाहिए. हम सब उन्हें भारत रत्न दिलाने में जरूर सफल होंगे.

इस अवसर पर विधायक प्रदीप लारिया, डॉ. अनिल तिवारी, प्रो. डी. के. नेमा, डॉ. एस पी उपाध्याय, प्रो. सुशील काशव, प्रो. रत्नेश दास, प्रो. राजेन्द्र यादव, प्रो. नवीन कानगो, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. रजनीश एवं विश्वविद्यालय के कई शिक्षक,

कर्मचारी, एनसीसी के विद्यार्थी, योग विभाग सहित कई विभागों के विद्यार्थी, विभिन्न महाविद्यालयों एवं स्कूलों के विद्यार्थी, शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे.

जवाहरलाल नेहरु ग्रंथालय में हुआ गौर साहित्य प्रदर्शनी का उद्घाटन

155 वीं गौर जयंती के उपलक्ष्य में ग्रंथालय विभाग के तत्वाधान में गौर साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. यह प्रदर्शनी 25-26 नवंबर को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगी. इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल तथा कुलगुरु नीलिमा गुप्ता द्वारा किया गया. इसमें डॉ. गौर द्वारा लिखित किताबें भी प्रदर्शनी के लिए

रखीं गई हैं. डॉ. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है जिन पर आडियो वीडियो फिल्म बनाई जायेगी. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर क्यू आर कोड उपलब्ध कराया जाएगा जिसे स्कैन करके डॉ. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों के डिजिटल संस्करण को पढ़ा जा सकता है. प्रदर्शनी में कुलपति तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों व शोध पत्रों को भी प्रदर्शित किया गया है. इस दौरान गौर सप्ताह समन्वयक प्रो. डी. के. नेमा, डॉ. रितु यादव, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय, वित्त अधिकारी कुलदीपक शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेंद्र गादेवार, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल उपस्थित रहे.

गौर मेले में लगे आकर्षक स्टाल, तीन दिन तक चला मेला

विश्वविद्यालय के महिला क्लब द्वारा गेस्ट हॉउस परिसर में गौर मेला का आयोजन किया गया. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मेले का उद्घाटन किया. उन्होंने मेले में लगे विभिन्न स्टाल का निरीक्षण किया. मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शॉल, महिलाओं के वूलेन कपड़े, वाल

डेकोरेशन की सामग्री, इन्डियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगाए गये. साथ ही फास्ट फ़ूड एवं विभिन्न व्यंजन के भी स्टाल लगाए हैं. विद्यार्थियों, शिक्षक, कर्मचारी के परिवार जन एवं शहरवासी मेले में पहुंचे और मनपसंद सामग्री खरीदी. इस अवसर पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, डॉ. कल्पना शर्मा, त्रिवेणिका रे, कीर्ति राज, अभिलाषा दुर्गवंशी सहित महिला समाज की सभी सदस्य उपस्थित रहे.

कुलाधिपति एवं कुलपति ने किया तीनबत्ती पर दीप प्रज्ज्वलन

गौर जयंती की पूर्व संध्या पर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री कन्हैयालाल बेरवाल, पूर्व आई.पी.एस. एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शहर के तीनबत्ती स्थित गौर मूर्ति पहुंचकर दीप प्रज्ज्वलन किया एवं पुष्पांजलि दी. इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने का सामूहिक प्रयास अवश्य सफल होगा- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

गौर जयंती के अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा ने तीनबत्ती पर किया संबोधित

महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ हरीसिंह गौर की 155वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सागर शहर के तीनबत्ती पहुँचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

और सभा को संबोधित किया. उन्होंने बुन्देली संकल्प के अद्वितीय नायक डॉ. सर हरीसिंह गौर की जयंती पर सभी नगरवासियों का अभिनन्दन करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दीं.

उन्होंने कहा आज का दिन हमारे लिए विशेष अर्थ रखता है क्योंकि आज के ही दिन इस धरती पर डॉ. हरीसिंह गौर जैसे महान शक्सियत ने जन्म लिया था। आज का दिन महज कैलेण्डर का एक पन्ना नहीं, बल्कि बुन्देलखण्ड के इतिहास

का एक खूबसूरत पैगाम है। एक ऐसा पैगाम जिससे जुड़कर हजारों-लाखों लोगों के जीवन में ज्ञान का वसंत आया। आप भाग्यशाली हैं कि आप डॉ. गौर के शहर के वासिन्दें हैं। आप सभी गौर साहब के जीवन और सृजन से खूब परिचित हैं।

उन्होंने डॉ. गौर के जीवन की संघर्ष यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ते हुए उनके चिरागी व्यक्तित्व का निर्माण हुआ। अपनी मातृभूमि के लिए कुछ श्रेष्ठ करने का संकल्प कभी नहीं छूटा। अपनी प्रतिभा से ज्ञान, राजनीति, पत्रकारिता, सृजनात्मकता आदि सभी क्षेत्रों में लगभग दिग्विजय प्राप्त करते हुए उन्होंने अपने समकालीन बड़ी हस्तियों को चौंका दिया। डॉ. गौर का यह जीवन हम सबके लिए एक मिसाल है। दुःख को शक्ति में, अभाव को सृजन में और संघर्ष को कैसे संकल्प में बदला जाता है, हमारे लिए यही गौर साहब की सीख है। एक श्रेष्ठ अधिवक्ता, विधि विशेषज्ञ, संविधान सभा के सदस्य, लेखक-कवि, धर्मज्ञ, शिक्षाविद, समाजसेवी, दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्थापक और नागपुर विश्वविद्यालय के कुलपति आदि भूमिकाओं में अपनी क्षमता और प्रतिभा से पूरे देश को प्रभावित किया। किन्तु अपार यश और समृद्धि के वैभव के बीच में भी उनकी मातृभूमि सागर की आकुल पुकार उनसे विस्मृत न हो सकी। 18 जुलाई, 1946 को अपनी पूरी सम्पत्ति का दान कर सागर विश्वविद्यालय की स्थापना की। डॉ. गौर द्वारा स्थापित यह विश्वविद्यालय अपनी स्थापना काल से ही अपने विशिष्ट ज्ञान और अनुसंधान के साथ राष्ट्र की प्रगति में अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहा है।

उन्होंने विश्वविद्यालय की अकादमिक यात्रा, उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपने नवोन्मेशी पाठ्यक्रमों, योग्य शिक्षकों, कर्मठ अधिकारियों, कर्मचारियों के सहयोग से ज्ञान-विज्ञान और शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुकूल श्रेष्ठ विद्यार्थी एवं संवेदनशील नागरिक तैयार करने की दिशा में सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। सभी नगरवासियों के स्नेह और सहयोग के साथ आज विश्वविद्यालय अपनी भौतिक अधोसंरचना में वृद्धि और वैश्विक स्तर पर अपनी अकादमिक प्रतिष्ठा में निरंतर सकारात्मक सम्पन्नता अर्जित कर रहा है। अकादमिक प्रगति के साथ ही विश्वविद्यालय अपने सामाजिक सरोकारों को भी लगातार पुनर्परिभाषित कर रहा है। आपका विश्वविद्यालय आपके प्रेम, सहयोग और समर्पण के लिए हमेशा आभारी है।

26 से 30 नवम्बर तक आयोजित किये जा रहे युवा उत्सव में सभी नगरवासियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार आयोजित होने जा रहा यह आयोजन निश्चित ही ऐतिहासिक होगा। आप सभी डॉ. गौर के सपनों के वास्तविक उत्तराधिकारी हैं। जिस तरह आप अपने गौर बप्पा को याद करते हैं; वह आपके प्रेम और श्रद्धा का अविरल उदाहरण है। विभिन्न मंच, संस्थाओं द्वारा डॉ. हरीसिंह गौर को भारत रत्न दिलवाने हेतु किए गए प्रयासों की यह विश्वविद्यालय सराहना करता है, समर्थन करता है और साथ ही मैं आवहन करती हूँ - समस्त सागर वासियों को - आइए हम सब एकजुट होकर डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाएं जिसके वह हकदार हैं। कह-कह कर थक गए हम, डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाना है। आइए, अब हमें मिलकर करके दिखाना है - हमें डॉ. गौर को - भारत रत्न दिलवाना है। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि, विभिन्न महाविद्यालयों एवं स्कूलों के विद्यार्थी, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं पत्रकारगण उपस्थित थे.

तीनबत्ती से निकली डॉ. गौर की भव्य शोभायात्रा

परम्परानुसार शहर के तीनबत्ती से बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकली जो प्रमुख मार्गों से होती हुई विश्वविद्यालय पहुँची. इस दौरान शहर के नागरिक, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी और आमजन इस शोभायात्रा का हिस्सा बने. शोभायात्रा का

जगह-जगह स्वागत हुआ.

गौर प्रांगण में हुआ मुख्य समारोह, अतिथियों ने किया संबोधित

महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ. हरीसिंह गौर की 155वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में अतिथियों द्वारा

दीप प्रज्ज्वलन तथा डॉ. गौर के तैल चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ मुख्य समारोह प्रारम्भ हुआ. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं पूर्व आईपीएस कन्हैया लाल बेरवाल ने की. सारस्वत उद्‌बोधन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने दिया. इस अवसर विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने ऑनलाइन माध्यम से वीडियो संबोधन दिया. सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, गोविन्द सिंह राजपूत, कैबीनेट मंत्री, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, मध्यप्रदेश शासन, शैलेन्द्र जैन, विधायक, सागर विधानसभा उपस्थित मंचासीन रहे और समारोह को संबोधित किया. गौर उत्सव के समन्वयक प्रो. दिनेश कुमार नेमा ने स्वागत भाषण दिया और गौर उत्सव-2024 का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. इस दौरान विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.डी. शर्मा, प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय और सह समन्वयक डॉ. ऋतु यादव मंचासीन थे.

महान दानवीर एवं स्वप्न द्रष्टा थे डॉ. गौर- कुलाधिपति

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने कहा कि डॉ. गौर साहित्यकार, कानूनविद एवं महान शिक्षाविद के साथ-साथ महान दानवीर एवं स्वप्न द्रष्टा थे. वे एक महान सुधारक भी थे. समाज के हर क्षेत्र में उन्होंने कार्य किया. उन्होंने विवि की स्थापना कर एक अभिनव दान दिया. उनके योगदान को स्मृति में रखये हुए हम सभी को उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए और उनके द्वारा बताये गये मार्गों का अनुकरण करना चाहिए.

डॉ. गौर के त्याग और योगदान को स्मृति में रखते हुए अपने दायित्वों के प्रति समर्पित हों- कुलपति

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय स्थापना काल से श्रेष्ठतम ज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी विशिष्टता के लिए जाना जाता रहा है। विश्वविद्यालय के इसी योगदान को देखते हुए भारत सरकार द्वारा 15 जनवरी, 2009 को इसे एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में प्रोन्नत कर दिया गया जो विश्वविद्यालय की अकादमिक क्षमता की राष्ट्रीय-स्वीकृति है। संस्थापक डॉ. गौर की जयंती सागर में एक पर्व की तरह

मनाई जाती है, साथ-साथ देश के अन्य स्थानों तथा विदेशों में भी बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। हमें गर्व है कि वर्तमान परिदृश्य में हमारे विद्यार्थी दुनिया भर में उच्च पदों पर कार्य करते हुए विश्वविद्यालय का नाम पूरे विश्व में रौशन कर रहे हैं, जिसका जीता जागता उदाहरण हमारा सम्मानीय मंच है।

कोई भी शिक्षा संस्थान अपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के नवोन्मेषी अकादमिक ज्ञान से ही प्रतिष्ठा पाता है। हम अपने पितृ पुरूष डॉ. गौर के महत्तम त्याग और योगदान को अपनी स्मृति में रखते हुए; अपने दायित्वों के प्रति समर्पित हो, संपूर्ण सेवा भाव से विश्वविद्यालय के उन्नयन में योगदान दें। विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षण और शोध को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति एवं स्थायित्व दें, शैक्षणिक गुणवत्ता ऐसी हो जो देश-विदेश के विद्यार्थियों को ज्ञानार्जन के लिए इस शिक्षा संस्थान की ओर आकर्षित करें। उन्होंने डॉ. गौर के जीवन और अवदान को रेखांकित करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति को साझा किया. उन्होंने गत वर्ष की अकादमिक उपलब्धियों का विस्तृत उल्लेख करते हुए कहा कि हमारा विश्वविद्यालय निरंतर नए मुकाम हासिल कर रहा है.

लाखा बंजारा झील और विश्वविद्यालय सागर की पहचान है- डॉ. वीरेंद्र कुमार

कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने वीडियो संबोधन में कहा कि डॉ. गौर ने विश्वविद्यालय की स्थापना करके ऐसा सपना पूरा किया जिसको यहाँ की जनता कभी भुला नहीं सकती. वे महान दानवीर, शिक्षाविद, कानूनविद, अनुशासन प्रिय और समय के पाबंद थे. उनके जन्मदिवस पर ही संविधान को अंगीकृत किया गया था. मेरे लिए गौरव की बात है कि मैं स्वयं यहाँ का छात्र रहा हूँ. सागर का लाखा बंजारा झील और विश्वविद्यालय सागर की पहचान है. उन्होंने गौर जयन्ती की शुभकामनाएं दीं.

डॉ. गौर ने सर्वस्व दानकर अज्ञानता के अंधकार को दूर करने ले लिए शिक्षा रूपी शस्त्र प्रदान किया- सांसद

सागर लोकसभा क्षेत्र की सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि संसद का सत्र चल रहा है लेकिन डॉ गौर के प्रति अगाध श्रद्धा होने के कारण आज मैं इस आयोजन में आई हूँ. उनके जन्म दिन पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना मेरे लिए गौरव की बात है. डॉ. गौर सागर के गौरव हैं. डॉ. गौर और उनके द्वारा स्थापित शिक्षा के इस केंद्र से ही सागर की पहचान है. वे एक तार्किक क्षमता वाले कानूनविद थे तो एक सहृदय कवि भी थे. वे दधीचि की तरह थे. उन्होंने अपना सर्वस्व दानकर अज्ञानता के अंधकार को दूर करने ले लिए शिक्षा रूपी शस्त्र प्रदान किया. उन्हें भारत रत्न जरूर मिलेगा और हम सब इस प्रयास में अवश्य सफल होंगे.

डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने का सामूहिक प्रयास अवश्य सफल होगा- मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत

मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि विश्वविद्यालय आने पर अतीत की स्मृति हो उठती है. यहाँ से पढ़े हुए छात्र बहुत ऊँचे पदों पर पहुंचे हैं और देश-विदेश में नाम कमा रहे हैं. यह सब डॉ. गौर की कृपा है. डॉ. गौर की जयन्ती केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में मनाई जाती है. उन्हें भारत दिलाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से कई स्तर की चर्चा हो चुकी है. हम सबका साझा और सामूहिक प्रयास जरूर सफल होगा और हम निश्चित तौर पर उन्हें भारत रत्न दिलाने में सफल हो पायेंगे. उन्होंने भास्कर समूह द्वारा चलाये गये माल्यार्पण और मानव श्रृंखला अभियान की प्रशंसा की.

नारी शक्ति के उत्थान में डॉ. गौर की महती भूमिका और योगदान- विधायक शैलेन्द्र जैन

नगर के विधायक शैलेन्द्र ने कहा कि डॉ. गौर ने नारी शक्ति के उत्थान में महत्त्वपूर्ण योगदान किया है. उन्होंने महिलाओं को वकालत करने का अधिकार दिलाया. सुप्रीम कोर्ट की स्थापना में भी उनका महती योगदान है. वे भारत रत्न के सच्चे हकदार हैं. हमें याचक के बजाये अब हक़ के साथ उन्हें भारत रत्न दिलाने का प्रयास करना चाहिए.

विश्वविद्यालय ने किया गौर पीठ के दानदाताओं का सम्मान

मुख्य समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं मंचासीन अथितियों ने गौर पीठ के दानदाताओं पूर्व सांसद, सागर लक्ष्मी नारायण यादव, समाजसेवी डॉ. वंदना गुप्ता, सरस्वती वाचनालय के सचिव पं. शुकदेव तिवारी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति चौहान, पूर्व जेल अधीक्षक डॉ. गोपाल ताम्रकार, पूर्व विभागाध्यक्ष गणित विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय प्रो. आर.के. नामदेव, प्राचार्य आई.टी.आई. सागर मुलु कुमार प्रजापति को सम्मानित किया.

पत्रकारिता विभाग के प्रायोगिक पत्र समय और शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का हुआ विमोचन

मंचासीन अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया. इस दौरान संचार एवं पत्रकारिता विभाग के प्रायोगिक पत्र समय का भी विमोचन किया गया.

अतिथियों ने मेधावी छात्रों को किया पुरस्कृत

समारोह में मंचासीन अतिथियों द्वारा विभिन्न दानदाताओं द्वारा प्रदत्त राशि से विश्वविद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के मेधावी छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया.

संविधान की उद्देशिका का हुआ वाचन

संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की उद्देशिका का वाचन करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने संविधान के प्रति आस्थावान रहने की शपथ दिलाई. कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया. आभार ज्ञापन प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने किया.

को

महामनीषी एवं कुलपिता
को

महामनीषी एवं कुलपिता
को

महामनीषी एवं कुलपिता
को

महामनीषी एवं कुलपि
को

महामनीषी एवं कुलपिता
को

ख़बरों में गौर उत्सव 2024

गौर जयंती पर 11 दिनों का उत्सव • कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा- गौर संग्रहालय, कटरा में मनोरंजन केंद्र शुरू होगा

गौर उत्सव के विजेताओं को डॉ. गौर, ओशो, पद्माकर, लाखा बंजारा, ईसुरी के नाम पर दिए जाएंगे पुरस्कार

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. हरीसिंह गौर का 155वां जन्म दिवस गौर उत्सव के रूप में इस बार 11 दिन मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में 20 से 26 नवंबर तक गौर उत्सव, तो 26 से 30 नवंबर तक भारतीय विश्वविद्यालय संघ के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव गौर-गौरव उत्सव के रूप में मनाया जाएगा।

यह जानकारी डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के सम्मेलन कक्ष में शुक्रवार को पत्रकारवार्ता में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। उन्होंने कहा गौर जयंती का परंपरागत कार्यक्रम तीन बत्ती से लेकर विवि तक पूरे उत्साह से हर साल की तरह ही होगा। डॉ. गौर के संकल्प और सपनों को साकार करना हमारा दायित्व है। डॉ. गौर की जयंती पर हमारा प्रयास है कि हम गौर संग्रहालय की शुरुआत करें। उनकी स्मृतियों को सहेजें और उनके साहित्य से लोगों को परिचित कराएं ताकि उनके अद्वितीय योगदान का प्रचार-प्रसार हो सके। कुलपति ने कहा डॉ. गौर को भारत रत्न मिले, इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है। हमने एक प्रस्ताव भी पूरे तथ्यों के साथ मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय में दिया है। इसी मांग को लेकर युवा उत्सव पर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा।

गौर पीठ के लिए दान करने वालों का होगा सम्मान

गौर जयंती के दिन गौर पीठ की स्थापना के लिए 1 लाख रुपए या उससे अधिक दान करने वाले दानदाताओं का विश्वविद्यालय द्वारा सम्मान किया जाएगा। उन्होंने गौर पीठ के लिए अधिक से अधिक लोगों से सहयोग करने की अपील की। इस पीठ के माध्यम से डॉ. गौर के बहुआयामी व्यक्तित्व और कृतित्व के पर शोध एवं अनुसंधान किया जाएगा। यह केवल विश्वविद्यालय का ही नहीं बल्कि पूरे सागर शहर का आयोजन है। गौर उत्सव के आयोजनों में शहर और विश्वविद्यालय से जुड़े प्रत्येक नागरिक का स्वागत और अभिनंदन है।

मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के 1200 विद्यार्थी लेंगे हिस्सा, पच बधाव भी निकलेगा

गौर उत्सव के मुख्य समन्वयक प्रो. डीके नेमा ने सात दिवसीय आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। युवा उत्सव के सचिव डॉ. राकेश सोनी ने 26 से 30 नवंबर तक होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा रखते हुए बताया कि आयोजन में मध्य क्षेत्र के विश्वविद्यालयों के 1200 प्रतिभागी कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। इसमें विजयी प्रतिभागी और दल राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए चुने जाते हैं। सांस्कृतिक रैली में डॉ. गौर का पच बधाव निकलेगा। बंगला पान, चिरोंजी की बर्फी, गुजराती नमकीन आदि से सबका स्वागत होगा। पूरा आयोजन बुंदेली परंपरा के अनुसार होगा। पच बधाव में किताबें भी लाइब्रेरी के लिए उपहार में मिलेंगी। संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल ने किया। इस मौके पर सह समन्वयक प्रो. ऋतु यादव, डॉ. राजेंद्र यादव, डॉ. आशुतोष, डॉ. रजनीश, समर्थ दीक्षित, प्रवीण राठौर आदि मौजूद थे।

28 विधाओं में होंगी प्रतियोगिताएं

विश्वविद्यालय को पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है। इसमें सांस्कृतिक रैली, संगीत, मिमिक्री, पोस्टर मेकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, चित्रकारी, क्विज प्रतियोगिता, क्ले मॉडलिंग, फोटोग्राफी, डिबेट, समूह नृत्य, समूह गायन, कार्टूनिंग, रंगोली, कोलाज, मेहंदी, लोक वाद्य, लोक नृत्य सहित 28 विधाओं की प्रतियोगिताएं होंगी। प्रतिभागी विश्वविद्यालयों की टीम के आवास, भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय में ही रहेगी। युवा उत्सव के विजेताओं को लाखा बंजारा, हरीसिंह गौर, ईशुरी, आचार्य रजनीश ओशो, कवि पद्माकर, विष्णु पाठक, प्रेम गुरुजी, चुन्नीलाल रैकवार, श्यामाकांत मिश्रा, दिनेश भाई पटेल, महेंद्र मेवाती, कृष्णगोपाल श्रीवास्तव, विट्ठल भाई पटेल, कामता प्रसाद गुरु, सहोदरा बाई, शिवकुमार श्रीवास्तव, अब्दुल गनी आदि के नाम पर विजेताओं को पुरस्कार दिए जाएंगे।

हम सब डॉ. गौर के ऋणी, भारत रत्न दिलाने के लिए करेंगे सामूहिक प्रयास : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

गौर जयन्ती एवं 38वें अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024 के संबंध में हुई पत्रकार-वार्ता

सत्ता सुधार ■ सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2024 का आयोजन किया जा रहा है. साथ ही भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एयू) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है।विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के सम्मेलन कक्ष में आयोजित पत्रकार-वार्ता कार्यक्रम में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय में एक सप्ताह तक विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है. इसी के साथ पांच दिवसीय युवा उत्सव भी आयोजित किया जा रहा है। सागर शहर और विश्वविद्यालय परिवार अपने पितृ पुरुष की जन्म जयन्ती को मिल जुलकर उत्साहपूर्वक एक उत्सव के रूप में मनायेगा. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्प और सपनों को साकार करना हमारा दायित्व है।पूरे सप्ताह कई अकादमिक-सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी. उन्होंने कहा कि डॉ गौर के जन्म दिन पर हमारा प्रयास है कि हम गौर संग्रहालय की शुरुआत करें, उनकी स्मृतियों को सहेजें और उनके साहित्य से लोगों को परिचित कराएं ताकि उनके अद्वितीय योगदान का प्रचार-प्रसार हो सके।

उन्होंने कहा कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिले, इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है. डॉ गौर को भारत रत्न दिलाने संबंधी प्रयासों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि हम लोग इसके लिए पूर्ण प्रयासरत हैं।सांस्थानिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रयासों की एकजुटता से हम डॉ. गौर को देश का सर्वोच्च सम्मान दिलाने में हम जरूर सफल हो सकते हैं. उन्होंने पत्रकारों से भी अपील की कि उनके योगदान और कार्यों को लगातार प्रचारित करें ताकि हम एक मुहिम चला सकें और उन्हें भारत रत्न दिला सकें. इस युवा उत्सव पर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि गौर जयन्ती के दिन 'गौर पीठ' की स्थापना के लिए एक लाख रूपये या उससे अधिक दान करने वाले दानदाताओं का विश्वविद्यालय द्वारा सम्मान किया जाएगा. उन्होंने गौर पीठ के लिए अधिक से अधिक लोगों से सहयोग करने की अपील की. इस पीठ के माध्यम से डॉ. गौर के बहुआयामी व्यक्तित्व और कृतित्व के पर शोध एवं अनुसंधान किया जाएगा. उन्होंने कहा कि यह केवल विश्वविद्यालय का ही आयोजन नहीं बल्कि पूरे सागर शहर का आयोजन है. उन्होंने कहा कि गौर उत्सव के विविध आयोजनों में शहर और विश्वविद्यालय से जुड़े प्रत्येक नागरिक का स्वागत और अभिनन्दन है और पत्रकार बंधुओं से अपेक्षा है कि मीडिया के माध्यम से डॉ. गौर जयन्ती के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, उनके विचारों, कार्यों और सपनों को जन-जन तक पहुचाएं. यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।गौर उत्सव आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. डी. के. नेमा ने सात दिवसीय आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की. युवा उत्सव के सचिव डॉ. राकेश सोनी ने 26 से 30 नवंबर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा रखते हुए बताया कि आयोजन में मध्य क्षेत्र के विश्वविद्यालयों के लगभग 1200 प्रतिभागी कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे. इसमें विजयी प्रतिभागी और दल राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए चुने जाते हैं।डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है. इस युवा उत्सव में सांस्कृतिक रैली, संगीत, मिमिक्री, पोस्टर मेकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, चित्रकारी, क्विज प्रतियोगिता, क्ले मॉडलिंग, फोटोग्राफी, डिबेट, समूह नृत्य, समूह गायन, कार्टूनिंग, रंगोली, कोलाज, मेहंदी, लोक वाद्य, लोक नृत्य सहित 28 विधाओं की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी।

गौरजयन्ती एवं 38वें अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024 के संबंध में हुई पत्रकार-वार्ता

हम सब डॉ. गौर के ऋणी, भारत रत्न दिलाने के लिए करेंगे सामूहिक प्रयास : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विजय मत, ब्यूरो, सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ। सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2024 का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के सम्मेलन कक्ष में आयोजित पत्रकार-वार्ता कार्यक्रम में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो। नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय में एक सप्ताह तक विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। इसी के साथ पांच दिवसीय युवा उत्सव भी आयोजित किया जा रहा है। सागर शहर और विश्वविद्यालय परिवार अपने पितृ पुरुष की जन्म जयन्ती को मिल जुलकर उत्साहपूर्वक एक उत्सव के रूप में मनायेगा। उन्होंने कहा कि डॉ। गौर के संकल्प और सपनों को साकार करना हमारा दायित्व है। पूरे सप्ताह कई अकादमिक-सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित

की जायेंगी। उन्होंने कहा कि डॉ गौर के जन्म दिन पर हमारा प्रयास है कि हम गौर संग्रहालय की शुरुआत करें, उनकी स्मृतियों को सहेजें और उनके साहित्य से लोगों को परिचित कराएं ताकि उनके अद्वितीय योगदान का प्रचार-प्रसार हो सके।

उन्होंने कहा कि डॉ। गौर को भारत रत्न मिले, इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है। डॉ गौर को भारत रत्न दिलाने संबंधी प्रयासों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि हम लोग इसके लिए पूर्ण प्रयासरत हैं। सांस्थानिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रयासों की एकजुटता से हम डॉ। गौर को देश का सर्वोच्च सम्मान दिलाने में हम जरूर सफल हो सकते हैं। उन्होंने पत्रकारों से भी अपील की कि उनके योगदान और कार्यों को लगातार प्रचारित करें ताकि हम एक मुहिम चला सकें और उन्हें भारत रत्न दिला सकें। इस युवा उत्सव पर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा।

हम सब डॉ. गौर के ऋणी, भारत रत्न दिलाने के लिए करेंगे सामूहिक प्रयास : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

गौर जयन्ती एवं 38वें अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024 के संबंध में हुई पत्रकार-वार्ता

अनुराग विश्वकर्मा जिला ब्यूरो

सागर (विंध्यसत्ता) डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2024 का आयोजन किया जा रहा है. साथ ही भारतीय विश्वविद्यालय संघ (ढ्ढ) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है.

विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के सम्मेलन कक्ष में आयोजित पत्रकार-वार्ता कार्यक्रम में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय में एक सप्ताह तक विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है. इसी के साथ पांच दिवसीय युवा उत्सव भी आयोजित किया जा रहा है. सागर शहर और विश्वविद्यालय परिवार अपने पितृ पुरुष की जन्म जयन्ती को मिल जुलकर उत्साहपूर्वक एक उत्सव के रूप में मनायेगा. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्प और सपनों को साकार करना हमारा दायित्व है. पूरे सप्ताह कई अकादमिक-सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी. उन्होंने कहा कि डॉ गौर के जन्म दिन पर हमारा प्रयास है कि हम गौर संग्रहालय की शुरुआत करें, उनकी स्मृतियों को सहेजें और उनके साहित्य से लोगों को परिचित कराएं ताकि उनके अद्वितीय योगदान का प्रचार-प्रसार हो सके.

उन्होंने कहा कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिले, इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है. डॉ गौर को भारत रत्न दिलाने संबंधी प्रयासों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि हम लोग इसके लिए पूर्ण प्रयासरत हैं. सांस्थानिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रयासों की एकजुटता से हम डॉ. गौर को देश का सर्वोच्च सम्मान दिलाने में हम जरूर सफल हो सकते हैं. उन्होंने पत्रकारों से भी अपील की कि उनके योगदान और कार्यों को लगातार प्रचारित करें ताकि हम एक मुहिम चला सकें और उन्हें भारत रत्न दिला सकें. इस युवा उत्सव पर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा. उन्होंने कहा कि गौर जयन्ती के दिन 'गौर पीठ' की स्थापना के लिए एक लाख रूपये या उससे अधिक दान करने वाले दानदाताओं का विश्वविद्यालय द्वारा सम्मान किया जाएगा. उन्होंने गौर पीठ के लिए अधिक से अधिक लोगों से सहयोग करने की अपील की. इस पीठ के माध्यम से डॉ. गौर के बहुआयामी व्यक्तित्व और कृतित्व के पर शोध एवं अनुसंधान किया जाएगा. उन्होंने कहा कि यह केवल विश्वविद्यालय का ही आयोजन नहीं बल्कि पूरे सागर शहर का आयोजन है. उन्होंने कहा कि गौर उत्सव के विविध आयोजनों में शहर और विश्वविद्यालय से जुड़े प्रत्येक नागरिक का स्वागत और अभिनन्दन है और पत्रकार बंधुओं से अपेक्षा है कि मीडिया के माध्यम से डॉ. गौर जयन्ती के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, उनके विचारों, कार्यों और सपनों को जन-जन तक पहुचाएं. यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी. गौर उत्सव आयोजन के मुख्य समन्वयक प्रो. डी. के. नेमा ने सात दिवसीय आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की. युवा उत्सव के सचिव डॉ. राकेश सोनी ने 26 से 30 नवंबर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा रखते हुए बताया कि आयोजन में मध्य क्षेत्र के विश्वविद्यालयों के लगभग 1200 प्रतिभागी कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे. इसमें विजयी प्रतिभागी और दल राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए चुने जाते हैं. डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर को पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है. इस युवा उत्सव में सांस्कृतिक रैली, संगीत, मिमिक्री, पोस्टर मेकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, चित्रकारी, क्विज प्रतियोगिता, क्ले मॉडलिंग, फोटोग्राफी, डिबेट, समूह नृत्य, समूह गायन, कार्टूनिंग, रंगोली, कोलाज, मेहंदी, लोक वाद्य, लोक नृत्य सहित 28 विधाओं की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी. सभी प्रतिभागी विश्वविद्यालयों की टीम के आवास, भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय में की जायेगी. भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा निर्धारित नियमों के तहत सभी प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी जिनमें अधिकृत निर्णायक मंडल द्वारा निर्णय किये जायेंगे. समस्त प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न आयोजन स्थलों पर आयोजित होंगे। कार्यक्रम का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल ने किया. इस अवसर पर सह समन्वयक प्रो.ऋतु यादव, डॉ. राजेंद्र यादव, डॉ. आशुतोष, डॉ. रजनीश, समर्थ दीक्षित, प्रवीण राठौर तथा सागर शहर के सम्माननीय पत्रकार गण मौजूद रहे.

विस्तृत कार्यक्रम विवरण 20-26 नवम्बर 2024 गौर जयंती पर रेडियो पर होंगे विशेष प्रसारण गौर जयंती के अवसर पर 25 नवंबर सायं 06.30 बजे आकाशवाणी सागर से डॉ गौर की जीवनी पर आधारित कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का रेडियो वार्ता का प्रसारण होगा. 20 नवम्बर को आयोजित कार्यक्रम प्रातः 09.30 बजे - ङ्क-20 मैत्री क्रिकेट मैच

स्थान - अब्दुल गनी खान स्टेडियम प्रातः 11:00 बजे से विश्वविद्यालयीन अन्तर-शाला विद्यार्थी प्रतियोगिताएँ स्थान - अब्दुल गनी खान स्टेडियम /गौर समाधि प्रांगण

21 नवम्बर को आयोजित कार्यक्रम प्रातः 11.00 बजे से विश्वविद्यालय के संबद्ध महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम

स्थान स्वर्ण जयंती सभागार

22-23 नवम्बर को आयोजित कार्यक्रम

प्रातः 11.00 बजे से मनोरंजक एवं महिला खेल-कूद प्रतियोगिता

स्थान अब्दुल गनी खान स्टेडियम

23 नवम्बर को आयोजित कार्यक्रम

प्रातः 10.00 बजे से विद्यालयीन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 के विद्यार्थियों द्वारा

स्थान- स्वर्ण जयंती सभागार

24 नवम्बर को आयोजित कार्यक्रम

अपरान्ह 4.00 बजे से विश्वविद्यालय परिवार की काव्यात्मक प्रस्तुति

स्थान- अभिमंच सभागार

25 -27 नवम्बर को आयोजित कार्यक्रम

प्रातः 10.00 बजे से गौर जयंती मेले का आयोजन

स्थान- आचार्य शंकर भवन

25 से 26 नवम्बर प्रातः 11:00 बजे से शाम 05 बजे तक, गौर साहित्य प्रदर्शनी

स्थान-जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय

25 नवम्बर को आयोजित कार्यक्रम

सायं ः 06:00 बजे से गौर मूर्ति पर दीप प्रज्जवलन, माननीया कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता एवं विश्वविद्यालय परिवार

सायं ; 06 :30 बजे डॉ गौर की जीवनी - रेडियो वार्ता का प्रसारण, माननीया कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता द्वारा

26 नवम्बर को आयोजित होने वाले कार्यक्रम

प्रातः 8.30 बजे गौर मूर्ति तीनबत्ती पर माननीया कुलपति जी द्वारा गौर मूर्ति पर माल्यार्पण एवं उद्बोधन

गौर शोभा यात्रा प्रातः 8.30 बजे से गौर मूर्ति तीनबत्ती से विश्वविद्यालय प्रांगण तक

गौर समाधि प्रांगण में प्रातः 10:30 बजे से गौर जयंती मुख्य समारोह

सायं 6:00 बजे गौर समाधि प्रांगण में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

दैनिक जन चिंगारी

सागर/आस पास

हम सब डॉ. गौर के ऋणी, भारत रत्न दिलाने के लिए करेंगे सामूहिक प्रयासः कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

गौर जयन्ती एवं 38वें अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024 के संबंध में हुई पत्रकार-वाता

जनचिंगारी- 9302303212

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2024 का आयोजन किया जा रहा है. साथ ही भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के सम्मेलन कक्ष में आयोजित पत्रकार-वार्ता कार्यक्रम में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय में एक सप्ताह तक विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है. इसी के साथ पांच दिवसीय युवा उत्सव भी आयोजित किया जा रहा है। सागर शहर और विश्वविद्यालय परिवार अपने पितृ पुरुष की जन्म जयन्ती को मिल जुलकर उत्साहपूर्वक एक उत्सव के रूप में मनायेगा। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्प और सपनों को साकार करना हमारा दायित्व है। पूरे सप्ताह कई अकादमिक-सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी. उन्होंने कहा कि डॉ गौर के जन्म दिन पर हमारा प्रयास है कि हम गौर संग्रहालय की शुरुआत करें, उनकी स्मृतियों को सहेजें और उनके साहित्य से लोगों को परिचित कराएं ताकि उनके अद्वितीय योगदान का प्रचार-प्रसार हो सके।

उन्होंने कहा कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिले, इसके लिए विश्वविद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है. डॉ गौर को भारत रत्न दिलाने संबंधी प्रयासों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि हम लोग इसके लिए पूर्ण प्रयासरत हैं। सांस्थानिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रयासों की एकजुटता से हम डॉ. गौर को देश का सर्वोच्च सम्मान दिलाने में हम जरूर सफल हो सकते हैं. उन्होंने पत्रकारों से भी अपील की कि उनके योगदान और कार्यों को लगातार प्रचारित करें ताकि हम एक मुहिम चला सकें और उन्हें भारत रत्न दिला सकें. इस युवा उत्सव पर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा।

गौर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट की हुई शुरुआत

डॉ. गौर की विरासत को संजोते हुए उनके सपनों को पूरा करेंगे- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

दैनिक प्रदेश वॉच सागर संवाददाता। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2024 का आयोजन किया जा रहा है. गौर उत्सव की शुरुआत शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित टी 20 मैत्री क्रिकेट मैच से हुई. यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के अब्दुल गनी खान स्टेडियम में प्रारंभ हुई. मैच की शुरुआत विशिष्ट अतिथि विवि के सेवानिवृत्त प्रो. सुबोध जैन, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, प्रो. अनिल जैन, प्रो. डी. के. नेमा, प्रो. अजीत जायसवाल, डॉ. सुरेन्द्र गादेवार, डॉ. पंकज तिवारी, प्रो. विवेक साठे की उपस्थिति में हुईइस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्टेडियम पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया. उन्होंने कहा गौर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित उत्साहजनक खेल के साथ गौर उत्सव प्रारम्भ हो रहा है. यह ऐतिहासिक कार्यक्रम है. गौर जयन्ती की श्रृंखला में आयोजित गतिविधियाँ प्रत्येक वर्ष बहुत ही उल्लास के साथ आयोजित की जाती हैं. हम डॉ. गौर के अविस्मरणीय योगदान को

याद करते हुए उनके द्वारा सौंपी गई विरासत का नाम रोशन करेंगे. अकादमिक शोध, अध्ययन-अध्यापन और बहुआयामी गतिविधियों को लगातार आयोजित करते हुए हम विकास के पथ पर यूं ही आगे बढ़ते रहेंगेप्रथम मैच संबद्ध महाविद्यालय बनाम विश्वविद्यालय एकादश (ए) के बीच खेला गया, जिसमें विश्वविद्यालय एकादश ए ने यह मैच 5 रन से जीता. संबद्ध महाविद्यालय क्रिकेट टीम के कप्तान अजय श्रीवास्तव और विश्वविद्यालय एकादश ए के कप्तान कृष्ण कुमार थे. संबद्ध महाविद्यालय ने टॉस जीत कर पहले बॉलिंग करने का फैसला किया था. विश्वविद्यालय एकादश ए पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट खोकर संबद्ध महाविद्यालय को 155 रनों का लक्ष्य दिया. विश्वविद्यालय एकादश ए की तरफ से नवनीत कुमार सिंह ने सर्वाधिक 73 रन की शानदार पारी खेली साथ ही हेमंत पाटीदार ने 21 रन, शंकर पटेल ने 18 रन बनाये. वहीं संबद्ध महाविद्यालय ने बॉलिंग करते हुए सिद्धार्थ ने 2 विकेट लिए, अंकित हजारी ओर समीर ने क्रमशः 1-1 विकेट लिए इसी के साथ दूसरी इनिंग में संबद्ध महाविद्यालय की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 151 रन ही बना सकी. सर्वाधिक 48 रन अंकित जैन ने, अंकित हजारी ने 25 रन एवं 16 रनों की पारी सिद्धार्थ ने खेली. विश्वविद्यालय एकादश ए ने गेंदबाजी करते हुए नितेश, हेमंत एवं विनय शुक्ला ने 2-2 विकेट लिए, 1 विकेट नीरज ने लिया. महेंद्र बाथम एवं अंकित ने शानदार फील्डिंग की. विश्वविद्यालय एकादश ए ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 4 रन से जीत अर्जित कर अगले दौर में प्रवेश कियाप्रतियोगिता का द्वितीय मैच पत्रकार एकादश और विश्वविद्यालय एकादश (बी) के बीच खेला गया, जिसमें टॉस जीतकर विश्वविद्यालय एकादश (बी) टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 7 विकेट खोकर 119 रन बनाए. सर्वाधिक 62 रनों की पारी अंजन्य शुक्ला ने खेली, सत्यम ने 20 रनों की पारी खेली।

विश्वविद्यालय एकादश-ए और पत्रकार एकादश की टीमें सेमीफाइनल में पहुंची, आज भी 2 मैच होंगे

गौर उत्सव : टी-20 मैत्री टूर्नामेंट के मुकाबले विवि मैदान पर हुए शुरू, कुलपति गुप्ता ने किया टॉस

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ हरीसिंह गौर जयंती के उपलक्ष्य में खेलकूद गतिविधियों में बुधवार को टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच का शुभारंभ विवि मैदान पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया। पहला मैच डॉ. हरीसिंह गौर विवि एकादश-ए टीम एवं सम्बद्ध महाविद्यालय टीम के बीच हुआ। टॉस जीतकर संबद्ध महाविद्यालय ने डॉ हरीसिंह गौर विवि को पहले बल्लेबाजी करने को आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए 155 रन बनाए। नवनीत कुमार ने 54 बॉल पर 73 रनों की शानदार पारी खेली। सम्बद्ध महाविद्यालय की ओर से गेंदबाजी करते हुए सिद्धार्थ ने 2, अंकित एवं शमीर ने एक-एक विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सम्बद्ध

महाविद्यालय की टीम निर्धारित 20 ओवर में 151 रन ही बना सकी। सर्वाधिक 48 रन अंकित जैन ने बनाए। विवि की ए टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 4 रन से जीत अर्जित कर अगले दौर में प्रवेश किया।

प्रतियोगिता का दूसरा मैच पत्रकार एकादश एवं विश्वविद्यालय-बी टीम के बीच खेला गया, जिसमें टॉस जीतकर विश्वविद्यालय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 7 विकेट खोकर 119 रन बनाए। सर्वाधिक 62 रनों की पारी अंजन्य शुक्ला ने खेली। पत्रकार की ओर से गेंदबाजी करते हुए दानिश ने 5 विकेट, भूपेंद्र एवं दिनेश ने एक-एक विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पत्रकार एकादश की टीम ने 7 विकेट से जीत अर्जित की। सर्वाधिक शशांक ने 45 रनों की पारी खेली। शानू ने 22 एवं सोमू ने 16 और दिनेश ने 13 रन बनाए। उदघाटन समारोह की अध्यक्षता प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय ने की।

विशिष्ट अतिथि प्रो. डीके नेमा, प्रो. सुबोध जैन, प्रो. एनपी सिंह, प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. अनिल जैन, प्रो एसएच आदिल, प्रो. ऋतु यादव, डॉ. एसपी गादेवार रहे। निदेशक शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ. विवेक वी साठे ने स्वागत भाषण और प्रतियोगिता की जानकारी दी।

अब्दुल गनी खान स्टेडियम में क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू

क्रिकेट प्रतियोगिता से गौर उत्सव का आगाज, आज से आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

155वीं जयंती पर विशेष
पत्रिका
सागर के गौरव 'सर गौर'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में बुधवार को गौर उत्सव का आगाज क्रिकेट प्रतियोगिता से हुआ। यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के अब्दुल गनी खान स्टेडियम में प्रारंभ हुई। सुबह की पाली में टूर्नामेंट की शुरुआत में विश्वविद्यालय एकादश टीम ए और संबद्ध कॉलेज एकादश के बीच पहला मैच हुआ। जिसमें विश्वविद्यालय एकादश ने 20 ओवर में 155 रन का लक्ष्य रखा। जिसका पीछा करते हुए संबद्ध कॉलेज एकादश की टीम 149 रन ही बना सकी। विश्वविद्यालय एकादश टीम ए ने यह मैच 6 रन से जीता। वहीं दूसरा मैच पत्रकार इलेवन और विश्वविद्यालय एकादश टीम बी के बीच खेला गया। जिसमें विश्वविद्यालय एकादश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 119 रन बनाए। विश्वविद्यालय की ओर से अंजनेय ने अर्द्ध शतकीय पारी खेली। वहीं पत्रकार इलेविन की ओर से दानिश खान ने 5 विकेट झटके। वहीं दिनेश परिहार और भूपेंद्र प्रजापति ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पत्रकार इलेवन की टीम ने 15 ओवर में ही 123 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया, जिसमें शशांक दुबे ने 55 रन की शानदार पारी खेली। इस जीत के साथ पत्रकार इलेवन ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। अब शुक्रवार को पत्रकार इलेवन और विश्वविद्यालय एकादश टीम बी के बीच सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच के अंपायर वैभव, शिवांशु यादव, अमन दुबे, रुद्रांश रहे एवं स्कोरर नैन्सी कुर्मी और आदित्य बेन रहे। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र बाथम ने किया एवं आभार डॉ. सुमन पटेल ने माना। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. विवेक साठे, महाविद्यालयीन प्रतिनिधि डॉ. राजू टंडन, डॉ. आशीष पटेरिया, डॉ राजेंद्र यादव, डॉ. हिमांशु यादव, डॉ. विवेक जायसवाल, शिक्षक, अधिकारी, छात्र एवं पत्रकार उपस्थित रहे।

आज ये कार्यक्रम होंगे

विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय का गुरुवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 11 बजे से होगा। एडवोकेट एकादश एवं एमपीईबी एकादश के बीच क्रिकेट मैच सुबह 9.30 बजे से होगा। स्कूल शिक्षा एवं जिला प्रशासन एकादश के मध्य दोपहर 1.30 बजे से खेला जाएगा। छात्र-छात्राओं के लिए अंतर अध्ययनशाला स्वदेशी खेल कबड्डी और रस्साकसी सुबह 11 बजे से आयोजित होगी।

गौर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट की हुई शुरुआत

डॉ. गौर की विरासत को संजोते हुए उनके सपनों को पूरा करेंगे: कुलपति

विजय मत, सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2024 का आयोजन किया जा रहा है. गौर उत्सव की शुरुआत शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित टी 20 मैत्री क्रिकेट मैच से हुई. यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के अब्दुल गनी खान स्टेडियम में प्रारंभ हुई. मैच की शुरुआत विशिष्ट अतिथि विवि के सेवानिवृत्त प्रो. सुबोध जैन, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, प्रो. अनिल जैन, प्रो. डी. के. नेमा, प्रो. अजीत जायसवाल, डॉ. सुरेन्द्र गादेवार, डॉ. पंकज तिवारी, प्रो. विवेक साठे की उपस्थिति में हुई. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्टेडियम पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया. उन्होंने कहा गौर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित उत्साहजनक खेल के साथ गौर उत्सव प्रारम्भ हो रहा है. यह ऐतिहासिक कार्यक्रम है. गौर जयन्ती की श्रृंखला में आयोजित

गतिविधियाँ प्रत्येक वर्ष बहुत ही उल्लास के साथ आयोजित की जाती हैं. हम डॉ. गौर के अविस्मरणीय योगदान को याद करते हुए उनके द्वारा सौंपी गई विरासत का नाम रोशन करेंगे. अकादमिक शोध, अध्ययन-अध्यापन और बहुआयामी गतिविधियों को लगातार आयोजित करते हुए हम विकास के पथ पर यूं ही आगे बढ़ते रहेंगे. प्रथम मैच संबद्ध महाविद्यालय बनाम विश्वविद्यालय एकादश (ए) के बीच खेला गया, जिसमें विश्वविद्यालय एकादश ए ने यह मैच 5 रन से जीता. संबद्ध महाविद्यालय क्रिकेट टीम के कप्तान अजय श्रीवास्तव और विश्वविद्यालय एकादश ए के कप्तान कृष्ण कुमार थे. संबद्ध महाविद्यालय ने टॉस जीत कर पहले बॉलिंग करने का फैसला किया था. विश्वविद्यालय एकादश ए पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट खोकर संबद्ध महाविद्यालय को 155 रनों का लक्ष्य दिया. विश्वविद्यालय एकादश ए की तरफ से नवनीत कुमार सिंह ने सर्वाधिक 73 रन की शानदार पारी खेली साथ ही हेमंत पाटीदार ने 21 रन, शंकर पटेल ने 18 रन बनाये. वही संबद्ध महाविद्यालय ने बॉलिंग करते हुए सिद्धार्थ ने 2 विकेट लिए, अंकित हजारी ओर समीर ने क्रमशः 1-1 विकेट लिए इसी के साथ दूसरी इनिंग में संबद्ध महाविद्यालय की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 151 रन ही बना सकी. सर्वाधिक 48 रन अंकित जैन ने, अंकित हजारी ने 25 रन एवं 16 रनों की पारी सिद्धार्थ ने खेली. विश्वविद्यालय एकादश ए ने गेंदबाजी करते हुए नितेश, हेमंत एवं विनय शुक्ला ने 2-2 विकेट लिए, 1 विकेट नीरज ने लिया. महेंद्र बाथम एवं अंकित ने शानदार फील्डिंग की. विश्वविद्यालय एकादश ए ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 4 रन से जीत अर्जित कर अगले दौर में प्रवेश किया प्रतियोगिता का द्वितीय मैच पत्रकार एकादश और विश्वविद्यालय एकादश (बी) के बीच खेला गया, जिसमें टॉस जीतकर विश्वविद्यालय एकादश (बी) टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में 7 विकेट खोकर 119 रन बनाए. सर्वाधिक 62 रनों की पारी अंजन्य शुक्ला ने खेली, सत्यम ने 20 रनों की पारी खेली. पत्रकार एकादश की ओर से गेंदबाजी करते हुए दानिश ने 5 विकेट भूपेंद्र एवं दिनेश ने एक-एक विकेट लिए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी पत्रकार एकादश की टीम ने 7 विकेट से जीत अर्जित की सर्वाधिक शशांक ने 45 रनों की पारी खेली शानू ने 22 एवं सोमू ने 16 एवं दिनेश ने 13 रन बनाये. विश्वविद्यालय एकादश (बी) की ओर से गेंदबाजी करते हुए हिमांशु यादव, सत्यम एवं पीयूष ने 1-1 विकेट लिए।

गौर उत्सव • विश्वविद्यालय में संबद्ध महाविद्यालयों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया

डॉ. गौर देश के अनमोल रत्न, उनके जैसा उदाहरण पूरे देश में कहीं नहीं: पटेल

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में 20 से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव-2024' का आयोजन किया जा रहा है। 21 नवंबर को विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन स्वर्ण जयंती सभागार में किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। मुख्य अतिथि पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि डॉ. गौर ने अपने पुरुषार्थ से कमाए हुए सर्वस्व धन को दान कर इस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। वे देश के अनमोल रत्न हैं, उनके जैसा उदाहरण पूरे देश में कहीं नहीं है। उन्होंने कहा कि नव स्थापित राजकीय विश्वविद्यालय डॉ. गौर के शिक्षा में अद्वितीय योगदान के उनके भाव को ताकत देगा। डॉ. गौर का व्यक्तित्व हम सबके लिए प्रेरणादायी है। वे संकल्प के साथ कार्य करते थे।

संकल्प व्यक्तिगत होता है और संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता, संकल्प न होने से महानतम कार्य रुक जाते हैं। अध्यक्षता कर रहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा पिछले तीन वर्षों से डॉ. गौर की जयंती पर साप्ताहिक आयोजन करते हुए हम उत्सव की तरह मनाते हैं, जिसमें पूरे शहर के लोग सम्मिलित होते हैं। इस वर्ष युवा महोत्सव का भी आयोजन किया जा रहा है, इसलिए पूरे 11 दिनों तक यह आयोजन चलेगा। डॉ. गौर की प्रेरणा के साथ हम नित नए मुकाम हासिल कर रहे हैं। हम सब अपने कर्तव्य पथ पर इसी तरह अग्रसर रहकर कार्य करें, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विशिष्ट अतिथि रानी अवंतीबाई राजकीय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. विनोद मिश्रा ने कहा डॉ. गौर द्वारा शिक्षा के लिए दान करना उनकी शिक्षा के प्रतिबद्धता और संकल्प को दर्शाता है। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष हीरासिंह राजपूत, भाजपा जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया, जिला पंचायत सीईओ विवेक केवी, डीसीडीसी प्रो एनपी सिंह, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय, डॉ. आशीष पटेरिया, डॉ. सुशील गुप्ता एवं डॉ. राजू टंडन मौजूद थे। स्वागत डॉ. सुशील गुप्ता एवं संचालन डॉ अवनीश मिश्रा ने किया। विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। विद्यार्थियों ने कठपुतली नृत्य, समूह नृत्य व एकल नृत्य, मूक अभिनय, राजस्थान का प्रसिद्ध कालबेलिया नृत्य, मराठी समूह नृत्य, एकल गायन भजन, एकल नृत्य शास्त्रीय आदि की प्रस्तुति दी। बीटी इन्स्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस, राजीव लोचनाचार्य महाविद्यालय खुरई, बीकेपी महाविद्यालय मालथौन, सुन्दरलाल श्रीवास्तव महाविद्यालय, ओमश्री महाविद्यालय, टाइम्स कालेज दमोह, एरिसेंट महाविद्यालय एवं अन्य संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रस्तुति दी। अतिथियों ने गौर समाधि पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की।

यश चाहते हैं तो शिक्षा का मंदिर बनाएं

आयोजन • डा. हरीसिंह गौर की 155वीं जयंती पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल बोले

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर की 155वीं जन्म जयंती पर आयोजित गौर उत्सव के दौरान गुरुवार को विवि परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विवि के छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम विभाग मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि यदि आप पीढ़ियों तक अपना यश चाहते हैं तो शिक्षा का मंदिर तैयार करें और इसे एक संकल्प के रूप में पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि एक बार किए गए संकल्प में फिर विकल्प का स्थान नहीं रहता। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी संकल्प की ताकत को समझे, विचार के प्रति समर्पण की ताकत को समझे। हम जो संकल्प जीवन में लें उसके प्रति विकल्प कभी स्वीकार न करें। डा. गौर का जीवन भी की बड़े संकल्पों की प्रतिमूर्ति है। हम सभी को उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। डा. गौर जैसे बहुआयामी व्यक्तित्व हमारे जीवन में न केवल प्रेरणा स्रोत के रूप में कार्य करते हैं बल्कि सामाजिक सरोकार और समाज के प्रति अपने दायित्व, अपनी जिम्मेदारी की ओर भी इंगित करते हैं। उन्होंने कहा की गौर साहब अधिवक्ता, लेखक, शिक्षाविद्, समाज सुधारक, दानी और ऐसे व्यक्तित्व के धनी थे जो आगे आने वाली परिस्थितियों को देख सकते थे। आजादी के 75 साल बाद भी हम महसूस कर सकते हैं कि जो पाठ्यक्रम, सुविधाएं सागर केंद्रीय विश्वविद्यालय में हैं वे देश के अन्य बड़े-बड़े विश्वविद्यालय में भी नहीं।

डा. हरीसिंह गौर की 155वीं जन्म जयंती कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं शिक्षक मौजूद रहे। • नवदुनिया

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री प्रहलाद पटेल। • नवदुनिया

पूरा नवंबर माह गौरमय है: डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डा. गौर की जन्म जयंती हम सभी के लिए एक पर्व की तरह है। उन्होंने कहा कि पूरा नवंबर माह गौरमय है। इस बार हम सभी 11 दिवसीय गौर पर्व मना रहे हैं , जो 20 तारीख से शुरू होकर 30 नवंबर तक चलेगा। उन्होंने कहा कि यह डाक्टर गौर की दूरगामी दृष्टि का ही परिणाम है कि यहां से पढ़े पूर्व छात्र देश विदेश में हर विधा, हर क्षेत्र में अग्रणी हैं और सागर सहित संपूर्ण बुंदेलखंड क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विवि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को पूर्ण रूप से अपने वाला अग्रणी विवि है यहां नए पाठ्यक्रमों , विधाओं को शामिल किया जा रहा है।

डा. गौर की ख्याति अंतरराष्ट्रीय स्तर की है :

इस अवसर पर रानी अवंती बाई विश्वविद्यालय के प्रथम कुलगुरु डा. वीके मिश्रा ने कहा कि डा. गौर की ख्याति अंतरराष्ट्रीय स्तर की है। उन्होंने कहा कि एक ऐसे महान व्यक्ति जिन्होंने अपने जीवन की पूरी पूंजी शिक्षा जैसे महान दान में लगा दी, उसने अपने जीवन मूल्यों से सम्पूर्ण शिक्षा जगत को गौरवान्वित किया है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत, गौरव सिरोठिया, सीइओ विवेक केवी, कुलसचिव डीसीडीसी, आशीष उपाध्याय, अजय श्रीवास्तव, राजू टंडन, अवनीश मिश्रा, सुशील गुप्ता, रश्मि श्रीवास्तव, योगिता पटेरिया, संजू राठौर मौजूद थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत

नृत्य की प्रस्तुति देती हुई छात्राएं।

सागर : गुरुवार को विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में बीटी इन्स्टीट्यूट आफ एक्सीलेंस विद्यार्थियों ने गणेश वंदना व देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। छात्र-छात्राओं ने कठपुतली नृत्य, समूह नृत्य व एकल नृत्य, मूक अभिनय, राजस्थान का प्रसिद्ध कालबेलिया नृत्य, मराठी समूह नृत्य, एकल गायन भजन, एकल नृत्य शास्त्रीय आदि की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में बीटी इन्स्टीट्यूट आफ एक्सीलेंस, राजीव लोचनाचार्य महाविद्यालय खुरई, बीकेपी महाविद्यालय मालथौन , सुन्दरलाल श्रीवास्तव महाविद्यालय, ओम श्री महाविद्यालय, टाइम्स कालेज दमोह, एरिसेंट महाविद्यालय एवं अन्य सम्बद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता, इसके अभाव में महानतम कार्य रुक जाते हैं- प्रहलाद पटेल

अनुराग विश्वकर्मा जिला ब्यूरो

डॉ. गौर की प्रेरणा से कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहकर कार्य करें, यही सच्ची श्रद्धांजलि- कुलपति

सागर (विंध्यसत्ता) डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2024 का आयोजन किया जा रहा है. 21 नवंबर को विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन स्वर्ण जयन्ती सभागार में किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं. उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं विशेष अतिथि रानी अवंतीबाई राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद कुमार मिश्रा थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. इस अवसर पर जिलापंचायत अध्यक्ष हीरासिंह राजपूत, युवा नेता गौरव सिरोठिया, जिला पंचायत सीईओ विवेक के वी, डीसीडीसी प्रो एन पी सिंह, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस पी उपाध्याय, डॉ. आशीष पटेरिया, डॉ. सुशील गुप्ता एवं डॉ. राजू टंडन मंचासीन थे. स्वागत भाषण डॉ. सुशील गुप्ता ने दिया. संचालन डॉ अवनीश मिश्रा ने किया. इस अवसर पर मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि डॉ. गौर द्वारा स्थापित शिक्षा के इस मंदिर से मेरा बहुत पुराना नाता है. उन्होंने अपने पुरुषार्थ से कमाए हुए सर्वस्व धन को दान कर इस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी. वे देश के अनमोल रत्न हैं, उनके जैसा उदाहरण पूरे देश में कहीं नहीं है. उन्होंने कहा कि नव स्थापित राज्य विश्वविद्यालय डॉ. गौर के शिक्षा में अद्वितीय योगदान के उनके भाव को ताकत देगा. उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यश पाना चाहता है लेकिन किस तरह का यश उसे प्राप्त करना है उसे खुद तय करना होता है. अगर आप पीढ़ियों तक यश प्राप्त करना चाहते हैं तो शिक्षा के केंद्र स्थापित की जिए जैसा डॉ. गौर ने किया. यही कारण है कि वे न केवल कई पीढ़ियों तक याद किये जायेंगे बल्कि वे अमर हैं. एक महान अधिवक्ता, समाज सुधारक, लेखक के रूप में उनका व्यक्तित्व हम सबके लिए प्रेरणादायी है. हमें उनके संस्थान में पढ़ने, पढ़ाने और किसी भी रूप में जुड़े रहने पर गर्व होना चाहिए. डॉ. गौर संकल्प के साथ कार्य करते थे. संकल्प व्यक्तिगत होता है और संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता. संकल्प न होने से महानतम कार्य रुक जाते हैं. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से डॉ. गौर की जयन्ती पर साप्ताहिक आयोजन करते हुए हम उत्सव की तरह मनाते हैं जिसमें पूरे शहर के लोग सम्मिलित होते हैं. इस वर्ष युवा महोत्सव का भी आयोजन किया जा रहा है, इसलिए पूरे 11 दिनों तक यह आयोजन चलेगा. खेल समग्र व्यक्तित्व का विकास करता है और खेल गतिविधि के माध्यम से इस युवा उत्सव की शुरुआत हुई है. इसी श्रृंखला में आज यह सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा आयोजित किया गया है. डॉ. गौर की प्रेरणा के साथ हम नित नए मुकाम हासिल कर रहे हैं. हम सब अपने कर्तव्य पथ पर इसी तरह अग्रसर रहकर कार्य करें, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी. हमारे विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं पूरी दुनिया में डॉ. गौर का नाम रोशन कर रहे हैं. डॉ. गौर की प्रेरणा, संकल्प और उनके महान अवदान का प्रतिफल ही है कि आज हर क्षेत्र में हमारे विद्यार्थी उच्च पदों पर पहुंचे हैं. रानी अवंतीबाई राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद मिश्रा ने कहा कि यह प्रथम अवसर है जब वे डॉ. गौर द्वारा स्थापित शिक्षा के इस मंदिर में आये हैं. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर द्वारा शिक्षा के लिए दान करना उनकी शिक्षा के प्रतिबद्धता और संकल्प को दर्शाता है. वे एक महान व्यक्तित्व थे जिनके अवदान के कारण लाखों विद्यार्थी आज शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और अपने भविष्य को संवार रहे हैं. उन्होंने राज्य विश्वविद्यालय की प्रगति भी साझा की. इस अवसर पर विभिन्न सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक, प्रतिनिधि, विद्यार्थी, विवि के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे.

सम्बद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने दी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर से सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई. बी.टी. इन्स्टीटयूट ऑफ एक्सीलेन्स विद्यार्थियों ने गणेश वंदना व देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया. छात्र-छात्राओं ने कठपुतली नृत्य, समूह नृत्य व एकल नृत्य, मूक अभिनय, राजस्थान का प्रसिद्ध कालबेलिया नृत्य, मराठी समूह नृत्य, एकल गायन भजन, , एकल नृत्य शास्त्रीय आदि की प्भीरस्तुति दी. जिसमें बी टी. इन्स्टीटयूट ऑफ एक्सीलेन्स, राजीव लोचनाचार्य महाविद्यालय खुरई, बी.के.पी. महाविद्यालय मालथौन , सुन्दरलाल श्रीवास्तव महाविद्यालय, ओम श्री महाविद्यालय, टाइम्स कालेज दमोह, एरिसेंट महाविद्यालय एवं अन्य सम्बद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी. कार्यक्रम समापन के अवसर पर सभी अतिथियों और प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए. सांस्कृतिक कार्यक्रम के पूर्व अतिथियों द्वारा गौर समाधि पर दी गई पुष्पांजलि मध्य प्रदेश शासन ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री माननीय श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने गौर प्रांगण स्थित गौर समाधि पहुंचकर डॉ. हरीसिंह गौर को श्रद्धांजलि दी.

संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता, इसके अभाव में महानतम कार्य रुक जाते हैं: प्रहलाद पटेल

डॉ. गौर की प्रेरणा से कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहकर कार्य करें, यही सच्ची श्रद्धांजलि: कुलपति

जनविंगारी- 9302303212

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2024 का आयोजन किया जा रहा है। 21 नवंबर को विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन स्वर्ण जयन्ती सभागार में किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं विशेष अतिथि रानी अवंतीबाई राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद कुमार मिश्रा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की इस अवसर पर जिलापंचायत अध्यक्ष हीरासिंह राजपूत, युवा नेता गौरव सिरोठिया, जिला पंचायत सीईओ विवेक के वी, डीसीडीसी प्रो एन पी सिंह, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस पी

उपाध्याय, डॉ. आशीष पटेरिया, डॉ. सुशील गुप्ता एवं डॉ. राजू टंडन मंचासीन थे स्वागत भाषण डॉ. सुशील गुप्ता ने दिया। संचालन डॉ अवनीश मिश्रा ने किया।

डॉ गौर महान अधिवक्ता, समाज सुधारक, लेखक थे: मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि डॉ. गौर द्वारा स्थापित शिक्षा के इस मंदिर से मेरा बहुत पुराना नाता है। उन्होंने अपने पुरुषार्थ से कमाए हुए सर्वस्व धन को दान कर इस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। वे देश के अनमोल रत्न हैं, उनके जैसा उदाहरण पूरे देश में कहीं नहीं है।

उन्होंने कहा कि नव स्थापित राज्य विश्वविद्यालय डॉ. गौर के शिक्षा में अद्वितीय योगदान के उनके भाव को ताकत देगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यश पाना चाहता है लेकिन किस तरह का यश उसे प्राप्त करना है उसे खुद तय करना होता है। अगर आप पीढ़ियों तक यश प्राप्त करना चाहते हैं तो शिक्षा के केंद्र स्थापित की जिए जैसा डॉ. गौर ने किया।

यही कारण है कि वे न केवल कई पीढ़ियों तक याद किये जायेंगे बल्कि वे अमर हैं, एक महान अधिवक्ता, समाज सुधारक, लेखक के रूप में उनका व्यक्तित्व हम सबके लिए प्रेरणादायी है। हमें उनके संस्थान में पढ़ने, पढ़ाने और किसी भी रूप में जुड़े रहने पर गर्व होना चाहिए। डॉ. गौर संकल्प के साथ कार्य करते थे। संकल्प व्यक्तिगत होता है और संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता। संकल्प न होने से महानतम कार्य रुक जाते हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से डॉ. गौर की जयन्ती पर साप्ताहिक आयोजन करते हुए हम उत्सव की तरह मनाते हैं जिसमें पूरे शहर के लोग सम्मिलित होते हैं।

इस वर्ष युवा महोत्सव का भी आयोजन किया जा रहा है, इसलिए पूरे 11 दिनों तक यह आयोजन चलेगा। खेल समग्र व्यक्तित्व का विकास करता है और खेल गतिविधि के माध्यम से इस युवा उत्सव की शुरुआत हुई है। इसी श्रृंखला में आज यह सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्बद्ध महाविद्यालयों द्वारा आयोजित किया गया है। डॉ. गौर की प्रेरणा के साथ हम नित नए मुकाम हासिल कर रहे हैं। हम सब अपने कर्तव्य पथ पर इसी तरह अग्रसर रहकर कार्य करें, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

स्कूल शिक्षा विभाग एकादश की टीम ने 48 रनों से दर्ज की जीत

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में 155वें गौर जयंती के अवसर पर आयोजित टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच विश्वविद्यालय के अब्दुल गनी स्टेडियम में खेला गया। पहले सेमीफाइनल में पत्रकार एकादश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय एकादश को 7 विकेट से हराया। मैच के मुख्य अतिथि डॉ. विवेक साठे रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया. पत्रकार एकादश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया. बल्लेबाजी करने उतरी विश्वविद्यालय एकादश की शुरुआत खराब रही और टीम 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर मात्र 105 रन ही बना सकी. बल्लेबाज नवनीत ने 15, गोविंद ने 18, और नीतीश ने 20 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की. पत्रकार एकादश के गेंदबाजों में दिनेश ने 3 विकेट लिए जबकि सोमू, नितिन, अभिषेक, और दानेश ने 1-1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पत्रकार एकादश ने 12 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया. शशांक ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 32 रन बनाए. दिनेश ने 20 और शानू ने 29 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं. विश्वविद्यालय एकादश के गेंदबाजों में अंकित और नीरज ने 1-1 विकेट लिया. दिनेश को मैन ऑफ द मैच चुना गया. उन्होंने गेंदबाजी में 3 विकेट लेने के साथ ही बल्लेबाजी में भी 20 रन बनाए. पत्रकार एकादश की इस जीत के साथ फाइनल में पहुंचने की राह साफ हो गई है. टूर्नामेंट के अगले मुकाबले में और अधिक रोमांच की उम्मीद की जा रही है. टी-20 मैत्री क्रिकेट का दूसरा सेमीफाइनल मैच स्कूल शिक्षा विभाग और अधिवक्ता एकादश के बीच खेला गया. टॉस जीतकर स्कूल शिक्षा विभाग टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 8 विकेट पर 194 रनों का मजबूत लक्ष्य दिया. बल्लेबाज अभिषेक ने 60 रन बनाए, जबकि अधिवक्ता एकादश के गेंदबाजों में रेहान और मनोज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट चटकाए, प्रणव एवं प्रवीण ने 1-1 विकेट लिया. लक्ष्य का पीछा करते हुए अधिवक्ता एकादश ने संघर्ष तो किया, लेकिन पूरी टीम 146 रन ही बना सकी. टीम के बल्लेबाज अर्पित खरे ने 89 रनों की शानदार पारी खेली. स्कूल शिक्षा विभाग के गेंदबाज अभिषेक ने 2, विपिन 2, सचिन ने 3, विनीत एवं मनीष ने 1-1 विकेट लिया।

स्कूल शिक्षा विभाग टीम ने 48 रनों से इस मुकाबले को जीत लिया. बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दिनेश को मैन ऑफ द मैच चुना गया. गौर जयती उत्सव के तृतीय दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में महिला खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें म्यूजिकल चेयर, स्पून लेमन रेस और टग ऑफ वार जैसे खेल शामिल थे. म्यूजिकल चेयर का आयोजन दो राउंड में किया गया. पहला राउंड विश्वविद्यालय की छात्राओं के बीच हुआ, जिसमें काजल शांडिल्य पत्रकारिता प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. आस्था विश्वकर्मा द्वितीय स्थान पर रहीं और शिखा शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। दूसरे राउंड में महिला क्लब की 17 महिलाओं ने भाग लिया, जिसमें वंदना सोनी ने प्रथम, देवांशी ने द्वितीय, और ज्योति तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. इसके बाद लेमन रेस हुआ, जिसमें वूमेन सेल की महिलाओं ने भाग लिया. शिवानी ने प्रथम, अदिति ने द्वितीय और विजयश्री ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. रस्साकसी का खेल भी आयोजित किया गया, जिसमें वूमेन सेल की दो टीमों ने भाग लिया. रितु यादव की टीम विजेता रही, और प्रतिभागियों में शिवानी, अदिति, विजयश्री, देवांशी, पूनम, दीपाली, वेनुका, कुशुमा, और अंजली शामिल रही।

आज के कार्यक्रम

प्रातः 11.00 बजे से विद्यालयीन सांस्कृतिक कार्यक्रम कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता कि अध्यक्षता में केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 के विद्यार्थियों द्वारा स्वर्ण जयंती सभागार में होगा. गौर उत्सव के चौथे दिन अब्दुल गनी खान स्टेडियम में महिलाओं के लिए पिट्ठु का आयोजन किया जायेगा.

गौर उत्सव | प्रोफेसर ने रस्साकशी में जमीन पर गिरने तक लगाया जोर, कुर्सी पर कब्जा करने के लिए भी चली रोचक जद्दोजहद

सागर| सागर सपूत डॉ. हरीसिंह गौर की जयंती के उपलक्ष्य में गौर उत्सव के तहत विभिन्न खेल भी खेले जा रहे हैं। विवि स्टेडियम में शुक्रवार को म्यूजिकल चेयर, स्पून लेमन रेस और टग ऑफ वार जैसे खेल हुए। म्यूजिकल चेयर में बजते हुए संगीत के बीच कुर्सी पर कब्जा करने की रोचक जद्दोजहद चलती रही। अलग-अलग वर्ग में काजल शांडिल्य और वंदना सोनी पहले स्थान पर रहीं। रस्साकसी में महिला सेल से प्रो. रितु यादव की टीम जीती। महिला शिक्षकों ने भी इसमें दमखम दिखाया। कई महिला प्रोफेसर इसी जद्दोजहद में गिरीं जरूर लेकिन उनका उत्साह बरकरार रहा। शनिवार को सुबह 11 बजे से केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-4 के विद्यार्थियों द्वारा विद्यालयीन सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जाएगा।

गौर उत्सव तृतीय दिवस विश्वविद्यालय में महिला खेलों का आयोजन किया गया

महिलाओं के बीच हुई नींबू दौड़, रस्सा कसी सहित कई मुकाबले

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : गौर जयंती के अवसर पर आयोजित गौर उत्सव के तृतीय दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में महिला खेलों का आयोजन किया गया। इस दौरान म्यूजिकल चेयर, स्पून लेमन रेस और टग आफ वार जैसे खेल शामिल थे। म्यूजिकल चेयर का आयोजन दो राउंड में किया गया।

पहला राउंड विश्वविद्यालय की छात्राओं के बीच हुआ, जिसमें काजल शांडिल्य (पत्रकारिता प्रथम वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आस्था विश्वकर्मा द्वितीय स्थान पर रहीं और शिखा शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। दूसरे राउंड में महिला क्लब की 17 महिलाओं ने भाग लिया, जिसमें वंदना सोनी ने प्रथम, देवांशी ने द्वितीय, और ज्योति तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, इसके बाद लेमन रेस हुआ, जिसमें वूमेन सेल की महिलाओं ने भाग लिया. शिवानी ने प्रथम, अदिति ने द्वितीय और विजयश्री ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रस्साकसी का खेल भी आयोजित किया गया, जिसमें वूमेन सेल की दो टीमों ने भाग लिया। रितु यादव की टीम विजेता रही, और प्रतिभागियों में शिवानी, अदिति, विजयश्री, देवांशी, पूनम, दीपाली, वेनुका, कुशुमा, और अंजली शामिल रही। टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच विश्वविद्यालय के अब्दुल गनी स्टेडियम में खेला गया। पहले सेमीफाइनल में पत्रकार एकादश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय एकादश को 7 विकेट से हराया। मैच के मुख्य अतिथि डा. विवेक साठे ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। पत्रकार एकादश ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इसके बाद हुए दूसरे सेमीफाइनल मैच में स्कूल शिक्षा विभाग की टीम ने अधिवक्ता एकादश को हरा दिया।

मैच के दौरान रस्सी खींचती हुई महिलाएं।• नवदुनिया

टी-20 मैत्री क्रिकेट मैचः पत्रकार एकादश एवं स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के बीच होगा फ़ाइनल मैच

अनुराग विश्वकर्मा जिला ब्यूरो

सागर (विंध्यसत्ता) डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में 155वें गौर जयंती के अवसर पर आयोजित टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच विश्वविद्यालय के अब्दुल गनी स्टेडियम में खेला गया. पहले सेमीफाइनल में पत्रकार एकादश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय एकादश को 7 विकेट से हराया. मैच के मुख्य अतिथि डॉ. विवेक साठे रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया. पत्रकार एकादश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया. बल्लेबाजी करने उतरी विश्वविद्यालय एकादश की शुरुआत खराब रही और टीम 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर मात्र 105 रन ही बना सकी. बल्लेबाज नवनीत ने 15, गोविंद ने 18, और नीतीश ने 20 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की. पत्रकार एकादश के गेंदबाजों में दिनेश ने 3 विकेट लिए जबकि सोमू, नितिन, अभिषेक, और दानेश ने 1-1 विकेट लिया. लक्ष्य का पीछा करते हुए पत्रकार एकादश ने 12 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया. शशांक ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 32 रन बनाए. दिनेश ने 20 और शानू ने 29 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं. विश्वविद्यालय एकादश के गेंदबाजों में अंकित और नीरज ने 1-1 विकेट लिया. दिनेश को मैन ऑफ द मैच चुना गया. उन्होंने गेंदबाजी में 3 विकेट लेने के साथ ही बल्लेबाजी में भी 20 रन बनाए. पत्रकार एकादश की इस जीत के साथ फाइनल में पहुंचने की राह साफ हो गई है. टूर्नामेंट के अगले मुकाबले में और अधिक रोमांच की उम्मीद की जा रही है.

स्कूल शिक्षा विभाग एकादश की टीम ने 48 रनों से दर्ज की जीत

टी-20 मैत्री क्रिकेट का दूसरा सेमीफाइनल मैच स्कूल शिक्षा विभाग और अधिवक्ता एकादश के बीच खेला गया. टॉस जीतकर स्कूल शिक्षा विभाग टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 8 विकेट पर 194 रनों का मजबूत लक्ष्य दिया. बल्लेबाज अभिषेक ने 60 रन बनाए, जबकि अधिवक्ता एकादश के गेंदबाजों में रेहान और मनोज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट चटकाए, प्रणव एवं प्रवीण ने 1-1 विकेट लिया. लक्ष्य का पीछा करते हुए अधिवक्ता एकादश ने संघर्ष तो किया, लेकिन पूरी टीम 146 रन ही बना सकी. टीम के बल्लेबाज अर्पित खरे ने 89 रनों की शानदार पारी खेली. स्कूल शिक्षा विभाग के गेंदबाज अभिषेक ने 2, विपिन 2, सचिन ने 3, विनीत एवं मनीष ने 1-1 विकेट लिया. स्कूल शिक्षा विभाग टीम ने 48 रनों से इस मुकाबले को जीत लिया. बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दिनेश को मैन ऑफ द मैच चुना गया.

गौर उत्सव के तृतीय दिवस महिला खेलों का हुआ आयोजन

गौर जयंती उत्सव के तृतीय दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में महिला खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें म्यूजिकल चेयर, स्पून लेमन रेस और टग ऑफ वार जैसे खेल शामिल थे. म्यूजिकल चेयर का आयोजन दो राउंड में किया गया. पहला राउंड विश्वविद्यालय की छात्राओं के बीच हुआ, जिसमें काजल शांडिल्य (पत्रकारिता प्रथम वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. आस्था विश्वकर्मा द्वितीय स्थान पर रहीं और शिखा शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. दूसरे राउंड में महिला क्लब की 17 महिलाओं ने भाग लिया, जिसमें वंदना सोनी ने प्रथम, देवांशी ने द्वितीय, और ज्योति तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. इसके बाद लेमन रेस हुआ, जिसमें वूमेन सेल की महिलाओं ने भाग लिया. शिवानी ने प्रथम, अदिति ने द्वितीय और विजयश्री ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. रस्साकसी का खेल भी आयोजित किया गया, जिसमें वूमेन सेल की दो टीमों ने भाग लिया. रितु यादव की टीम विजेता रही, और प्रतिभागियों में शिवानी, अदिति, विजयश्री, देवांशी, पूनम, दीपाली, वेनुका, कुशुमा, और अंजली शामिल रहीं.

23 नवम्बर को आयोजित कार्यक्रम

प्रातः 11.00 बजे से विद्यालयीन सांस्कृतिक कार्यक्रम माननीया कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता कि अध्यक्षता में केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 के विद्यार्थियों द्वारा स्वर्ण जयंती सभागार में होगा. गौर उत्सव के चौथे दिन अब्दुल गनी खान स्टेडियम में महिलाओं के लिए पिट्ठू का आयोजन किया जायेगा.

टूर्नामेंट का फाइनल मैच आज, खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

डॉ. गौर टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच : रोमांचक मुकाबले में विवि एकादश को 7 विकेट से हराया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में 155 वें गौर जयंती के अवसर पर टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच विश्वविद्यालय के अब्दुल गनी स्टेडियम में खेला गया। पहले सेमीफाइनल में पत्रकार एकादश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय एकादश को 7 विकेट से हराया। मैच के मुख्य अतिथि डॉ. विवेक साठे ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

पत्रकार एकादश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी विश्वविद्यालय एकादश की शुरुआत खराब रही और टीम 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर मात्र 105 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए पत्रकार एकादश ने 12 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। पत्रकार एकादश की इस जीत के साथ फाइनल में पहुंचने की राह साफ हो गई है।

टी-20 मैत्री क्रिकेट का दूसरा सेमीफाइनल मैच स्कूल शिक्षा विभाग और अधिवक्ता एकादश के बीच खेला गया। टॉस जीतकर स्कूल शिक्षा विभाग टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 8 विकेट पर 194 रनों का मजबूत लक्ष्य दिया। बल्लेबाज अभिषेक ने 60 रन बनाए, जबकि अधिवक्ता एकादश के गेंदबाजों में रेहान और मनोज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट चटकाए, प्रणव एवं प्रवीण ने 1-1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए अधिवक्ता एकादश ने संघर्ष तो किया, लेकिन पूरी टीम 146 रन ही बना सकी।

महिलाओं की म्यूजिकल चेयर और स्पून लेमन रेस हुई

गौर जयंती उत्सव के तृतीय दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में महिला खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें म्यूजिकल चेयर और स्पून लेमन रेस जैसे खेल शामिल थे। म्यूजिकल चेयर का आयोजन दो राउंड में किया गया। पहला राउंड विश्वविद्यालय की छात्राओं के बीच हुआ, जिसमें काजल शांडिल्य (पत्रकारिता प्रथम वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आस्था विश्वकर्मा द्वितीय स्थान पर रहीं और शिखा शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। दूसरे राउंड में महिला क्लब की 17 महिलाओं ने भाग लिया, जिसमें वंदना सोनी ने प्रथम, देवांशी ने द्वितीय, और ज्योति तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

केंद्रीय विद्यालय क्र. 4 द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन

डॉ. गौर के सपनों को साकार करना विद्यार्थियों की जिम्मेदारी: प्रो. गुप्ता

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर की 155 वीं जयंती के अवसर पर सागर विश्वविद्यालय परिसर स्थित केंद्रीय विद्यालय क्र. 4 द्वारा गौर उत्सव सह वार्षिक उत्सव का आयोजन स्वर्ण जयंती सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती और डॉ. गौर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप प्रज्वलन से हुई। मुख्य अतिथियों का स्वागत प्राचार्य राजेंद्र सिंह वर्मा के साथ विद्यालय के शिक्षक मनोज कुमार नेमा, अनीता डोंगरे, दीपा गुप्ता तथा महेंद्र सिंह राजपूत के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन शारदा प्रजापति ने किया एवं संचालन विद्यालय संस्कृत शिक्षक आनन्द जैन व फर्खंदा बेगम के साथ कक्षा नवमी की छात्रा शिवांगी सिंह कुर्मी एवं कक्षा आठवीं के छात्र तनिष्क नंदनवार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। विद्यालय के छात्रों ने असमिया नृत्य, महाभारत नृत्य, खेल नृत्य, हरियाणवी नृत्य और बुंदेली नृत्य जैसी अद्भुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर ने शिक्षा के इस पवित्र संस्थान को अपनी मेहनत और त्याग से स्थापित किया। विश्वविद्यालय में देश के 25 से अधिक राज्यों के विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं, जो इस संस्थान की महत्ता को दर्शाता है। विद्यार्थियों को डॉ. गौर के सपनों को साकार करने के लिये मेहनत करनी चाहिए। केजी से पीजी तक की शिक्षा का एक अनूठा मॉडल पेश कर रहा है। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि उन्हें डॉ. गौर के आदर्शों पर चलकर शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र का नाम रोशन करना चाहिए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सागर कैंटोनमेंट की सीईओ मनीषा जाट ने डॉ. गौर के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर ने शिक्षा को समाज की प्रगति का आधार माना और अपनी पूरी संपत्ति शिक्षा के लिये दान कर इस विश्वविद्यालय की स्थापना की। सभी का दायित्व है कि शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रयास करें। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक विकास का माध्यम है। शिक्षा का उद्देश्य मानसिक और सामाजिक विकास है। आज की शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाने की जरूरत है ताकि विद्यार्थी भविष्य के लिये तैयार हो सकें। तकनीकी विकास के इस दौर में शिक्षा का स्वरूप भी बदल रहा है। केंद्रीय विद्यालय इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा में तकनीकी और सामाजिक विकास पर भी चर्चा की गई। विद्यालय में आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा 10 वीं के छात्र शुभ सक्सेना को उनकी उपलब्धियों के लिए शील्ड देकर सम्मानित किया गया। शुभ को उनके विज्ञान मॉडल के लिए भारत सरकार द्वारा जापान यात्रा के लिये चुना गया था। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह वर्मा ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उल्लेख किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन तनिष्क और शिवांगी ने किया और आभार ज्ञापन अनीता डोंगरे ने व्यक्त किया।

मिशन के रूप में कार्य कर विद्यार्थी डॉ. गौर के सपनों को साकार कर सकते हैं- कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता

- केंद्रीय विद्यालय क्र. 4 के छात्र-छात्राओं ने गौर उत्सव सहवार्षिक उत्सव में दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर की 155 वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 द्वारा गौर उत्सव सह वार्षिक उत्सव का आयोजन स्वर्ण जयंती सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती एवं डॉ. गौर कि प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्जवलित कर कि गई। विद्यार्थियों द्वारा आसामी नृत्य,महाभारत नृत्य, खेल नृत्य, हरियाणवी नृत्य समेत प्रसिद्ध बुंदेली नृत्य जैसी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमी गुप्ता ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि हर वर्ष कि तरह विश्वविद्यालय में गौर जयंती बड़े ही हर्ष और उल्लास से मनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में कैंटोनमेंट की सीईओ मनीषा जाट को बुलाने का उद्देश्य उनकी उपलब्धियों से विद्यार्थियो को प्रेरणा देना है। उन्होंने अपनी उम्र में कई ज्यादा उपलब्धियां हासिल की है। खासकर महिला छात्राओं के लिए वह एक प्रेरणा का रूप है। उन्होंने बताया कि इस स्कूल को एक कक्षा से शुरू कर आज हाई स्कूल का रूप दे दिया है। उन्होंने सभी छात्र छात्राओं को जो स्कूल का नाम रोशन कर रहे है। उन्हें सम्मानित करने और प्रोत्साहन देने की बात कही। उन्होंने कहा कि भारत सरकार भी केजी से पीजी तक की शिक्षा के साथ विश्वविद्यालय पीएचडी की शिक्षा तक दे रहा है। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. गौर ने शिक्षा के इस मंदिर को अपने तन मन धन से सिंचित कर इसको स्थापित किया। जहां आज देशभर के करीब 25 राज्यों के बच्चे यहां उच्च शिक्षा में अध्यननरत है। यह गौरव की बात है कि यहां स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक कि पढ़ाई एक ही कैंपस में प्राप्त हो रही है। इस अवसर पर उन्होंने कक्षा 10 वीं के छात्र शुभ सक्सेना को उनकी विशेष उपलब्धि के लिये शील्ड देकर सम्मानित किया। गौरतलब है कि शुभ को विज्ञान मॉडल के लिये देशभर के 3 केंद्रीय विद्यालयों में से चयनित कर भारत सरकार ने उनको जापान यात्रा पर भेजा था।

मुख्य अतिथि के रूप में सागर कैंटोनमेंट की सीईओ मनीषा जाट ने डॉ. गौर के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन की सारी कमाई शिक्षा के लिये दान कर दी। इसलिए आने वाली पीढ़ी को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। जिसके लिए बेहतर प्रयास करने की आवश्यकता है। यह अत्यंत गौरव का विषय है कि देश आज तेजी से आगे बढ़ रहा है जो शिक्षा के द्वारा से ही संभव है। उन्होंने कहा कि मै मध्य प्रदेश के बारे में उन्होनें प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान पढ़ा। उन्होंने कहा कि डॉ गौर के योगदान को इस तरह के कार्यक्रम के माध्यम से ही नई पीढ़ी तक पहुचाएं जा सकते है। डॉ. गौर के बारे में कुछ भी कहना सूर्य को रोशनी दिखाने के बराबर है। डॉ. गौर उच्च पद पर पहुंचने के बाद भी उन्होंने अपने जन्मस्थान को याद रखा और यहां शिक्षण संस्थान की स्थापना की। उन्होंने शिक्षा के बारे में बताते हुए कहा कि समय के साथ शिक्षा और समाज में परिवर्तन आया है। तकनीक और एक्सपोजर के साथ विश्व में सब कुछ बदल रहा है। इसलिए शिक्षा देने का तरीका भी बदलना चाहिए। आगे आने समय के लिए विद्यार्थियो को तैयार करना हम सभी की जिम्मेदारी है। शिक्षा सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं न होकर सामाजिक, मानसिक विकास शिक्षा से ही होता है। भविष्य में समाज में व्यहवार करने के तरीके भी बच्चे शिक्षा के द्वारा सीखते है। केन्द्रीय विद्यालय इन सभी के लिए प्रयासरत है। वह भविष्य के जिम्मेदार नागरिक बना रहे है। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह वर्मा ने दिया। विद्यालय के बच्चों की विशिष्ट उपलब्धियों के बारे बताया साथ ही उन्होंने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विद्यालय के नामित अध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष एवं एकेडेमिक्स अफेयर्स के निदेशक प्रो. नवीन कांगो ने गजल के माध्यम से डॉ. गौर को नमन किया एवं उनके वृहतर योगदान की चर्चा की। इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व नामित अध्यक्ष प्रो. पी.के कठल सहित बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, अधिकारी समेत अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के छात्र तनिष्क और शिवांगी ने किया और अंत में आभार ज्ञापन अनीता डोंगरे ने माना।

सागर शहर

सागर, रविवार, 24 नवम्बर 2024 2

आयोजन । छात्र-छात्राओं ने गौर उत्सव सहवार्षिक उत्सव में दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

मिशन के रूप में कार्य कर विद्यार्थी डॉ. गौर के सपनों को साकार कर सकते हैं: प्रो. गुप्ता

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर की 155वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 द्वारा गौर उत्सव सह वार्षिक उत्सव का आयोजन स्वर्ण जयंती सभागार में किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती एवं डॉ. गौर कि प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्जवलित कर कि गई। विद्यार्थियो द्वारा आसामी नृत्य, महाभारत नृत्य, खेल नृत्य, हरियाणवी नृत्य समेत प्रसिद्ध बुंदेली नृत्य जैसी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमी गुप्ता ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि हर वर्ष कि तरह विश्वविद्यालय में गौर जयंती बड़े ही हर्ष और उल्लास से मनाई जा रही है. उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में कैंटोनमेंट की सीईओ मनीषा जाट को बुलाने का उद्देश्य उनकी उपलब्धियों से विद्यार्थियो को प्रेरणा देना है. उन्होंने अपनी उम्र में कई ज्यादा उपलब्धियां हासिल की है. खासकर महिला छात्राओं के लिए वह एक प्रेरणा का रूप है. उन्होंने बताया कि इस स्कूल को एक कक्षा से शुरू कर आज हाई स्कूल का रूप दे दिया है. उन्होंने सभी छात्र छात्राओं को जो स्कूल का नाम रोशन कर रहे है उन्हें सम्मानित करने और प्रोत्साहन देने की बात कही. उन्होंने कहा कि भारत सरकार भी केजी से पीजी तक की शिक्षा के साथ विश्वविद्यालय पीएचडी की शिक्षा तक दे रहा है. उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ गौर ने शिक्षा के इस मंदिर को अपने तन मन धन से सिंचित कर इसको स्थापित किया. जहां आज देशभर के करीब 25 राज्यो के बच्चे यहां उच्च शिक्षा में अध्यननरत है. यह गौरव की बात है कि यहां स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक कि पढ़ाई एक ही कैंपस में प्राप्त हो रही है. इस अवसर पर उन्होंने कक्षा 10 वीं के छात्र शुभ सक्सेना को उनकी विशेष उपलब्धि के लिये शील्ड देकर सम्मानित किया. गौरतलब है कि शुभ को विज्ञान मॉडल के लिये देशभर के 3 केंद्रीय विद्यालयों में से चयनित कर भारत सरकार ने उनको जापान यात्रा पर भेजा था. मुख्य अतिथि के रूप में सागर कैंटोनमेंट की सीईओ मनीषा जाट ने डॉ. गौर के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन की सारी कमाई शिक्षा के लिये दान कर दी। इसलिए आने वाली पीढ़ी को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है. जिसके लिए बेहतर प्रयास करने की आवश्यकता है. यह अत्यंत गौरव का विषय है कि देश आज तेजी से आगे बढ़ रहा है जो शिक्षा के द्वारा से ही संभव है. उन्होंने कहा कि मैं मध्य प्रदेश के बारे में उन्होनें प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान पढ़ा. उन्होंने कहा कि डॉ गौर के योगदान को इस तरह के कार्यक्रम के माध्यम से ही नई पीढ़ी तक पहुचाएं जा सकते है. डॉ गौर के बारे में कुछ भी कहना सूर्य को रोशनी दिखाने के बराबर है।

डॉ गौर उच्च पद पर पहुंचने के बाद भी उन्होंने अपने जन्मस्थान को याद रखा और यहां शिक्षण संस्थान की स्थापना की. उन्होंने शिक्षा के बारे में बताते हुए कहा कि समय के साथ शिक्षा और समाज में परिवर्तन आया है. तकनीक और एक्सपोजर के साथ विश्व में सब कुछ बदल रहा है इसलिए शिक्षा देने का तरीका भी बदलना चाहिए. आगे आने समय के लिए विद्यार्थियो को तैयार करना हम सभी की जिम्मेदारी है. शिक्षा सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं न होकर सामाजिक, मानसिक विकास शिक्षा से ही होता है. भविष्य में समाज में व्यहवार करने के तरीके भी बच्चे शिक्षा के द्वारा सीखते है. केन्द्रीय विद्यालय इन सभी के लिए प्रयासरत है।

वह भविष्य के जिम्मेदार नागरिक बना रहे है. कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह वर्मा ने दिया. विद्यालय के बच्चों की विशिष्ट उपलब्धियों के बारे बताया साथ ही उन्होंने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट पर विस्तार से प्रकाश डाला. कार्यक्रम में विद्यालय के नामित अध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष एवं एकेडेमिक्स अफेयर्स के निदेशक प्रो. नवीन कांगो ने गजल के माध्यम से डॉ. गौर को नमन किया एवं उनके वृहतर योगदान की चर्चा की. इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व नामित अध्यक्ष प्रो. पी.के कठल सहित बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, अधिकारी समेत अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के छात्र तनिष्क और शिवांगी ने किया और अंत में आभार ज्ञापन अनीता डोंगरे ने माना।

आयोजन । महिला खेलों में पिट्ठू प्रतियोगिता की विजेता टीम को कुलपति ने किया सम्मानित

टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच के फाइनल में स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने जीता खिताब

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में 155वें गौर उत्सव के अवसर पर टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच का फाइनल मुकाबला अब्दुल गनी स्टेडियम में संपन्न हुआ. आयोजित फाइनल मैच में स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने पत्रकार एकादश को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। टॉस जीतकर स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया. पत्रकार एकादश ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 142 रनों का लक्ष्य दिया. उनकी पारी का मुख्य आकर्षण दर्पण की 94 रनों की शानदार पारी रही, जिसमें 7 चौके और 9 छक्के शामिल रहे. स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के विपिन कन्नौजिया की घातक गेंदबाजी ने पत्रकार एकादश को अधिक स्कोर बनाने से रोक दिया. विपिन ने 4 विकेट झटके और मैच में निर्णायक भूमिका निभाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने 18 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज कि. टीम के बल्लेबाज अभिषेक ने 53 रनों की शानदार पारी खेली और टीम की जीत में अहम योगदान दिया. मैन ऑफ द मैच विपिन कन्नौजिया रहे. जिन्होंने 4 विकेट लिए. टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच के मैन ऑफ द सीरीज का खिताब अभिषेक परदेशी को मिला. विजेता टीम स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के कप्तान ओजस मिश्रा ने अपने टीम के साथ ट्रॉफी और स्वर्ण पदक प्राप्त किए. उपविजेता टीम पत्रकार एकादश को भी प्रशंसा के साथ-साथ ट्रॉफी और मेडल से सम्मानित किया गया। इस समापन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विजेता और उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए गौर उत्सव के अवसर पर आयोजित टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच के आयोजन की सफलता पर अपनी खुशी व्यक्त की. उन्होंने कहा कि गौर उत्सव केवल खेल या सांस्कृतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे छात्रों और संकाय सदस्यों के सामूहिक प्रयास और ऊर्जा का प्रतीक है. हर साल इस आयोजन को नई ऊंचाई पर ले जाने की कोशिश की जा रही है, इस बार भी उत्साह और जोश ने इसे यादगार बना दिया है. इस तरह के आयोजन न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में योगदान करते हैं, बल्कि टीम भावना और अनुशासन जैसे मूल्यों को भी बढ़ावा देते है। महिला खेल में दूसरे दिन पिट्ठू खेल का आयोजन किया गया जिसमें विजेता टीम में ओमिका, ऋतु यादव, पूनम मिश्रा, देवांशी एवं एकता थे. दूसरी टीम ने भी बराबर की टक्कर से खेला जिसकी कप्तानी दीपाली ने की. विजयश्री, वेणुका, अनुराधा और शिवानी इस टीम की साथी सदस्य रहीं. दो दिन चले महिला खेलों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके दैनिक जीवन से समय निकाल कर उन्हें मनोरंजन प्रदान करना था. खेलों के माध्यम से महिलाओं की प्रतिभा और शारीरिक क्षमता भी विकसित होती है. महिला क्लब की खेल कूद की गतिविधियों से अन्य महिलाएं भी खेलों में अपनी रुचि दिखाती हैं. उम्र की सीमा को न देखते हुए सभी खेलो में महिलाएं अपनी प्रतिभागिता प्रदर्शित करती हैं. महिला खेलों के बाद समापन सत्र का आयोजन कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता के उपस्थिति में हुआ. उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी एवं विजेता टीम को पुरस्कृत किया. उन्होंने सभी आयोजकों और सहभागियों को सफल खेलो के आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा किया गया, जिसमें प्रो. डी.के. नेमा, प्रो. एन.पी. सिंह, प्रो. सुबोध जैन, डॉ. राजू टंडन, डॉ. कालीनाथ झा, डॉ. रितु यादव, डॉ. विवेक साठे, और डॉ सुरेन्द्र गादेवार, डॉ सुमन पटेल, महेंद्र बाथम ने अहम भूमिका निभाई.

24 नवम्बर को आयोजित कार्यक्रम

अपरान्ह 04 बजे से अभिमंच सभागार में विश्वविद्यालय परिवार द्वारा काव्यात्मक प्रस्तुतियों का होगा आयोजन।

गौर उत्सव : स्कूल शिक्षा विभाग ने जीता टी-20 क्रिकेट मैत्री टूर्नामेंट

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में 155वें गौर उत्सव के अवसर पर टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच का फाइनल मुकाबला अब्दुल गनी स्टेडियम में खेला गया। जिसमें स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने पत्रकार एकादश को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। टॉस जीतकर स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। पत्रकार एकादश ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 142 रनों का लक्ष्य दिया। जिसमें आकर्षण दर्पण ने शानदार 94 रनों की पारी खेली। स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के विपिन कन्नौजिया ने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने 18 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की। टीम के बल्लेबाज अभिषेक ने 53 रनों की शानदार पारी खेली और टीम की जीत में अहम योगदान दिया। मैन ऑफ द मैच विपिन कन्नौजिया व मैन ऑफ द सीरीज का खिताब अभिषेक परदेशी को दिया गया। विजेता टीम स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के कप्तान ओजस मिश्रा ने अपने टीम के साथ ट्रॉफी और स्वर्ण पदक प्राप्त किया। समापन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विजेता और उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में योगदान करते हैं, बल्कि टीम भावना और अनुशासन जैसे मूल्यों को भी बढ़ावा देते हैं।

विवि में महिला खेलों का आयोजन

सागर . गौर जयती उत्सव के तहत विश्वविद्यालय में महिला खेलों का आयोजन किया गया .जिसमें म्यूजिकल चेयर का आयोजन दो राउंड में किया गया . पहला राउंड विश्वविद्यालय की छात्राओं के बीच हुआ, जिसमें काजल शांडिल्य ने प्रथम, आस्था विश्वकर्मा द्वितीय और शिखा शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया . दूसरे राउंड में वंदना सोनी ने प्रथम, देवांशी ने द्वितीय और ज्योति तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किय . रस्साकसी का खेल भी आयोजित किया गया, जिसमें वूमेन सेल की दो टीमों ने भाग लिया . रितु यादव की टीम विजेता रही और प्रतिभागियों में शिवानी, अदिति, विजयश्री, देवांशी, पूनम, दीपाली, वेनुका, कुशुमा, और अंजली शामिल रही .

गौर उत्सव 2024- टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच के फाइनल में स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने जीता खिताब

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में 155 वें गौर उत्सव के अवसर पर टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच का फाइनल मुकाबला अब्दुल गनी स्टेडियम में संपन्न हुआ। आयोजित फाइनल मैच में स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने पत्रकार एकादश को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। टॉस जीतकर स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। पत्रकार एकादश ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 142 रनों का लक्ष्य दिया। उनकी पारी का मुख्य आकर्षण दर्पण की 94 रनों की शानदार पारी रही। जिसमें 7 चौके और 9 छक्के शामिल रहे। स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के विपिन कन्नौजिया की घातक गेंदबाजी ने पत्रकार एकादश को अधिक स्कोर बनाने से रोक दिया।

टी–20 मैत्री क्रिकेट : स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने जीता खिताब

सागर (आरएनएन)। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में 155वें गौर उत्सव के अवसर पर टी 20 मैत्री क्रिकेट मैच का फाइनल मुकाबला अब्दुल गनी स्टेडियम में संपन्न हुआ। आयोजित फाइनल मैच में स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने पत्रकार एकादश को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। टॉस जीतकर स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। पत्रकार एकादश ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 142 रनों का लक्ष्य दिया। उनकी पारी का मुख्य आकर्षण दर्पण की 94 रनों की शानदार पारी रही, जिसमें 7 चौके और 9 छक्के शामिल रहे। स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के विपिन कन्नौजिया की घातक गेंदबाजी ने पत्रकार एकादश को अधिक स्कोर बनाने से रोक दिया।

विपिन ने 4 विकेट झटके और मैच में निर्णायक भूमिका निभाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने 18 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की। टीम के बल्लेबाज अभिषेक ने 53 रनों की शानदार पारी खेली और टीम की जीत में अहम योगदान दिया। मैन ऑफ द मैच विपिन कन्नौजिया रहे। जिन्होंने 4 विकेट लिए। टी 20 मैत्री क्रिकेट मैच के मैन ऑफ द सीरीज का खिताब अभिषेक परदेशी को मिला। विजेता टीम स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के कप्तान ओजस मिश्रा ने अपने टीम के साथ ट्रॉफी और स्वर्ण पदक प्राप्त किए। उपविजेता टीम पत्रकार एकादश को भी प्रशंसा के साथ साथ ट्रॉफी और मेडल से सम्मानित किया गया। समापन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने विजेता और उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए गौर उत्सव के अवसर पर आयोजित टी 20 मैत्री क्रिकेट मैच के आयोजन की सफलता पर अपनी खुशी व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि गौर उत्सव केवल खेल या सांस्कृतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है बल्कि यह हमारे छात्रों और संकाय सदस्यों के सामूहिक प्रयास और ऊर्जा का प्रतीक है। हर साल इस आयोजन को नई ऊंचाई पर ले जाने की कोशिश की जा रही है, इस बार भी उत्साह और जोश ने इसे यादगार बना दिया है। इस तरह के आयोजन न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में योगदान करते हैं, बल्कि टीम भावना और अनुशासन जैसे मूल्यों को भी बढ़ावा देते हैं।

दैनिक
सागर दिनकर
www.sagardinkar.com
सागर। शनिवार। 23.11. 2024

टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच

पत्रकार एकादश एवं स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के बीच होगा फ़ाइनल मैच

सागर दिनकर

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में 155वें गौर जयंती के अवसर पर आयोजित टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच विश्वविद्यालय के अब्दुल गनी स्टेडियम में खेला गया। पहले सेमीफाइनल में पत्रकार एकादश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय एकादश को 7 विकेट से हराया। मैच के मुख्य अतिथि डॉ. विवेक साठे रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। पत्रकार एकादश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी विश्वविद्यालय एकादश की शुरुआत खराब रही और टीम 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर मात्र 105 रन ही बना सकी। बल्लेबाज नवनीत ने 15, गोविंद ने 18, और नीतीश ने 20 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की. पत्रकार एकादश के गेंदबाजों में दिनेश ने 3 विकेट लिए जबकि सोमू, नितिन, अभिषेक, और दानेश ने 1-1 विकेट लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए पत्रकार एकादश ने 12 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। शशांक ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 32 रन बनाए। दिनेश ने 20 और शानू ने 29 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। विश्वविद्यालय एकादश के गेंदबाजों में अंकित और नीरज ने 1-1 विकेट लिया. दिनेश को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने गेंदबाजी में 3 विकेट लेने के साथ ही बल्लेबाजी में भी 20 रन बनाए। पत्रकार एकादश की इस जीत के साथ फाइनल में पहुंचने की राह साफ हो गई है। टूर्नामेंट के अगले मुकाबले में और अधिक रोमांच की उम्मीद की जा रही है।

स्कूल शिक्षा विभाग एकादश की टीम ने 48 रनों से दर्ज की जीत

टी-20 मैत्री क्रिकेट का दूसरा सेमीफाइनल मैच स्कूल शिक्षा विभाग और अधिवक्ता एकादश के बीच खेला गया। टॉस जीतकर स्कूल शिक्षा विभाग टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 8 विकेट पर 194 रनों का मजबूत लक्ष्य दिया। बल्लेबाज अभिषेक ने 60 रन बनाए, जबकि अधिवक्ता एकादश के गेंदबाजों में रेहान और मनोज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट चटकाए, प्रणव एवं प्रवीण ने 1-1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए अधिवक्ता एकादश ने संघर्ष तो किया, लेकिन पूरी टीम 146 रन ही बना सकी। टीम के बल्लेबाज अर्पित खरे ने 89 रनों की शानदार पारी खेली। स्कूल शिक्षा विभाग के गेंदबाज अभिषेक ने 2, विपिन 2, सचिन ने 3, विनीत एवं मनीष ने 1-1 विकेट लिया. स्कूल शिक्षा विभाग टीम ने 48 रनों से इस मुकाबले को जीत लिया. बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दिनेश को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

गौर उत्सव के तृतीय दिवस महिला खेलों का हुआ आयोजन

गौर जयती उत्सव के तृतीय दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में महिला खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें म्यूजिकल चेयर, स्पून लेमन रेस और टग ऑफ वार जैसे खेल शामिल थे। म्यूजिकल चेयर का आयोजन दो राउंड में किया गया। पहला राउंड विश्वविद्यालय की छात्राओं के बीच हुआ, जिसमें काजल शांडिल्य (पत्रकारिता

प्रथम वर्ष) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आस्था विश्वकर्मा द्वितीय स्थान पर रहीं और शिखा शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। दूसरे राउंड में महिला क्लब की 17 महिलाओं ने भाग लिया, जिसमें वंदना सोनी ने प्रथम, देवांशी ने द्वितीय, और ज्योति तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके बाद लेमन रेस हुआ, जिसमें वूमेन सेल की महिलाओं ने भाग लिया। शिवानी ने प्रथम, अदिति ने द्वितीय और विजयश्री ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रस्साकसी का खेल भी आयोजित किया गया। जिसमें वूमेन सेल की दो टीमों ने भाग लिया। रितु यादव की टीम विजेता रही, और प्रतिभागियों में शिवानी, अदिति, विजयश्री, देवांशी, पूनम, दीपाली, वेनुका, कुशुमा, और अंजली शामिल रही।

23 नवम्बर को आयोजित कार्यक्रम

प्रातः 11.00 बजे से विद्यालयीन सांस्कृतिक कार्यक्रम कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता कि अध्यक्षता में केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 के विद्यार्थियों द्वारा स्वर्ण जयंती सभागार में होगा. गौर उत्सव के चौथे दिन अब्दुल गनी खान स्टेडियम में महिलाओं के लिए पिठ्ठू का आयोजन किया जायेगा।

'डा. गौर ने जिस विवि की स्थापना की वह विदेशों तक पहचान बना चुका है'

गौर उत्सव ● 'काव्यांजलि' में शिक्षकों और छात्रों ने दी प्रस्तुति

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थी व शिक्षक मौजूद थे।● नवदुनिया

सागर। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेश कुमार शर्मा।

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर :

डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को विवि के अभिमंच सभागार में काव्यांजलि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, और साहित्यप्रेमियों ने अपनी रचनाओं की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डा. गौर ने सीमित संसाधनों में जिस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी, वह आज देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुका है।

हमें उनके बताए गए मूल्यों और संघर्षशील जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना है। विवि को डा. गौर के सपनों के अनुरूप विकसित करने के लिए शिक्षकों और छात्रों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। डा. गौर ने हमें संघर्ष और परिश्रम की जो शिक्षा दी उससे मार्गदर्शन लेते हुए हमें उनकी विरासत को आगे बढ़ाना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेश कुमार शर्मा ने डा. गौर की अद्वितीय विधि एवं साहित्यिक उपलब्धियों का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि गौर साहब का जीवन परोपकार, शिक्षा और संघर्ष की मिसाल है। उन्होंने युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने और कठिन परिश्रम द्वारा अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया। न्यायिक प्रक्रिया और साहित्य के आपसी संबंधों पर चर्चा की और कविताओं के माध्यम से न्यायालय में मानवीय संवेदनाओं की आवश्यकता पर बल दिया।

कविता और गजलों की प्रस्तुति

काव्यांजलि' में विश्वविद्यालय शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने कविता और ग़ज़लों की प्रस्तुति दी। बुंदेलखंड के रसखान के नाम से प्रसिद्ध मायूस सागरी (शेख अब्दुल रज्जाक) ने अपनी मधुर ग़ज़लों से समां बांध दिया। विश्वविद्यालय परिवार के कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को प्रभावित किया। मंच से डॉ. हरीसिंह गौर के जीवन, संघर्ष, और योगदान को रेखांकित करती कविताएं भी प्रस्तुत की गईं। छात्रों द्वारा तैयार की गई विशेष फिल्म और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को श्रोताओं ने सराहा। दुर्गेश कुमार (हिंदी शोधार्थी) ने "तुम्हारी उपेक्षा पर शिकायत नहीं करूंगा शीर्षक से कविता पढ़ी. प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने "मिट्टी का दिया, खेत-खलिहान के बिना बचपन", सिद्धांत शर्मा (हिंदी शोधार्थी) ने "हर सुबह अखबार झूठ बोलता है', दिव्या राय ने "पिता और बेटी के रिश्ते की तरह", डा. हेमंत पाटीदार ने 'जानता हूं सागर गहरा बहुत है', डा. शशि कुमार सिंह ने 'सागर और सागर के लोग शीर्षक से संस्कृत में कविता पाठ किया। कार्यक्रम के समन्वयक डा. हिमांशु कुमार थे। इस अवसर पर प्रो. एडी शर्मा, प्रो. अनिल कुमार जैन, प्रो. नवीन कांगगो, प्रो. राजेंद्र यादव, डा. रितु यादव, कुलसचिव डा. एसपी उपाध्याय, वित्ताधिकारी डा. कुलदीपक शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डा. सुरेन्द्र गाढेवार, सहित समस्त विभागों के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी शोधार्थी एवं छात्र उपस्थित रहे।

शिक्षकों व छात्रों ने डॉ. गौर के जीवन, संघर्ष व योगदान को रेखांकित करती कविताओं की प्रस्तुति दी, गौर मेला आज से

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर के 155वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में रविवार को काव्यांजलि का आयोजन अभिमंच सभागार में संपन्न हुआ। जिसमें छात्रों, शिक्षकों और साहित्यप्रेमियों ने अपनी रचनात्मक अभिव्यक्तियों से विश्वविद्यालय परिसर को साहित्यिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय के संस्थापक की सोच और आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. गौर ने सीमित संसाधनों में जिस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी, वह आज देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुका है। हमें उनके बताए गए मूल्यों और संघर्षशील जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना है। विश्वविद्यालय को डॉ. गौर के सपनों के अनुरूप विकसित करने के लिए शिक्षकों और छात्रों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। डॉ. गौर ने हमें संघर्ष और परिश्रम की जो शिक्षा दी उससे मार्गदर्शन लेते हुए हमें उनकी विरासत को आगे बढ़ाना है। मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेश कुमार शर्मा ने कहा कि गौर साहब का जीवन परोपकार, शिक्षा और संघर्ष की मिसाल है। उन्होंने युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने और कठिन परिश्रम द्वारा अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया। न्यायिक प्रक्रिया और साहित्य के आपसी संबंधों पर चर्चा की और कविताओं के माध्यम से न्यायालय में मानवीय संवेदनाओं की आवश्यकता पर बल दिया। काव्यांजलि में विश्वविद्यालय के शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने कविताएं और ग़ज़लों की प्रस्तुतियां दी। बुंदेलखंड के रसखान के नाम से प्रसिद्ध मायूस सागरी (शेख अब्दुल रज्जाक) ने

अपनी मधुर ग़ज़लों से समां बांध दिया। विश्वविद्यालय परिवार के कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को प्रभावित किया। मंच से डॉ. हरीसिंह गौर के जीवन, संघर्ष, और योगदान को रेखांकित करती कविताएं की प्रस्तुत दी गईं। दुर्गेश कुमार (हिंदी शोधार्थी) ने तुम्हारी उपेक्षा पर शिकायत नहीं करूंगा शीर्षक से कविता पढ़ी। प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने मिट्टी का दिया, खेत-खलिहान के बिना बचपन, सिद्धांत शर्मा (हिंदी शोधार्थी) ने हर सुबह अखबार झूठ बोलता है दिव्या राय ने पिता और बेटी के रिश्ते की तरह, डॉ. हेमंत पाटीदार ने 'जानता हूं सागर गहरा बहुत है', डॉ. शशि कुमार सिंह ने 'सागर और सागर के लोग शीर्षक से संस्कृत में कविता पाठ किया।कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. हिमांशु कुमार थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. एडी शर्मा, प्रो. अनिल कुमार जैन, प्रो. नवीन कांगगो, प्रो. राजेंद्र यादव, डॉ. रितु यादव, कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय, डॉ. कुलदीपक शर्मा, डॉ सुरेन्द्र गाढेवार, सहित समस्त विभागों के शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी, छात्र मौजूद रहे।

आज से तीन दिवसीय गौर मेला शुरू : 25 से 27 नवम्बर तक सुबह 10 बजे से गौर जयंती मेले का आयोजन आचार्य शंकर भवन में होगा। 25 से 26 नवम्बर को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक गौर साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय में किया जाएगा। शाम 6 बजे से गौर मूर्ति पर दीप प्रज्वलन कुलपति गुप्ता एवं विश्वविद्यालय परिवार द्वारा, 6:30 बजे डॉ. गौर की जीवनी - रेडियो वार्ता का प्रसारण कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा किया जाएगा। गौर मेला 25-27 नवम्बर तक विवि गेस्ट हाउस परिसर में आयोजित होगा।

डॉ. गौर के संघर्ष शील जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें छात्र : कुलपति

गौर उत्सवः 'काव्यांजलि' में शिक्षकों और छात्रों ने दी रचनात्मक अभिव्यक्ति

सागर(एसबीन्यूज)। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर के 155वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 24 नवंबर 2024 को काव्यांजलि का आयोजन अभिमंच सभागार में संपन्न हुआ। सरस्वती वंदना की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम आरम्भ हुआ. इस आयोजन में छात्रों, शिक्षकों, और साहित्यप्रेमियों ने अपनी रचनात्मक अभिव्यक्तियों से विश्वविद्यालय परिसर को साहित्यिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की उन्होंने विश्वविद्यालय के संस्थापक की सोच और आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. गौर ने सीमित संसाधनों में जिस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी, वह आज देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुका है. हमें उनके बताए गए मूल्यों और संघर्षशील जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना है। विश्वविद्यालय को डॉ. गौर के सपनों के अनुरूप विकसित करने के लिए शिक्षकों और छात्रों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। डॉ. गौर ने हमें संघर्ष और परिश्रम की जो शिक्षा दी उससे मार्गदर्शन लेते हुए हमें उनकी विरासत को आगे बढ़ाना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेश कुमार शर्मा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सागर, ने अपने वक्तव्य में डॉ. हरीसिंह गौर की अद्वितीय विधि एवं साहित्यिक उपलब्धियों का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि गौर साहब का जीवन परोपकार, शिक्षा, और संघर्ष की मिसाल है। उन्होंने युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने और कठिन परिश्रम द्वारा अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया। न्यायिक प्रक्रिया और साहित्य के आपसी संबंधों पर चर्चा की और कविताओं के माध्यम से न्यायालय में मानवीय संवेदनाओं की आवश्यकता पर बल दिया।

काव्यांजलि' में विश्वविद्यालय शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने कविताएं और ग़ज़लें प्रस्तुत कीं। बुंदेलखंड के रसखान के नाम से प्रसिद्ध मायूस सागरी (शेख अब्दुल रज्जाक) ने अपनी मधुर ग़ज़लों से समां बांध दिया। विश्वविद्यालय परिवार के कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को प्रभावित किया। मंच से डॉ. हरीसिंह गौर के जीवन, संघर्ष, और योगदान को रेखांकित करती कविताएं भी प्रस्तुत की गईं। छात्रों द्वारा तैयार की गई विशेष फिल्म और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को श्रोताओं ने सराहा। दुर्गेश कुमार (हिंदी शोधार्थी) ने तुम्हारी उपेक्षा पर शिकायत नहीं करूंगा शीर्षक से कविता पढ़ी. प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने मिट्टी का दिया, खेत-खलिहान के बिना बचपन, सिद्धांत शर्मा (हिंदी शोधार्थी) ने हर सुबह अखबार झूठ बोलता है', दिव्या राय ने पिता और बेटी के रिश्ते की तरह, डॉ. हेमंत पाटीदार ने 'जानता हूं सागर गहरा बहुत है', डॉ. शशि कुमार सिंह ने 'सागर और सागर के लोग शीर्षक से संस्कृत में कविता पाठ किया. कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. हिमांशु कुमार थे. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो नवीन कांगो, प्रो. राजेंद्र यादव, डॉ. रितु यादव, अधिकारियों में वित्ताधिकारी डॉ. कुलदीपक शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ सुरेन्द्र गाढेवार, सहित समस्त विभागों के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी शोधार्थी एवं छात्र उपस्थित रहे।

25 नंवबर को आयोजित कार्यक्रम

25 एवं 27 नवम्बर को प्रातः 10.00 बजे से गौर जयंती मेले का आयोजन आचार्य शंकर भवन में होगा। 25 से 26 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से शाम 05 बजे तक गौर साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय में होगा। सायं 06 बजे से गौर मूर्ति पर दीप प्रज्ज्वलन, माननीया कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता एवं विश्वविद्यालय परिवार द्वारा सायं 06 .30 बजे डॉ गौर की जीवनी - रेडियो वार्ता का प्रसारण, कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता द्वारा होगा।

डॉ. गौर के संघर्षशील जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें छात्र- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

गौर उत्सवः 'काव्यांजलि' में शिक्षकों और छात्रों ने दी रचनात्मक अभिव्यक्ति

अनुराग विश्वकर्मा जिला ब्यूरो

सागर (विंध्यसत्ता) डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर के 155वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 24 नवंबर 2024 को काव्यांजलि का आयोजन अभिमंच सभागार में संपन्न हुआ। सरस्वती वंदना की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम आरम्भ हुआ. इस आयोजन में छात्रों, शिक्षकों, और साहित्यप्रेमियों ने अपनी रचनात्मक अभिव्यक्तियों से विश्वविद्यालय परिसर को साहित्यिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की उन्होंने विश्वविद्यालय के संस्थापक की सोच और आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. गौर ने सीमित संसाधनों में जिस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी, वह आज देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुका है. हमें उनके बताए गए मूल्यों और संघर्षशील जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना है। विश्वविद्यालय को डॉ. गौर के सपनों के अनुरूप विकसित करने के लिए शिक्षकों और छात्रों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। डॉ. गौर ने हमें संघर्ष और परिश्रम की जो शिक्षा दी उससे मार्गदर्शन लेते हुए हमें उनकी विरासत को आगे बढ़ाना है. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री महेश कुमार शर्मा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सागर, ने अपने वक्तव्य में डॉ. हरीसिंह गौर की अद्वितीय विधि एवं साहित्यिक उपलब्धियों का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि गौर साहब का जीवन परोपकार, शिक्षा, और संघर्ष की मिसाल है। उन्होंने युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने और कठिन परिश्रम द्वारा अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया। न्यायिक प्रक्रिया और साहित्य के आपसी संबंधों पर चर्चा की और कविताओं के माध्यम से न्यायालय में मानवीय संवेदनाओं की आवश्यकता पर बल दिया. काव्यांजलि' में विश्वविद्यालय शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने कविताएं और ग़ज़लें प्रस्तुत कीं। बुंदेलखंड के रसखान के नाम से प्रसिद्ध मायूस सागरी (शेख अब्दुल रज्जाक) ने अपनी मधुर ग़ज़लों से समां बांध दिया। विश्वविद्यालय परिवार के कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को प्रभावित किया। मंच से डॉ. हरीसिंह गौर के जीवन, संघर्ष, और योगदान को रेखांकित करती कविताएं भी प्रस्तुत की गईं। छात्रों द्वारा तैयार की गई विशेष फिल्म और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को श्रोताओं ने सराहा। दुर्गेश कुमार (हिंदी शोधार्थी) ने «तुम्हारी उपेक्षा पर शिकायत नहीं करूंगा शीर्षक से कविता पढ़ी. प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने «मिट्टी का दिया, खेत-खलिहान के बिना बचपन», सिद्धांत शर्मा (हिंदी शोधार्थी) ने «हर सुबह अखबार झूठ बोलता है', दिव्या राय ने «पिता और बेटी के रिश्ते की तरह», डॉ. हेमंत पाटीदार ने 'जानता हूं सागर गहरा बहुत है', डॉ. शशि कुमार सिंह ने 'सागर और सागर के लोग शीर्षक से संस्कृत में कविता पाठ किया. कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. हिमांशु कुमार थे. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. ए. डी. शर्मा, प्रो. अनिल कुमार जैन, प्रो. नवीन कांगो, प्रो. राजेंद्र यादव, डॉ. रितु यादव, कुलसचिव डॉ. एस.पी. उपाध्याय, वित्ताधिकारी डॉ. कुलदीपक शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ सुरेन्द्र गाढेवार, सहित समस्त विभागों के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी शोधार्थी एवं छात्र उपस्थित रहे.

25 नंवबर को आयोजित कार्यक्रम

25 एवं 27 नवम्बर को प्रातः 10.00 बजे से गौर जयंती मेले का आयोजन आचार्य शंकर भवन में होगा.
25 से 26 नवम्बर को प्रातः 11:00 बजे से शाम 05 बजे तक गौर साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय में होगा.
सायं - 06:00 बजे से गौर मूर्ति पर दीप प्रज्ज्वलन, माननीया कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता एवं विश्वविद्यालय परिवार द्वारा
सायं ; 06 :30 बजे डॉ गौर की जीवनी - रेडियो वार्ता का प्रसारण, माननीय कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता द्वारा

डॉ. गौर के संघर्षशील जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें छात्रः कुलपति

सत्ता सुधार ■ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर के 155वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 24 नवंबर 2024 को काव्यांजलि का आयोजन अभिमंच सभागार में संपन्न हुआ। सरस्वती वंदना की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम आरम्भ हुआ. इस आयोजन में छात्रों, शिक्षकों, और साहित्यप्रेमियों ने अपनी रचनात्मक अभिव्यक्तियों से विश्वविद्यालय परिसर को साहित्यिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की उन्होंने विश्वविद्यालय के संस्थापक की सोच और आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. गौर ने सीमित संसाधनों में जिस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी, वह आज देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुका है. हमें उनके बताए गए मूल्यों और संघर्षशील जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना है। विश्वविद्यालय को डॉ. गौर के सपनों के अनुरूप विकसित करने के लिए शिक्षकों और छात्रों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। डॉ. गौर ने हमें संघर्ष और परिश्रम की जो शिक्षा दी उससे मार्गदर्शन लेते हुए हमें उनकी विरासत को आगे बढ़ाना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री महेश कुमार शर्मा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सागर, ने अपने वक्तव्य में डॉ. हरीसिंह गौर की अद्वितीय विधि एवं साहित्यिक उपलब्धियों का स्मरण किया।

उन्होंने कहा कि गौर साहब का जीवन परोपकार, शिक्षा, और संघर्ष की मिसाल है। उन्होंने युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने और कठिन परिश्रम द्वारा अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया। न्यायिक प्रक्रिया और साहित्य के आपसी संबंधों पर चर्चा की और कविताओं के माध्यम से न्यायालय में मानवीय संवेदनाओं की आवश्यकता पर बल दिया।काव्यांजलि' में विश्वविद्यालय शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने कविताएं और ग़ज़लें प्रस्तुत कीं। बुंदेलखंड के रसखान के नाम से प्रसिद्ध मायूस सागरी (शेख अब्दुल रज्जाक) ने अपनी मधुर ग़ज़लों से समां बांध दिया।

गौर उत्सव 2024- टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच के फाइनल में स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने जीता खिताब

खेल शारीरिक, मानसिक विकास में योगदान एवं टीम भावना और अनुशासन को बढ़ावा देते हैः कुलपति

अनुराग विश्वकर्मा जिला ब्यूरो

सागर (विंध्यसत्ता) डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में 155वें गौर उत्सव के अवसर पर टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच का फाइनल मुकाबला अब्दुल गनी स्टेडियम में संपन्न हुआ. आयोजित फाइनल मैच में स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने पत्रकार एकादश को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया. टॉस जीतकर स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया. पत्रकार एकादश ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 142 रनों का लक्ष्य दिया. उनकी पारी का मुख्य आकर्षण दर्पण की 94 रनों की शानदार पारी रही, जिसमें 7 चौके और 9 छक्के शामिल रहे. स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के विपिन कन्नौजिया की घातक गेंदबाजी ने पत्रकार एकादश को अधिक स्कोर बनाने से रोक दिया. विपिन ने 4 विकेट झटके और मैच में निर्णायक भूमिका निभाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कूल शिक्षा विभाग एकादश ने 18 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज कि. टीम के बल्लेबाज अभिषेक ने 53 रनों की शानदार पारी खेली और टीम की जीत में अहम योगदान दिया. मैन ऑफ द मैच विपिन कन्नौजिया रहे. जिन्होंने 4 विकेट लिए. टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच के मैन ऑफ द सीरीज का खिताब अभिषेक परदेशी को मिला. विजेता टीम स्कूल शिक्षा विभाग एकादश के कप्तान ओजस मिश्रा ने अपने टीम के साथ ट्रॉफी और स्वर्ण पदक प्राप्त किए. उपविजेता टीम पत्रकार एकादश को भी प्रशंसा के साथ-साथ ट्रॉफी और मेडल से सम्मानित किया गया. इस समापन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विजेता और उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए गौर उत्सव के अवसर पर आयोजित टी-20 मैत्री क्रिकेट मैच के आयोजन की सफलता पर अपनी खुशी व्यक्त की. उन्होंने कहा कि गौर उत्सव केवल खेल या सांस्कृतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे छात्रों और संकाय सदस्यों के सामूहिक प्रयास और ऊर्जा का प्रतीक है. हर साल इस आयोजन को नई ऊंचाई पर ले जाने की कोशिश की जा रही है, इस बार भी उत्साह और जोश ने इसे यादगार बना दिया है. इस तरह के आयोजन न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में योगदान करते हैं, बल्कि टीम भावना और अनुशासन जैसे मूल्यों को भी बढ़ावा देते है. महिला खेल में दूसरे दिन पिट्ठू खेल का आयोजन किया गया जिसमें विजेता टीम में ओमिका, ऋतु यादव, पूनम मिश्रा, देवांशी एवं एकता थे. दूसरी टीम ने भी बराबर की टक्कर से खेला जिसकी कप्तानी दीपाली ने की. विजयश्री, वेणुका, अनुराधा और शिवानी इस टीम की साथी सदस्य रहीं. दो दिन चले महिला खेलों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके दैनिक जीवन से समय निकाल कर उन्हें मनोरंजन प्रदान करना था. खेलों के माध्यम से महिलाओं की प्रतिभा और शारीरिक क्षमता भी विकसित होती है. महिला क्लब की खेल कूद की गतिविधियों से अन्य महिलाएं भी खेलों में अपनी रुचि दिखाती है. उम्र की सीमा को न देखते हुए सभी खेलो में महिलाएं अपनी प्रतिभागिता प्रदर्शित करती हैं. महिला खेलो के बाद समापन सत्र का आयोजन माननीया कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता के उपस्थिति में हुआ. उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी एवं विजेता टीम को पुरस्कृत किया. उन्होंने सभी आयोजकों और सहभागियों को सफल खेलो के आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी. इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा किया गया, जिसमें प्रो. डी.के. नेमा, प्रो. एन.पी. सिंह, प्रो. सुबोध जैन, डॉ. राजू टंडन, डॉ. कालीनाथ झा, डॉ. रितु यादव, डॉ. विवेक साठे, और डॉ सुरेन्द्र गादेवार, डॉ सुमन पटेल, महेंद्र बाथम ने अहम भूमिका निभाई.

24 नवम्बर को आयोजित कार्यक्रम

अपरान्ह 04 बजे से अभिमंच सभागार में विश्वविद्यालय परिवार द्वारा काव्यात्मक प्रस्तुतियों का होगा आयोजन.

केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 में धूमधाम से मनाया गया गौर उत्सव

सुमन प्रकाश ■ सागर

केन्द्रीय विद्यालय क्र.4 सागर में गौर उत्सव सह वार्षिकोत्सव, विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर की 155वीं जयंती 26 नवम्बर गौर उत्सव के रूप में मनाई जा रही है। इसी श्रृंखला में केन्द्रीय विद्यालय क्र .4 (डी. एच. एस.जी.वि. वि.) का गौर उत्सव सह वार्षिकोत्सव मनाया गया। जिसकी मुख्य अतिथि श्रीमती मनीषा जाट (सीईओ) सैनिक बोर्ड सागर व विशिष्ट अतिथि प्रो. नीलिमा गुप्ता कुलगुरु हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय रही।

उनके साथ ही विद्यालय प्रबंधन समिति के नामित अध्यक्ष श्री नवीन कांगों (एच.ओ.डी. माइक्रो बायोलॉजी विभाग) व प्रोफ़ेसर पी के कटहल (पूर्व नामित अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधन समिति) अतिथि के रूप में शामिल रहे। मुख्य अतिथि का स्वागत विद्यालय के स्काउट गाइड की कलर पार्टी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं विद्यालय के प्राचार्य द्वारा माँ सरस्वती एवं डॉ. हरीसिंह गौर की प्रतिमा पर मालार्पण एवं दीपप्रज्वलन के साथ किया गया।

मुख्य अतिथियों का स्वागत प्राचार्य महोदय के साथ ही विद्यालय के शिक्षक, श्री मनोज कुमार नेमा, मिस अनीता डोंगरे, श्रीमती दीपा गुप्ता, तथा श्री महेंद्र सिंह राजपूत के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन श्रीमती शारदा प्रजापति ने किया एवं संचालन विद्यालय संस्कृत शिक्षक श्री आनन्द जैन व श्रीमती फरखंदा बेगम के साथ कक्षा नवमी की छात्रा शिवांगी सिंह कुर्मी एवं कक्षा आठवी के छात्र तनिष्क नंदनवार द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा अनेक धार्मिक, देशभक्ति तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई जिसमे हरियाणवी नृत्य, जयतु भारतं, महाभारत के एक प्रसंग पर नाट्य नृत्य इत्यादि शामिल रहे इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के लोक नृत्य बधाई ने चार चाँद लगाए। इन कार्यक्रमों के साथ - साथ मंच पर एक खेल पर आधारित प्रस्तुति दी गई जिसे सभी के द्वारा बहुत सराहा गया। कार्यक्रम में नृत्य के अतिरिक्त विभिन्न सुरीले गीत, अंधेर नगरी चौपट राजा पर नाट्य तथा गौर भाषण भी शामिल रहे। इसके पश्चात् विद्यालय में आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया। विशेष बात रही की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता महोदया ने अपने उद्बोधन के बीच विद्यालय के छात्र मा. शुभ सक्सेना को सम्मानित किया। जिसने अभी जापान में आयोजित विज्ञान कार्यक्रम में प्रतिभागिता कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। उपस्थित सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा दी गई सभी प्रस्तुतियों की जमकर तारीफ की। विद्यालय प्रशासन द्वारा सभी के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। यह कार्यक्रम विद्यालय के प्राचार्य श्री राजेंद्र सिंह वर्मा के निर्देशन तथा सभी शिक्षको एवं विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सागर, आचरण। गौर जयंती की पूर्व संध्या पर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल, पूर्व आई.पी.एस. एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शहर के तीनबत्ती स्थित गौर मूर्ति पहुंचकर दीप प्रज्ज्वलन किया एवं पुष्पांजलि दी. इस अवसर पर प्रो. सुरेश आचार्य, प्रो. आरके त्रिवेदी, प्रो. पीपी सिंह, सुरेन्द्र गादेवार, एसपी उपाध्याय, डॉ. विवेक तिवारी, शैलेन्द्र ठाकुर, सुदेश तिवारी, वंदना गुप्ता, देवेन्द्र फुसकेले, विनोद आर्य, पंकज सिंघई, सिंटू कटारे, अजय तिवारी, लक्ष्मण सिंह, गुड्डू चौबे, मुकेश साहू सहित शहर के गणमान्य नागरिक, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

दीप जलाकर डा. गौर को किया याद

तीनबत्ती पर दीप व मोमबत्ती जलाते हुए शहरवासी। ● नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : गौर जयंती की पूर्व संध्या पर डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शहर के तीनबत्ती स्थित गौर मूर्ति पहुंचकर दीप प्रज्ज्वलन कर उन्हें याद किया। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे और उन्होंने दीप व मोमबत्ती जलाए।

महान स्वप्नद्रष्टा और महामनीषी डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिएः कुलपति

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भारत रत्न की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिए। वह एक लेखक, विचारक, कानूनविद, समाज सुधारक और महान दानवीर थे। उनके संघर्ष एवं त्याग की मिसाल अन्य कहीं नहीं देखने को मिलती है। वह हमारे पितृ पुरुष हैं। ऐसे महान स्वप्नद्रष्टा और मनीषी को भारत रत्न अवश्य मिलना चाहिए। हम सब उन्हें भारत रत्न दिलाने में जरूर सफल होंगे। 155 वीं गौर जयंती के उपलक्ष्य में ग्रंथालय विभाग के तत्वावधान में गौर साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी आज सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगी। इसका उद्घाटन कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल तथा कुलगुरु नीलिमा गुप्ता द्वारा किया गया। इसमें डॉ. गौर द्वारा लिखित किताबें भी प्रदर्शनी के लिए रखीं गई हैं। डॉ. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है जिन पर आडियो वीडियो फिल्म बनाई जाएगी। विवि की वेबसाइट पर डॉ. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों के डिजिटल संस्करण को पढ़ा जा सकता है। इस दौरान गौर सप्ताह समन्वयक प्रो. डीके नेमा, डॉ. रितु यादव, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय, वित्त अधिकारी कुलदीपक शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेंद्र गादेवार, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल उपस्थित सहित स्टॉफ मौजूद रहा।

गौर मेले में लगे आकर्षक स्टॉल

विश्वविद्यालय के महिला क्लब द्वारा गेस्ट हॉउस परिसर में गौर मेला का आयोजन किया गया। कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मेले का उद्घाटन किया। उन्होंने मेले में लगे विभिन्न स्टाल का निरीक्षण किया। मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शॉल, महिलाओं के वूलेन कपड़े, वाल डेकोरेशन की सामग्री, इन्डियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगाये गए हैं। साथ ही फास्ट फूड एवं विभिन्न व्यंजन के भी स्टाल लगाए हैं। विद्यार्थियों, शिक्षक, कर्मचारी के परिवार जन एवं शहरवासी मेले में पहुंच रहे हैं और मनपसंद सामग्री खरीद रहे हैं। इस अवसर पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, डॉ. कल्पना शर्मा सहित महिला समाज की सभी सदस्य उपस्थित रहे।

डॉ. हरीसिंह गौर की शोभायात्रा परंपरानुसार तीनबत्ती से निकलेगी

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155 वें जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित गौर उत्सव 2024 का समापन 26 नवंबर को भव्य शोभायात्रा के साथ होगा। यह शोभायात्रा सुबह 8.40 बजे तीनबत्ती से प्रारंभ होगी। इससे पहले कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा तीनबत्ती पर गौर मूर्ति पर माल्यार्पण एवं उद्बोधन किया जाएगा। शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई विश्वविद्यालय परिसर पहुंचेगी, जहां गौर समाधि प्रांगण में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित होगा। मुख्य समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में किया जाएगा। समारोह में कुलपति द्वारा गौर पीठ के दानदाताओं का सम्मान किया जाएगा। साथ ही शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन और मेधावी छात्रों को पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।

आयोजन। भारत रत्न की मांग की मुहिम में विश्वविद्यालय ने बढ़ चढ़कर भाग लिया

महान स्वप्नद्रष्टा और महामनीषी डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिएः कुलपति

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर परिवार ने डॉ. गौर को 6.5 किलोमीटर लम्बे माल्यार्पण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए डॉ. सर हरीसिंह गौर को सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न की मांग की मुहिम में बढ़ चढ़कर भाग लिया। भारत रत्न की माँग का समर्थन करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय प्रांगण स्थित गौर मूर्ति पर माल्यार्पण किया और माला की श्रृंखला को हस्तांतरित किया. उन्होंने माल्यार्पण श्रृंखला

के साथ पद यात्रा की. इस दौरान सभी ने डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने के लिए नारे लगाए. कुलपति ने कहा कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिए. वह एक लेखक, विचारक, कानूनविद, समाज सुधारक, और महान दानवीर थे. उनके संघर्ष एवं त्याग की मिसाल अन्य कहीं नहीं देखने को मिलता है. वह हमारे पितृ पुरुष है. ऐसे महान स्वप्नद्रष्टा और मनीषी को भारत रत्न अवश्य मिलना चाहिए. हम सब उन्हें भारत रत्न दिलाने में जरूर सफल होंगे. इस अवसर पर विधायक प्रदीप लारिया, डॉ. अनिल तिवारी, प्रो. डी. के. नेमा, डॉ. एस पी उपाध्याय, प्रो. सुशील काशव, प्रो. रत्नेश दास, प्रो. राजेन्द्र यादव, प्रो. नवीन कानगो, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. रजनीश एवं विश्वविद्यालय के कई शिक्षक, कर्मचारी, एनसीसी के विद्यार्थी, योग विभाग सहित कई विभागों के विद्यार्थी, विभिन्न महाविद्यालयों एवं स्कूलों के विद्यार्थी, शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे.

जवाहरलाल नेहरू ग्रंथालय में हुआ गौर साहित्य प्रदर्शनी का उद्घाटन

155 वीं गौर जयंती के उपलक्ष्य में ग्रंथालय विभाग के तत्वावधान में गौर साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. यह प्रदर्शनी 25-26 नवंबर को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगी. इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मेले का उद्घाटन किया. उन्होंने मेले में लगे विभिन्न स्टाल का निरीक्षण किया. मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शॉल, महिलाओं के वूलेन कपड़े, वाल डेकोरेशन की सामग्री, इन्डियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगाए गये हैं. साथ ही फास्ट फूड एवं विभिन्न व्यंजन के भी स्टाल लगाए हैं. विद्यार्थियों, शिक्षक, कर्मचारी के परिवार जन एवं शहरवासी मेले में पहुंच रहे हैं और मनपसंद सामग्री खरीद रहे हैं. इस अवसर पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, डॉ. कल्पना शर्मा, त्रिवेणिका रे, कीर्ति राज, अभिलाषा दुर्गवंशी सहित महिला समाज की सभी सदस्य उपस्थित रहे.

गौर मेले में लगे आकर्षक स्टाल, तीन दिन तक चलेगा मेला

विश्वविद्यालय के महिला क्लब द्वारा गेस्ट हॉउस परिसर में गौर मेला का आयोजन किया गया. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मेले का उद्घाटन किया. उन्होंने मेले में लगे विभिन्न स्टाल का निरीक्षण किया. मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शॉल, महिलाओं के वूलेन कपड़े, वाल डेकोरेशन की सामग्री, इन्डियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगाए गये हैं. साथ ही फास्ट फूड एवं विभिन्न व्यंजन के भी स्टाल लगाए हैं. विद्यार्थियों, शिक्षक, कर्मचारी के परिवार जन एवं शहरवासी मेले में पहुंच रहे हैं और मनपसंद सामग्री खरीद रहे हैं. इस अवसर पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, डॉ. कल्पना शर्मा, त्रिवेणिका रे, कीर्ति राज, अभिलाषा दुर्गवंशी सहित महिला समाज की सभी सदस्य उपस्थित रहे.

सुविधा

डा. हरिसिंह गौर की 155 वीं जयंती के उपलक्ष्य में जवाहरलाल नेहरु ग्रंथालय में हुआ गौर साहित्य प्रदर्शनी का उद्घाटन

अब क्यूआर कोड स्कैन कर पढ़ सकेंगे डा . गौर द्वारा लिखी गईं पुस्तकें

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरिसिंह गौर की 155 वीं जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार को ग्रंथालय विभाग के तत्वावधान में गौर साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी 25-26 नवंबर को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगी। इसका उद्घाटन विवि के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल व कुलगुरु नीलिमा गुप्ता द्वारा किया गया।

प्रदर्शनी में डा. गौर द्वारा लिखित किताबें भी प्रदर्शनी के लिए रखीं गई हैं। डा. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है जिन पर आडियो वीडियो फिल्म बनाई जाएगी। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर क्यू आर कोड उपलब्ध कराया जाएगा जिसे स्कैन करके डा. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों के डिजिटल संस्करण को पढ़ा जा सकता है। प्रदर्शनी में कुलपति और विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों व शोध पत्रों को भी प्रदर्शित किया गया है। इस दौरान गौर सप्ताह समन्वयक प्रो. डीके नेमा, डा. रितु यादव, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रभारी कुलसचिव डा. सत्यप्रकाश उपाध्याय, वित्त अधिकारी कुलदीपक शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डा. सुरेंद्र गादेवार, जनसंपर्क अधिकारी डा. विवेक जायसवाल उपस्थित रहे।

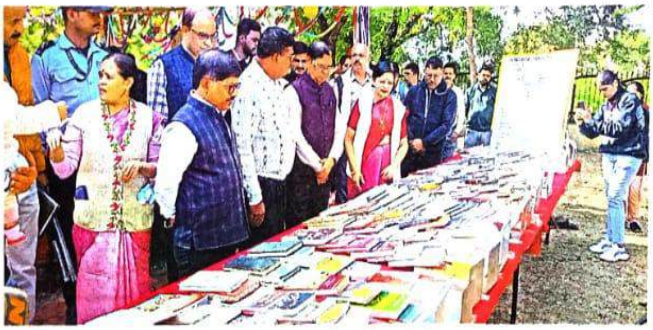

मेले में डा. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों से लेकर अन्य कई पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई। • नवदुनिया

मेले में महिला क्लब द्वारा कई दुकानें लगाई गई। • नवदुनिया

डिजाइनर आभूषण की खरीदी के साथ फास्ट फूड का आनंद

विश्वविद्यालय के महिला क्लब द्वारा गेस्ट हाउस परिसर में गौर मेला का आयोजन किया गया। विवि के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मेले का उद्घाटन किया। उन्होंने विभिन्न स्टाल का निरीक्षण किया। मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शाल, महिलाओं के वूलेन कपड़े, वाल डेकोरेशन की सामग्री, इन्डियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगाए हैं। इस अवसर पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, कल्पना शर्मा, त्रिवेणिका रे, कीर्ति राज, अभिलाषा दुर्गवंशी सहित सभी महिला सदस्य उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में गौर उत्सव का होगा मुख्य समारोह, मेधावी छात्र होंगे पुरस्कृत

जयंती आज... तीन बत्ती से परंपरानुसार निकलेगी डॉ हरि सिंह गौर की शोभायात्रा

• सागर / राज न्यूज नेटवर्क

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में 20 से 26 नवंबर तक गौर उत्सव 2024 का आयोजन किया जा रहा है। 26 नवम्बर को सुबह 8.30 बजे शहर के तीनबत्ती पर कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता द्वारा गौर मूर्ति पर माल्यार्पण एवं उद्बोधन कार्यक्रम होगा। उद्बोधन के पश्चात् सुबह 8.40 बजे से परम्परानुसार गौर शोभा यात्रा प्रारम्भ होगी। बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा गौर अध्ययन केन्द्र एवं गौर जन्म स्थली होकर तीन मढ़िया, बस स्टैंड, गोपालगंज व स्वीडिश मिशन होते हुए मुख्य मार्ग से विवि परिसर स्थित गौर मूर्ति विश्वविद्यालय परिसर स्थित गौर मूर्ति से गौर समाधि प्रांगण तक पहुंचेगी।

शोभा यात्रा के विश्वविद्यालय परिसर में आगमन के पश्चात गौर मूर्ति पर माल्यार्पण एवं गौर समाधि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम होगा। गौर उत्सव का मुख्य समारोह विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में होगा। समारोह का प्रारम्भ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन तथा डॉ गौर के तैल चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ होगा। संगीत विभाग के छात्र छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं गौर गीत की प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं पूर्व आईपीएस कन्हैया लाल बेरवाल करेंगे एवं सारस्वत उद्बोधन कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता का होगा। मुख्य समारोह में कुलपति द्वारा गौर पीठ के दानदाताओं को सम्मानित किया जाएगा। मंचासीन अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया जायेगा। विभिन्न कक्षाओं के मेधावी छात्र छात्राओं को भी मंचासीन अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा।

पूर्व संध्या पर कुलाधिपति एवं कुलपति ने किया तीनबत्ती पर दीप प्रज्ज्वलन

गौर जयंती की पूर्व संध्या पर डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल, पूर्व आईपीएस एवं कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने शहर के तीनबत्ती स्थित गौर मूर्ति पहुंचकर दीप प्रज्ज्वलन किया एवं पुष्पांजलि दी। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी कर्मचारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

गौर उत्सव • सुबह 8:40 बजे परंपरागत रैली निकाली जाएगी, विवि में दानदाताओं का होगा सम्मान

आज बैंड की धुन पर निकाली जाएगी शोभायात्रा

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर की जयंती के एक दिन पहले शाम को विश्वविद्यालय में समाधि स्थल को आकर्षक रोशनी से सजाया गया। फोटो | मनुज नामदेव

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्थापक शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे गौर उत्सव में 26 नवंबर को शोभायात्रा निकाली जाएगी। सुबह 8.30 बजे शहर के तीनबत्ती पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा गौर मूर्ति पर माल्यार्पण किया जाएगा। इसके बाद 8.40 बजे से परम्परानुसार गौर शोभा यात्रा शुरू होगी। बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा (गौर अध्ययन केन्द्र एवं गौर जन्म स्थली होकर) तीन मढ़िया, बस स्टैंड, गोपालगंज व स्वीडिश मिशन होते हुए मुख्य मार्ग से विश्वविद्यालय परिसर स्थित गौर मूर्ति विश्वविद्यालय परिसर स्थित गौर मूर्ति से गौर समाधि प्रांगण तक जाएगी। शोभा यात्रा के विश्वविद्यालय परिसर में आगमन के बाद गौर मूर्ति पर माल्यार्पण एवं गौर समाधि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम होगा।

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में गौर उत्सव का मुख्य समारोह : विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में मुख्य समारोह होगा। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन तथा पुष्प अर्पण के साथ मुख्य समारोह शुरू होगा। संगीत विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं गौर गीत की प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं पूर्व आईपीएस कन्हैया लाल बेरवाल करेंगे। उद्बोधन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का होगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय केबिनेट मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, सागर सांसद लता वानखेड़े, गोविन्द सिंह राजपूत, केबीनेट मंत्री, उदय प्रताप सिंह, केबीनेट मंत्री, पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह विधायक खुरई, पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव विधायक, रहली, शैलेन्द्र जैन विधायक, उपस्थित रहेंगे।

गौर पीठ के दानदाताओं को सम्मानित करेगा विश्वविद्यालय

मुख्य समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा गौर पीठ के दानदाताओं को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व सांसद, सागर लक्ष्मी नारायण यादव, वरिष्ठ समाजसेवी रघु ठाकुर, समाजसेवी डॉ. वंदना गुप्ता, सचिव सरस्वती वाचनालय पं. शुकदेव तिवारी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति चौहान, पूर्व जेल अधीक्षक डॉ. गोपाल ताम्रकार, पूर्व विभागाध्यक्ष गणित विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय प्रो. आरके नामदेव, प्राचार्य आईटीआई सागर मुलु कुमार प्रजापति को सम्मानित किया जाएगा।

• **पुस्तकों का विमोचन एवं पुरस्कार वितरण होगा** : मंचासीन अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया जाएगा। अलग-अलग कक्षाओं के मेधावी छात्र-छात्राओं को भी मंचासीन अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

• **भू गर्भ शास्त्र में पार्किंग** : विश्वविद्यालय सुरक्षा विभाग ने यातायात, वाहन पार्किंग एवं प्रवेश व्यवस्था की है। बताया कि कैम्पस के नागरिकों के लिए पार्किंग व्यवस्था भूगर्भ शास्त्र परिसर, शहर से आने वाले नागरिको के लिए अतिथि गृह के बाहर, दो पहिया पार्किंग के लिए भूगोल विभाग, कंप्यूटर विभाग एवं प्राणी विज्ञान विभाग परिसर में व्यवस्था की है।

विश्वविद्यालयः तीनबत्ती से परंपरानुसार निकलेगी डॉ. गौर की भव्य शोभायात्रा

सागर, ईएमएस।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2024 का आयोजन किया जा रहा है।

26 नवम्बर को प्रातः 8.30 बजे शहर के तीनबत्ती पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा गौर मूर्ति पर माल्यार्पण एवं उद्बोधन कार्यक्रम होगा. उद्बोधन के पश्चात् प्रातः 8.40 बजे से परम्परानुसार गौर शोभा यात्रा प्रारम्भ होगी. बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा (गौर अध्ययन केन्द्र एवं गौर जन्म स्थली होकर) तीन मढ़िया, बस स्टैंड, गोपालगंज व स्वीडिश मिशन होते हुए मुख्य मार्ग से विश्वविद्यालय परिसर स्थित गौर मूर्ति विश्वविद्यालय परिसर स्थित गौर मूर्ति से गौर समाधि प्रांगण तक पहुंचेगी. शोभा यात्रा के विश्वविद्यालय परिसर में आगमन के पश्चात गौर मूर्ति पर माल्यार्पण एवं गौर समाधि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम होगा।

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में गौर उत्सव का मुख्य समारोहः विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में मुख्य समारोह होगा. अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन तथा डॉ. गौर के तैल चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ मुख्य समारोह प्रारम्भ होगा. संगीत विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं गौर गीत की प्रस्तुति दी जाएगी. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं पूर्व आईपीएस कन्हैया लाल बेरवाल करेंगे एवं सारस्वत उद्बोधन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का होगा. विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, सागर सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, गोविन्द सिंह राजपूत, कैबीनेट मंत्री, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, मध्यप्रदेश शासन, उदय प्रताप सिंह, कैबीनेट मंत्री, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन, , भूपेन्द्र सिंह, विधायक, खुरई विधानसभा (पूर्व कैबीनेट मंत्री), मध्यप्रदेश शासन, गोपाल भार्गव, विधायक, रहली विधानसभा (पूर्व कैबीनेट मंत्री), मध्यप्रदेश शासन, शैलेन्द्र जैन, विधायक, सागर विधानसभा उपस्थित रहेंगे. मंचासीन अतिथि समारोह को संबोधित करेंगे. गौर उत्सव के समन्वयक प्रो. दिनेश कुमार नेमा गौर उत्सव-2024 का प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे.

गौर पीठ के दानदाताओं को सम्मानित करेगा विश्वविद्यालय

मुख्य समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा गौर पीठ के दानदाताओं को सम्मानित किया जाएगा. इस अवसर पर पूर्व सांसद, सागर लक्ष्मी नारायण यादव, वरिष्ठ समाजसेवी रघु ठाकुर, समाजसेवी डॉ. वंदना गुप्ता, सचिव सरस्वती वाचनालय पं. शुकदेव तिवारी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति चौहान, पूर्व जेल अधीक्षक डॉ. गोपाल ताम्रकार, पूर्व विभागाध्यक्ष गणित विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय प्रो. आर.के. नामदेव, प्राचार्य आई.टी.आई. सागर मुलु कुमार प्रजापति को सम्मानित किया जायेगा।

तीन दिवसीय गौर मेला शुरू, दैनिक उपयोग की वस्तुएं बेची जा रहीं

सागर | विश्वविद्यालय के महिला क्लब द्वारा गेस्ट हाउस परिसर में तीन दिवसीय गौर मेला सोमवार से शुरू हो गया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मेले का उद्घाटन किया। मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शॉल, महिलाओं के वूलन कपड़े, वाल डेकोरेशन की सामग्री, इंडियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगाए गए हैं। इस अवसर पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, डॉ. कल्पना शर्मा, कीर्ति राज, अभिलाषा दुर्गवंशी सहित महिला समाज के सभी सदस्य मौजूद रहे।

महान स्वप्नद्रष्टा और महामनीषी डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिए- प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति

अनुराग विश्वकर्मा जिला ब्यूरो

डॉ. सर हरीसिंह गौर को सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न की मांग की मुहिम में विश्वविद्यालय ने बढ़ चढ़कर भाग लिया

सागर (विंध्यसत्ता) डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर परिवार ने दैनिक भास्कर डॉ. गौर को 6.5 किलोमीटर लम्बे माल्यार्पण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए डॉ. सर हरीसिंह गौर को सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न की मांग की मुहिम में बढ़ चढ़कर भाग लिया. भारत रत्न की माँग का समर्थन करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय प्रांगण स्थित गौर मूर्ति पर माल्यार्पण किया और माला की श्रृंखला को हस्तानांतरित किया. उन्होंने माल्यार्पण श्रृंखला के साथ पद यात्रा की. इस दौरान सभी ने डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने के लिए नारे लगाए. कुलपति ने कहा कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिए. वह एक लेखक, विचारक, कानूनविद, समाज सुधारक, और महान दानवीर थे. उनके संघर्ष एवं त्याग की मिसाल अन्य कहीं नहीं देखने को मिलता है. वह हमारे पितृ पुरुष है. ऐसे महान स्वप्नद्रष्टा और मनीषी को भारत रत्न अवश्य मिलना चाहिए. हम सब उन्हें भारत रत्न दिलाने में जरूर सफल होंगे. इस अवसर पर विधायक प्रदीप लारिया, डॉ. अनिल तिवारी, प्रो. डी. के. नेमा, डॉ. एस पी उपाध्याय, प्रो. सुशील काशव, प्रो. रत्नेश दास, प्रो. राजेन्द्र यादव, प्रो. नवीन कानगो, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. रजनीश एवं विश्वविद्यालय के कई शिक्षक, कर्मचारी, एनसीसी के विद्यार्थी, योग विभाग सहित कई विभागों के विद्यार्थी, विभिन्न महाविद्यालयों एवं स्कूलों के विद्यार्थी, शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे.

जवाहरलाल नेहरु ग्रंथालय में हुआ गौर साहित्य प्रदर्शनी का उद्घाटन

155 वीं गौर जयंती के उपलक्ष्य में ग्रंथालय विभाग के तत्वाधान में गौर साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. यह प्रदर्शनी 25-26 नवंबर को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगी. इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल तथा कुलगुरु नीलिमा गुप्ता द्वारा किया गया. इसमें डॉ. गौर द्वारा लिखित किताबें भी प्रदर्शनी के लिए रखीं गई हैं. डॉ. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है जिन पर आडियो वीडियो फिल्म बनाई जायेगी. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर क्यू आर कोड उपलब्ध कराया जाएगा जिसे स्कैन करके डॉ. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों के डिजिटल संस्करण को पढ़ा जा सकता है. प्रदर्शनी में कुलपति तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों व शोध पत्रों को भी प्रदर्शित किया गया है. इस दौरान गौर सप्ताह समन्वयक प्रो. डी. के. नेमा, डॉ. रितु यादव, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय, वित्त अधिकारी कुलदीपक शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेंद्र गादेवार, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल उपस्थित रहे.

गौर मेले में लगे आकर्षक स्टाल, तीन दिन तक चलेगा मेला

विश्वविद्यालय के महिला क्लब द्वारा गेस्ट हॉउस परिसर में गौर मेला का आयोजन किया गया. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मेले का उद्घाटन किया. उन्होंने मेले में लगे विभिन्न स्टाल का निरीक्षण किया. मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शॉल, महिलाओं के वूलेन कपड़े, वाल डेकोरेशन की सामग्री, इन्डियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगाए गये हैं. साथ ही फास्ट फूड एवं विभिन्न व्यंजन के भी स्टाल लगाए हैं. विद्यार्थियों, शिक्षक, कर्मचारी के परिवार जन एवं शहरवासी मेले में पहुंच रहे हैं और मनपसंद सामग्री खरीद रहे हैं. इस अवसर पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, डॉ. कल्पना शर्मा, त्रिवेणिका रे, कीर्ति राज, अभिलाषा दुर्गवंशी सहित महिला समाज की सभी सदस्य उपस्थित रहे.

विवि के पथरिया वैली कैंपस में गौर संग्रहालय का उद्घाटन, प्रभारी मंत्री ने ली जानकारी

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में शौर्य, संस्कृति एवं कला संग्रहालय का उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, विधायक शैलेंद्र जैन, कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया।

प्रभारी मंत्री शुक्ल ने संग्रहालय से जुड़ी जानकारी भी ली। इस दौरान अतिथियों को बताया गया कि डॉ. हरीसिंह गौर संग्रहालय में डॉ. गौर से संबंधित साहित्य एवं उनसे जुड़ी सामग्री, उनके जीवन से जुड़ी दुर्लभ जानकारियां एवं सामग्री, जनजातीय संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी एवं सामग्री की प्रदर्शनी, बुंदेलखंड और मध्य प्रदेश के वीर सेनानियों के पोट्रेट एवं जानकारियां हैं। साथ ही मध्यप्रदेश की जैव विविधता का परिचय देने संबंधी पोर्ट्रेट, मध्यप्रदेश से संबंधित भूगर्भ शास्त्रीय जानकारियां एवं सामग्री आदि का प्रदर्शन किया गया है। एनसीसी से संबंधित विभिन्न जानकारियां एवं सामग्री प्रदर्शित की गई हैं। सागर एवं बुंदेलखंड का इतिहास, भारत की आजादी में उनके योगदान को रेखांकित करते हुए हमारे जननायकों की गाथाओं को भी इस संग्रहालय में स्थान दिया गया है। जनजातीय नायकों, उनके संघर्ष, योगदान एवं बलिदान को भी संग्रहालय में स्थान दिया गया है। इसके साथ ही बुंदेलखंड की लोक कला, संस्कृति, पारंपरिक वाद्य यंत्र, देशज परंपरा से संबंधित जानकारी एवं सामग्री भी प्रदर्शित की गई।

ध्वजारोहण के साथ मध्य क्षेत्र युवा उत्सव का शुभारंभ

नवभारत न्यूज

सागर 26 नवम्बर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 गौर-गौरव उत्सव का शुभारंभ गौर प्रांगण में सम्पन्न हुआ.

एआईयूकी अतिरिक्त सचिव ममता अग्रवाल ने कहा कि सभी तरह की अभिव्यक्तियां कला हैं. उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि भारत युवाओं का देश है. भारत सुपर इकोनॉमिक पावर बनने जा रहा है. यह विश्वविद्यालय एक महापुरुष द्वारा स्थापित है. कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि विश्वविद्यालय का वातावरण अध्ययन के लिए बहुत अच्छा है. सिने अभिनेता मुकेश तिवारी ने कहा कि यह बुंदेलखंड की धरती है. यहां से सीखकर जाइये और अपने जीवन में अच्छा कार्य करिए. कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए शुभकामनाएं दीं. युवा उत्सव की शोभायात्रा तीनबत्ती से प्रारंभ होकर, कोतवाली, चकराघाट, नवीन कोरिडोर, गोपालगंज होते हुए जनपद पंचायत कार्यालय पर समाप्त हुई। रैली में विभिन्न प्रतिभागी विश्वविद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी.

यह होंगी प्रतियोगिताएं

केंद्रीय विवि को पहली बार मिले मध्य क्षेत्र युवा उत्सव में सांस्कृतिक रैली, संगीत, मिमिक्री, पोस्टर मेकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, चित्रकारी, क्विज प्रतियोगिता, क्ले मॉडलिंग, फोटोग्राफी, डिबेट, समूह नृत्य, समूह गायन, कार्टूनिंग, रंगोली, कोलाज, मेहंदी, लोक वाद्य, लोक नृत्य सहित 28 विधाओं की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी .

चलती मिनी बस में लगी आग, ड्राइवर कूदा, फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया, बड़ी दुर्घटना टली

खुरई (सागर)। शहर के पॉलिटेक्निक कॉलेज रोड पर अचानक एक मिनी में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि, बस धू धू कर जलने लगी। ड्राइवर ने किसी तरह अपनी जान बचाई और आसपास के लोगों को बुलाया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंच गई, आग बुझाई। मिली जानकारी अनुसार बस पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास निवासरत विजय अहिरवार की है। बस किसी शादी समारोह शामिल होने गई थी, सवारियां वापिस छोड़ने के बाद बस लौट रही थी। तभी मस्जिद के पास अचानक आग लग गई, चलती बस में अचानक आग तेजी से फैलने लगी। ड्राइवर ने कूदकर अपनी जान बचाई और बस अनियंत्रित होकर एक दीवार से टकरा गई। हादसे के बाद आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और नपा की फायर ब्रिगेड को सूचना दी। कुछ देर बाद फायर ब्रिगेड घटना स्थल पर पहुंची और स्टाप के रवि, संदीप और निशांत ने तुरंत आग पर काबू पाने में लग गए। लोगों ने बताया कि हादसा भयानक था, बड़ी दुर्घटना टल गई। जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।घटना का कारण अज्ञात है, पुलिस जांच में जुटी।

विश्वविद्यालय: तीनबत्ती से परंपरानुसार निकलेगी डॉ. गौर की भव्य शोभायात्रा

सत्ता सुधार ■ सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 20 नवंबर से 26 नवंबर तक 'गौर उत्सव' 2024 का आयोजन किया जा रहा है।26 नवम्बर को प्रातः 8.30 बजे शहर के तीनबत्ती पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा गौर मूर्ति पर माल्यार्पण एवं उद्घोषन कार्यक्रम होगा।

उद्घोषन के पश्चात् प्रातः 8.40 बजे से परम्परानुसार गौर शोभा यात्रा प्रारम्भ होगी. बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा (गौर अध्ययन केन्द्र एवं गौर जन्म स्थली होकर) तीन मढ़िया, बस स्टैंड, गोपालगंज व स्वीडिश मिशन होते हुए मुख्य मार्ग से विश्वविद्यालय परिसर स्थित गौर मूर्ति विश्वविद्यालय परिसर स्थित गौर मूर्ति से गौर समाधि प्रांगण तक पहुंचेगी. शोभा यात्रा के विश्वविद्यालय परिसर में आगमन के पश्चात गौर मूर्ति पर माल्यार्पण एवं गौर समाधि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम होगा।

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में गौर उत्सव का मुख्य समारोह

विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में मुख्य समारोह होगा. अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा डॉ. गौर के तैल चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ मुख्य समारोह प्रारम्भ होगा. संगीत विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं गौर गीत की प्रस्तुति दी जाएगी।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं पूर्व आईपीएस कन्हैया लाल बेरवाल करेंगे एवं सारस्वत उद्बोधन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का होगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, सागर सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, गोविन्द सिंह राजपूत, कैबीनेट मंत्री, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, मध्यप्रदेश शासन, उदय प्रताप सिंह, कैबीनेट मंत्री, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा विभाग, भूपेन्द्र सिंह, विधायक, खुरई विधानसभा (पूर्व कैबीनेट मंत्री), मध्यप्रदेश शासन, गोपाल भार्गव, विधायक, रहली विधानसभा (पूर्व कैबीनेट मंत्री), मध्यप्रदेश शासन, शैलेन्द्र जैन, विधायक, सागर विधानसभा उपस्थित रहेंगे। मंचासीन अतिथि सम्बोधन को संबोधित करेंगे।गौर उत्सव के समन्वयक प्रो. दिनेश कुमार मेम्हा गौर उत्सव-2024 का प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

पुस्तकों का विमोचन एवं पुरस्कार वितरण होगा, मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया जायेगा

मंचासीन अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया जायेगा। विभिन्न कक्षाओं के मेधावी छात्र-छात्राओं को भी मंचासीन अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा।

गौर पीठ के दानदाताओं को सम्मानित करेगा विश्वविद्यालय

मुख्य समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा गौर पीठ के दानदाताओं को सम्मानित किया जाएगा. इस अवसर पर पूर्व सांसद, सागर लक्ष्मी नारायण यादव, वरिष्ठ समाजसेवी रघु ठाकुर, समाजसेवी डॉ. वंदना गुप्ता, सचिव सरस्वती वाचनालय पं. शुकदेव तिवारी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति चौहान, पूर्व जेल अधीक्षक डॉ. गोपाल तामकार, पूर्व विभागाध्यक्ष गणित विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय प्रो. आर.के. नामदेव, प्राचार्य आई.टी.आई. सागर मुत्तु कुमार प्रजापति को सम्मानित किया जायेगा।

गौर जयंती • तीनबत्ती से निकली परंपरागत शोभायात्रा, जन्मस्थली-विवि में हुए कार्यक्रम

डॉ. गौर को भारत रत्न के लिए गृहमंत्री से चर्चा हुई, सबका प्रयास जल्द सफल होगा: राजपूत

भास्करसंवाददाता | सागर

सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक विधिवेत्ता डॉ. हरीसिंह गौर की 155वीं जयंती मंगलवार को उल्लास के साथ मनाई गई। विवि में हुए समारोह में प्रदेश सरकार के केबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा विश्वविद्यालय आने पर अतीत की स्मृति होने लगती है। यहां से पढ़े हुए विद्यार्थी बहुत ऊंचे पदों पर पहुंचे हैं। यह सब डॉ. गौर की कृपा है। डॉ. गौर की जयंती केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में मनाई जाती है। उन्हें भारत रत्न दिलाने के लिए हम सभी जनप्रतिनिधयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सागर में ही मांग की थी। वन टू वन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 3 मिनट तक गौर साहब के बारे में सुना। हम सबका साझा और सामूहिक प्रयास जरूर सफल होगा और हम निश्चित तौर पर उन्हें भारत रत्न दिलाने में सफल होंगे। दैनिक भास्कर ने साढ़े 6 किमी लंबी माला का जो कार्यक्रम डॉ. गौर के लिए भारत रत्न की मांग को लेकर किया, उसमें छोटे-छोटे बच्चे तक उत्साह से माला पकड़े खड़े थे। उन्होंने भी घर जाकर पूछा होगा और उनके परिजनों ने डॉ. गौर के बारे में विस्तार से बताया होगा। इससे आने वाली पीढ़ी प्राथमिक स्कूली शिक्षा से ही डॉ. गौर को समझेगी। तीन बत्ती से परंपरागत शोभायात्रा निकली। शनीचरी स्थित जन्मस्थली और विवि परिसर स्थित गौर प्रांगण में कार्यक्रम हुए। एनसीसी छात्राओं ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

आइए हम सब एकजुट होकर डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाएं: कुलपति

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने तीनबत्ती पहुंचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा आप भाग्यशाली हैं कि आप डॉ. गौर के शहर के वाशिंदे हैं। विभिन्न मंच, संस्थाओं द्वारा डॉ. हरीसिंह गौर को भारत रत्न दिलवाने किए गए प्रयासों की यह विश्वविद्यालय सराहना करता है, समर्थन करता है और साथ ही मैं आव्हान करती हूं समस्त सागरवासियों को-आइए हम सब एकजुट होकर डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाएं जिसके वह हकदार हैं। कह-कह कर थक गए हम, डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाना है। आइए, अब हमें मिलकर करके दिखाना है। हमें डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाना है। कुलपति ने संविधान के उद्देशिका का वाचन करते हुए सभी को संविधान के प्रति आस्था की शपथ भी दिलाई। स्वागत भाषण डीके नेमा ने दिया। संचालन डॉ. आशुतोष ने किया, आभार प्रभारी कुल सचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने माना।

समाज के हर क्षेत्र में डॉ. गौर ने काम किया: बेरवाल

अध्यक्षता कर रहे कुलाधपति कन्हैया लाल बेरवाल ने कहा डॉ. गौर एक महान सुधारक भी थे। समाज के हर क्षेत्र में उन्होंने कार्य किया। विवि की स्थापना कर एक अभिनव दान दिया। उनके योगदान को स्मृति में रखते हुए हम सभी को उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए और उनके द्वारा बताए गए मार्गों का अनुकरण करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने ऑनलाइन संबोधित किया।

डॉ. गौर को भारत रत्न जरूर मिलेगा : सांसद

सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने कहा डॉ. गौर सागर के गौरव हैं। डॉ. गौर और उनके द्वारा स्थापित शिक्षा के इस केंद्र से ही सागर की पहचान है। दैनिक भास्कर के आह्वान पर डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने की मांग को लेकर साढ़े 6 किलोमीटर लंबी फूलों की माला अर्पित कर विश्व रिकॉर्ड बनाकर जो संकल्प लिया है, हम भारत रत्न लेकर ही मानेंगे। उन्हें भारत रत्न जरूर मिलेगा।

नारी शक्ति के हित में डॉ. गौर की महती भूमिका: जैन

नगर के विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि डॉ. गौर ने नारी शक्ति के उत्थान में महत्त्वपूर्ण योगदान किया है. उन्होंने महिलाओं को वकालत करने का अधिकार दिलाया। सुप्रीम कोर्ट की स्थापना में भी उनका महती योगदान है। वे भारत रत्न के सच्चे हकदार हैं। हमें याचक की बजाय अब हक के साथ उन्हें भारत रत्न दिलाने का प्रयास करना चाहिए।

डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने का सामूहिक प्रयास अवश्य सफल होगा : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

सागर, संवाददाता

(प्रदेश वॉच)।

महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ हरीसिंह गौर की 155वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सागर शहर के तीनबत्ती पहुँचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभा को संबोधित किया. उन्होंने बुन्देली संकल्प के अद्वितीय नायक डॉ. सर हरीसिंह गौर की जयंती पर सभी नगरवासियों का अभिनन्दन करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा आज का दिन हमारे लिए विशेष अर्थ रखता है क्योंकि आज के ही दिन इस धरती पर डॉ. हरीसिंह गौर जैसे महान शक्सियत ने जन्म लिया था। आज का दिन महज कैलेण्डर का एक पन्ना नहीं, बल्कि बुन्देलखण्ड के इतिहास का एक खूबसूरत पैगाम है। एक ऐसा पैगाम जिससे जुड़कर हजारों-लाखों लोगों के जीवन में ज्ञान का वसंत आया। आप भाग्यशाली हैं कि आप डॉ. गौर के शहर के वासिन्दें हैं। आप सभी गौर साहब के जीवन और सृजन से खूब परिचित हैं। उन्होंने डॉ. गौर के जीवन की संघर्ष यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ते हुए उनके चिरागी व्यक्तित्व का निर्माण हुआ। अपनी मातृभूमि के लिए कुछ श्रेष्ठ करने का संकल्प कभी नहीं छूटा। अपनी प्रतिभा से ज्ञान, राजनीति, पत्रकारिता, सृजनात्मकता आदि सभी क्षेत्रों में लगभग दिग्विजय प्राप्त करते हुए उन्होंने अपने समकालीन बड़ी हस्तियों को चौंका दिया। डॉ. गौर का यह जीवन हम सबके लिए एक मिसाल है। दुःख को शक्ति में, अभाव को सृजन में और संघर्ष को कैसे संकल्प में बदला जाता है, हमारे लिए यही गौर साहब की सीख है। एक श्रेष्ठ अधिवक्ता, विधि विशेषज्ञ, संविधान सभा के सदस्य, लेखक-कवि, धर्मज्ञ, शिक्षाविद, समाजसेवी, दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्थापक और नागपुर विश्वविद्यालय के कुलपति आदि भूमिकाओं में अपनी क्षमता और प्रतिभा से पूरे देश को प्रभावित किया।

आप भाग्यशाली हैं कि आप डॉ. गौर के शहर के वासिन्दें हैं: कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

गौर जयंती के अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा ने तीनबत्ती पर किया संबोधित

सागर दिनकर

सागर। महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ हरीसिंह गौर की 155वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सागर शहर के तीनबत्ती पहुँचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभा को संबोधित किया। उन्होंने बुन्देली संकल्प के अद्वितीय नायक डॉ. सर हरीसिंह गौर की जयंती पर सभी नगरवासियों का अभिनन्दन करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा आज का दिन हमारे लिए विशेष अर्थ रखता है क्योंकि आज के ही दिन इस धरती पर डॉ. हरीसिंह गौर जैसे महान शख्सियत ने जन्म लिया था। आज का दिन महज कैलेण्डर का एक पन्ना नहीं, बल्कि बुन्देलखण्ड के इतिहास का एक खूबसूरत पैगाम है। एक ऐसा पैगाम जिससे जुड़कर हजारों-लाखों लोगों के जीवन में ज्ञान का बसंत आया। आप भाग्यशाली हैं कि आप डॉ. गौर के शहर के वासिन्दें है। आप सभी गौर साहब के जीवन और सृजन से खूब परिचित हैं।

उन्होंने डॉ. गौर के जीवन की संघर्ष गाथा के बारे में बताते हुए कहा कि जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ते हुए उनके विराट व्यक्तित्व का निर्माण हुआ। अपनी मातृभूमि के लिए कुछ श्रेष्ठ करने का संकल्प कभी नहीं छूटा। अपनी प्रतिभा से ज्ञान, राजनीति, पत्रकारिता, सृजनात्मकता आदि सभी क्षेत्रों में लगभग दिग्विजय प्राप्त करते हुए उन्होंने अपने समकालीन बड़ी हस्तियों को चौंका दिया। डॉ. गौर का यह जीवन हम सबके लिए एक मिसाल है। दुःख को शक्ति में, अभाव को सृजन में और संघर्ष को कैसे संकल्प में बदला जाता है, हमारे लिए यही गौर साहब की सीख है। एक श्रेष्ठ अधिवक्ता, विधि विशेषज्ञ, संविधान सभा के सदस्य, लेखक-कवि, धर्मज्ञ, शिक्षाविद, समाजसेवी, दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्थापक और नागपुर विश्वविद्यालय के कुलपति आदि भूमिकाओं में अपनी क्षमता और प्रतिभा से पूरे देश को प्रभावित किया। किन्तु अपार यश और समृद्धि के वैभव के बीच में भी उनकी मातृभूमि सागर की आकुल पुकार उनसे विस्मृत न हो सकी। 18 जुलाई, 1946 को अपनी पूरी सम्पत्ति का दान कर सागर विश्वविद्यालय की स्थापना की। डॉ. गौर द्वारा स्थापित यह विश्वविद्यालय अपनी स्थापना काल से ही अपने विशिष्ट ज्ञान और अनुसंधान के साथ राष्ट्र की प्रगति में अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहा है।

उन्होंने विश्वविद्यालय की अकादमिक यात्रा, उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपने नवोन्मेषी पाठ्यक्रमों, योग्य शिक्षकों, कर्मठ अधिकारियों, कर्मचारियों के सहयोग से ज्ञान-विज्ञान और शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुकूल श्रेष्ठ विद्यार्थी एवं संवेदनशील नागरिक तैयार करने की दिशा में सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। सभी नगरवासियों के स्नेह और सहयोग के साथ आज विश्वविद्यालय अपनी भौतिक अधोसंरचना में वृद्धि और वैश्विक स्तर पर अपनी अकादमिक प्रतिष्ठा में निरंतर सकारात्मक सम्पन्नता अर्जित कर रहा है। अकादमिक प्रगति के साथ ही विश्वविद्यालय अपने सामाजिक सरोकारों को भी लगातार पुनर्परिभाषित कर रहा है। आपका विश्वविद्यालय आपके प्रेम, सहयोग और समर्पण के लिए हमेशा आभारी है।

26 से 30 नवम्बर तक आयोजित किये जा रहे गौर उत्सव में सभी नगरवासियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार आयोजित होने जा रहा यह आयोजन निश्चित ही ऐतिहासिक होगा। आप सभी डॉ. गौर के सपनों के वास्तविक उत्तराधिकारी हैं। जिस तरह आप अपने गौर बब्बा को याद करते हैं। वह आपके प्रेम और श्रद्धा का अविरल उदाहरण है। विभिन्न मंच, संस्थाओं द्वारा डॉ. हरीसिंह गौर को भारत रत्न दिलवाने हेतु किए गए प्रयासों की यह विश्वविद्यालय सराहना करता है, समर्थन करता है और साथ ही मैं आव्हान करती हूँ - समस्त सागर वासियों को-आइए हम सब एकजुट होकर डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाएं जिसके वह हकदार हैं। कह-कह कर थक गए हम, डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाना है। आइए, अब हमें मिलकर करके दिखाना है- हमें डॉ. गौर को- भारत रत्न दिलवाना है। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि, विभिन्न महाविद्यालयों एवं स्कूलों के विद्यार्थी, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं पत्रकारगण उपस्थित थे।

डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने का सामूहिक प्रयास अवश्य सफल होगा

तीनबत्ती से निकली डॉ. गौर की भव्य शोभायात्रा

परम्परानुसार शहर के तीनबत्ती से बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकली जो प्रमुख मार्गों से होती हुई विश्वविद्यालय पहुँची। इस दौरान शहर के नागरिक, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी और आमजन इस शोभायात्रा का हिस्सा बने। शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ।

गौर प्रांगण में हुआ मुख्य समारोह, अतिथियों ने किया संबोधित

महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ. हरीसिंह गौर की 155वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन तथा डॉ. गौर के तैल चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ मुख्य समारोह प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं पूर्व आईपीएस कन्हैया लाल बेरवाल ने की. सारस्वत उद्बोधन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने दिया। इस अवसर विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने ऑनलाइन माध्यम से वीडियो संबोधन दिया। सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, गोविन्द सिंह राजपूत, कैबीनेट मंत्री, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, मध्यप्रदेश शासन, शैलेन्द्र जैन, विधायक, सागर विधानसभा उपस्थित मंचासीन रहे और समारोह को संबोधित किया। गौर उत्सव के समन्वयक प्रो. दिवेश कुमार नेमा ने स्वागत भाषण दिया और गौर उत्सव-2024 का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.डी. शर्मा, प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय और सह समन्वयक डॉ. ऋतु यादव मंचासीन थे।

महान दानवीर एवं स्वप्न द्रष्टा थे डॉ. गौर

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने कहा कि डॉ. गौर साहित्यकार, कानूनविद एवं महान शिक्षाविद के साथ-साथ महान दानवीर एवं स्वप्न द्रष्टा थे। वे एक महान सुधारक भी थे। समाज के हर क्षेत्र में उन्होंने कार्य किया। उन्होंने विधि की स्थापना कर एक अभिनव दान दिया। उनके योगदान को स्मृति में रखते हुए हम सभी को उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए और उनके द्वारा बताये गये मार्गों का अनुकरण करना चाहिए।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय स्थापना काल से श्रेष्ठतम ज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी विशिष्टता के लिए जाना जाता रहा है। विश्वविद्यालय के इसी योगदान को देखते हुए भारत सरकार द्वारा 15 जनवरी, 2009 को इसे एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में प्रोन्नत कर दिया गया जो विश्वविद्यालय की अकादमिक क्षमता की राष्ट्रीय-स्वीकृति है। संस्थापक डॉ. गौर की जयंती सागर में एक पर्व की तरह मनाई जाती है, साथ-साथ देश के अन्य स्थानों तथा विदेशों में भी बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। हमें गर्व है कि वर्तमान परिदृश्य में हमारे विद्यार्थी दुनिया भर में उच्च पदों पर कार्य करते हुए विश्वविद्यालय का नाम पूरे विश्व में रौशन कर रहे हैं, जिसका जीता जागता उदाहरण हमारा सम्मानीय मंच है।

कोई भी शिक्षा संस्थान अपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के नवोन्मेषी अकादमिक ज्ञान से ही प्रतिष्ठा पाता है। हम अपने पितृ पुरुष डॉ. गौर के महानतम त्याग और योगदान को अपनी स्मृति में रखते हुए, अपने दायित्वों के प्रति समर्पित हों, संपूर्ण सेवा भाव से विश्वविद्यालय के उन्नयन में योगदान दें।

लाखा बंजारा झील और विश्वविद्यालय सागर की पहचान है: डॉ. वीरेंद्र कुमार

कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने वीडियो संबोधन में कहा कि डॉ. गौर ने विश्वविद्यालय की स्थापना करके ऐसा सपना पूरा किया जिसको यहाँ की जनता कभी भुला नहीं सकती. वे महान दानवीर, शिक्षाविद, कानूनविद, अनुशासन प्रिय और समय के पाबंद थे। उनके जन्मदिवस पर ही संविधान को अंगीकृत किया गया था। मेरे लिए गौरव की बात है कि मैं स्वयं यहाँ का छात्र रहा हूँ। सागर का लाखा बंजारा झील और विश्वविद्यालय सागर की पहचान है। उन्होंने गौर जयन्ती की शुभकामनाएं दी।

डॉ. गौर ने शिक्षा रूपी शस्त्र प्रदान किया: सांसद

सागर लोकसभा क्षेत्र की सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि संसद का सत्र चल रहा है लेकिन डॉ गौर के प्रति अगाध श्रद्धा होने के कारण आज मैं इस आयोजन में आई हूँ। उनके जन्म दिन पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना मेरे लिए गौरव की बात है। डॉ. गौर सागर के गौरव हैं, डॉ. गौर और उनके द्वारा स्थापित शिक्षा के इस केंद्र से ही सागर की पहचान है। वे एक तार्किक क्षमता वाले कानूनविद थे तो एक सहृदय कवि भी थे। वे दधीचि की तरह थे। उन्होंने अपना सर्वस्व दानकर अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए शिक्षा रूपी शस्त्र प्रदान किया। उन्हें भारत रत्न जरूर मिलेगा और हम सब इस प्रयास में अवश्य सफल होंगे।

डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने का सामूहिक प्रयास अवश्य सफल होगा: मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत

मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि विश्वविद्यालय आने पर अतीत की स्मृति हो उठती है। यहाँ से पढ़े हुए छात्र बहुत ऊँचे पदों पर पहुंचे हैं और देश-विदेश में नाम कमा रहे हैं। यह सब डॉ. गौर की कृपा है। डॉ. गौर की जयन्ती केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में मनाई जाती है। उन्हें भारत दिलाने के लिए प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से कई स्तर की चर्चा हो चुकी है। हम सबका साझा और सामूहिक प्रयास जरूर सफल होगा और हम निश्चित तौर पर उन्हें भारत रत्न दिलाने में सफल हो पायेंगे. उन्होंने भास्कर समूह द्वारा चलाये गये माल्यार्पण और मानव श्रृंखला अभियान की प्रशंसा की।

नारी शक्ति के उत्थान में डॉ. गौर की महती भूमिका और योगदान: विधायक शैलेन्द्र जैन

नगर के विधायक शैलेन्द्र ने कहा कि डॉ. गौर ने नारी शक्ति के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान किया है। उन्होंने महिलाओं को वकालत करने का अधिकार दिलाया।

गौर पीठ के दानदाताओं का सम्मान

मुख्य समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं मंचासीन अतिथियों ने गौर पीठ के दानदाताओं पूर्व सांसद, सागर लक्ष्मी नारायण यादव, समाजसेवी डॉ. वंदना गुप्ता, सरस्वती वाचनालय के सचिव पं. शुकदेव तिवारी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति चौहान, पूर्व जेल अधीक्षक डॉ. गोपाल ताम्रकार, पूर्व विभागाध्यक्ष गणित विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय प्रो. आर.के. नामदेव, प्राचार्य आई.टी.आई. सागर मुन्नु कुमार प्रजापति को सम्मानित किया।

महान स्वप्नद्रष्टा और महामनीषी डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिए: प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति

डॉ. सर हरीसिंह गौर को सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न की मांग की मुहिम में विश्वविद्यालय ने बढ़ चढ़कर भाग लिया

लता सुधार ■ सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर परिवार ने डॉ. गौर को 6.5 किलोमीटर लम्बे माल्यार्पण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए डॉ. सर हरीसिंह गौर को सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न की मांग की मुहिम में बढ़ चढ़कर भाग लिया।भारत रत्न की माँग का समर्थन करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय प्रांगण स्थित गौर मूर्ति पर माल्यार्पण किया और माला की श्रृंखला को हस्तानांतरित किया।उन्होंने माल्यार्पण श्रृंखला के साथ पद यात्रा की। इस दौरान सभी ने डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने के लिए नारे लगाए।कुलपति ने कहा कि डॉ. गौर को भारत रत्न मिलना ही चाहिए

वह एक लेखक, विचारक, कानूनविद, समाज सुधारक, और महान दानवीर थे।उनके संघर्ष एवं त्याग की मिसाल अन्य कहीं नहीं देखने को मिलता है।वह हमारे पितृ पुरुष है। ऐसे महान स्वप्नद्रष्टा और मनीषी को भारत रत्न अवश्य मिलना चाहिए।हम सब उन्हें भारत रत्न दिलाने में जरूर सफल होंगे।इस अवसर पर विधायक प्रदीप लारिया, डॉ. अनिल तिवारी, प्रो. डी. के. नेमा, डॉ. एस पी उपाध्याय, प्रो. सुशील काशव, प्रो. रत्नेश दास, प्रो. राजेन्द्र यादव, प्रो. नवीन कानगो, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. रजनीश एवं विश्वविद्यालय के कई शिक्षक, कर्मचारी, एनसीसी के विद्यार्थी, योग विभाग सहित कई विभागों के विद्यार्थी, विभिन्न महाविद्यालयों एवं स्कूलों के विद्यार्थी, शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जवाहरलाल नेहरु ग्रंथालय में हुआ गौर साहित्य प्रदर्शनी का उद्घाटन

155 वीं गौर जयंती के उपलक्ष्य में ग्रंथालय विभाग के तत्वाधान में गौर साहित्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।यह प्रदर्शनी 25-26 नवंबर को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगी. इसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल तथा कुलगुरु नीलिमा गुप्ता द्वारा किया गया इसमें डॉ. गौर द्वारा लिखित किताबें भी प्रदर्शनी के लिए रखी गई है।डॉ. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है जिन पर आडियो वीडियो फिल्म बनाई जायेगी।विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर क्यू आर कोड उपलब्ध कराया जाएगा जिसे स्कैन करके डॉ. गौर द्वारा लिखित पुस्तकों के डिजिटल संस्करण को पढ़ा जा सकता है. प्रदर्शनी में कुलपति तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों व शोध पत्रों को भी प्रदर्शित किया गया है. इस दौरान गौर सप्ताह समन्वयक प्रो. डी. के. नेमा, डॉ. रितु यादव, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय, वित्त अधिकारी कुलदीपक शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेंद्र गादेवार, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल उपस्थित रहे।

गौर मेले में लगे आकर्षक स्टाल, तीन दिन तक चलेगा मेला

विश्वविद्यालय के महिला क्लब द्वारा गेस्ट हॉउस परिसर में गौर मेला का आयोजन किया गया. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मेले का उद्घाटन किया।उन्होंने मेले में लगे विभिन्न स्टाल का निरीक्षण किया. मेले में दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री, सजावट के सामान, मधुबनी पेंटिंग, लकड़ियों से बने हुए मंदिर, कोसा सिल्क साड़ी, हैंडमेड ब्यूटी प्रोडक्ट्स, डिजाइनर आभूषण, शॉल, महिलाओं के वूलेन कपड़े, वाल डेकोरेशन की सामग्री, इन्डियन एवं वेस्टर्न एथनिक वीयर, मिट्टी के दीपक एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री के स्टाल लगाए गये हैं. साथ ही फास्ट फ़ूड एवं विभिन्न व्यंजन के भी स्टाल लगाए हैं।विद्यार्थियों, शिक्षक, कर्मचारी के परिवार जन एवं शहरवासी मेले में पहुँच रहे हैं और मनपसंद सामग्री खरीद रहे हैं।इस अवसर पर महिला क्लब की अध्यक्ष ओमिका सिंह, सरोज आनंद, अनुराधा उपाध्याय, अंजली भागवत, डॉ. कल्पना शर्मा, त्रिवेणिका रे, कीर्ति राज, अभिलाषा दुर्गवंशी सहित महिला समाज की सभी सदस्य उपस्थित रहे।

गौर जयंती के अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए

डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने का सामूहिक प्रयास अवश्य सफल होगा: कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विजय मत, सागर

महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ हरीसिंह गौर की 155वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सागर शहर के तीनबत्ती पहुँचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभा को संबोधित किया । उन्होंने बुन्देली संकल्प के अद्वितीय नायक डॉ. सर हरीसिंह गौर की जयंती पर सभी नगरवासियों का अभिनन्दन करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा आज का दिन हमारे लिए विशेष अर्थ रखता है क्योंकि आज के ही दिन इस धरती पर डॉ. हरीसिंह गौर जैसे महान शक्सियत ने जन्म लिया था। आज का दिन महज कैलेण्डर का एक पन्ना नहीं, बल्कि बुन्देलखण्ड के इतिहास का एक खूबसूरत पैगाम है। एक ऐसा पैगाम जिससे जुड़कर हजारों-लाखों लोगों के जीवन में ज्ञान का बसंत आया। आप भाग्यशाली हैं कि आप डॉ. गौर के शहर के वासिन्दें हैं। आप सभी गौर साहब के जीवन और सृजन से खूब परिचित हैं। उन्होंने डॉ. गौर के जीवन की संघर्ष यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ते हुए उनके चिरागी व्यक्तित्व का निर्माण हुआ। अपनी मातृभूमि के लिए कुछ श्रेष्ठ करने का संकल्प कभी नहीं छूटा। अपनी प्रतिभा से ज्ञान, राजनीति, पत्रकारिता, सृजनात्मकता आदि सभी क्षेत्रों में लगभग विजय प्राप्त करते हुए उन्होंने अपने समकालीन बड़ी हस्तियों को चौंका दिया। डॉ. गौर का यह जीवन हम सबके लिए एक मिसाल है। दु:ख को शक्ति में, अभाव को सृजन में और संघर्ष को कैसे संकल्प में बदला जाता है, हमारे लिए यही गौर साहब की सीख है। एक श्रेष्ठ अधिवक्ता, विधि विशेषज्ञ, संविधान सभा के सदस्य, लेखक-कवि, धर्मज्ञ, शिक्षाविद, समाजसेवी, दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्थापक और नागपुर विश्वविद्यालय के कुलपति आदि भूमिकाओं में अपनी क्षमता और प्रतिभा से पूरे देश को प्रभावित किया। किन्तु अपार यश और समृद्धि के वैभव के बीच में भी उनकी मातृभूमि सागर की आकुल पुकार उनसे विस्मृत न हो सकी। 18 जुलाई, 1946 को अपनी पूरी सम्पत्ति का दान कर सागर विश्वविद्यालय की स्थापना की।

डॉ. गौर द्वारा स्थापित यह विश्वविद्यालय अपनी स्थापना काल से ही अपने विशिष्ट ज्ञान और अनुसंधान के साथ राष्ट्र की प्रगति में अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की अकादमिक यात्रा, उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपने नवोन्मेशी पाठ्यक्रमों, योग्य शिक्षकों, कर्मठ अधिकारियों, कर्मचारियों के सहयोग से ज्ञान-विज्ञान और शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुकूल श्रेष्ठ विद्यार्थी एवं संवेदनशील नागरिक तैयार करने की दिशा में सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। सभी नगरवासियों के स्नेह और सहयोग के साथ आज विश्वविद्यालय अपनी भौतिक अधोसंरचना में वृद्धि और वैश्विक स्तर पर अपनी अकादमिक प्रतिष्ठा में निरंतर सकारात्मक सम्पन्नता अर्जित कर रहा है। अकादमिक प्रगति के साथ ही विश्वविद्यालय अपने सामाजिक सरोकारों को भी लगातार पुनर्परिभाषित कर रहा है। आपका विश्वविद्यालय आपके प्रेम, सहयोग और समर्पण के लिए हमेशा आभारी है। 26 से 30 नवम्बर तक आयोजित किये जा रहे युवा उत्सव में सभी नगरवासियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार आयोजित होने जा रहा यह आयोजन निश्चित ही ऐतिहासिक होगा। आप सभी डॉ. गौर के सपनों के वास्तविक उत्तराधिकारी हैं। जिस तरह आप अपने गौर बप्पा को याद करते हैं। वह आपके प्रेम और श्रद्धा का अविरल उदाहरण है। विभिन्न मंच, संस्थाओं द्वारा डॉ. हरीसिंह गौर को भारत रत्न दिलवाने हेतु किए गए प्रयासों की यह विश्वविद्यालय सराहना करता है, समर्थन करता है और साथ ही मैं आवहन करती हूँ - समस्त सागर वासियों को - आइए हम सब एकजुट होकर डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाएं जिसके वह हकदार हैं। कह-कह कर थक गए हम, डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाना है। आइए, अब हमें मिलकर करके दिखाना है - हमें डॉ. गौर को - भारत रत्न दिलवाना है। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि, विभिन्न महाविद्यालयों एवं स्कूलों के विद्यार्थी, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं पत्रकारगण उपस्थित थे। परम्परानुसार शहर के तीनबत्ती से बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकली जो प्रमुख मार्गों से होती हुई विश्वविद्यालय पहुँची। इस दौरान शहर के नागरिक, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी और आमजन इस शोभायात्रा का हिस्सा बने, शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ। महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ. हरीसिंह गौर की 155वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा डॉ. गौर के तैल चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ मुख्य समारोह प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं पूर्व आईपीएस श्री कन्हैया लाल बेरवाल ने की। सारस्वत उद्?बोधन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने दिया. इस अवसर विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने ऑनलाइन माध्यम से वीडियो संबोधन दिया। सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, श्री गोविन्द सिंह राजपूत, कैबीनेट मंत्री, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, श्री शैलेन्द्र जैन, विधायक, सागर विधानसभा उपस्थित मंचासीन रहे और समारोह को संबोधित किया। गौर उत्सव के समन्वयक प्रो. दिनेश कुमार नेमा ने स्वागत भाषण दिया।

डॉ. हरीसिंह गौर की 155 वीं जयंती धूमधाम से मनाई, भारत रत्न दिलाने का संकल्प दोहराया

सागर, देशबन्धु। डॉ. सर हरीसिंह गौर विवि के संस्थापक, महान विधिवेत्ता और शिक्षाविद डॉ. सर हरीसिंह गौर की 155 वीं जयंती के अवसर पर शहर में भव्य आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने तीनबत्ती पर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. गौर के योगदान और त्याग को याद करते हुये कहा कि सागरवासियों को एकजुट होकर डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने का प्रयास करना चाहिये। डॉ. गौर के संघर्ष और समर्पण से हमें प्रेरणा मिलती है। उनके आदर्श हमारे जीवन को नई दिशा देते हैं। डॉ.गौर की जयंती पर तीनबत्ती से विवि तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शहरवासियों, छात्रों और जनप्रतिनिधियों ने इस यात्रा में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। विवि के गौर प्रांगण में आयोजित मुख्य समारोह में कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता और केंद्रीय कैबिनेट मंत्री डॉ.

वीरेंद्र कुमार सहित कई गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि डॉ. गौर के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। डॉ. गौर ने शिक्षा के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। उनका सपना भारत रत्न से सम्मानित होकर साकार होगा। कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने भी आश्वासन दिया कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से चर्चा के बाद यह प्रयास सफल होगा। विधायक शैलेन्द्र जैन ने डॉ. गौर को महिलाओं के अधिकारों और शिक्षा में सुधार का प्रतीक बताते हुये उन्हें भारत रत्न दिलाने के सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। कुलपति ने विवि की प्रगति और सामाजिक योगदान को साझा करते हुए कहा डॉ. गौर के त्याग और प्रेरणा को स्मरण करते हुए हमें अपने दायित्वों को निभाना होगा। समारोह में विश्वविद्यालय ने मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया और दानदाताओं को सम्मानित किया। साथ ही पत्रकारिता विभाग के प्रायोगिक पत्र समय और शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के अंत में संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की उद्देशिका का वाचन कर देश और संविधान के प्रति आस्था बनाये रखने की शपथ ली गई।

आयोजन तीनबत्ती और विवि परिसर में मनाई गई गौर जयंती, शोभायात्रा निकाली गई

डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने का सामूहिक प्रयास अवश्य सफल होगाः कुलपति

आचरण संवाददाता

सागर। महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ हरीसिंह गौर की 155वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सागर शहर के तीनबत्ती पहुँचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभा को संबोधित किया। उन्होंने बुन्देली संकल्प के अद्वितीय नायक डॉ. सर हरीसिंह गौर की जयंती पर सभी नगरवासियों का अभिनन्दन करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने डॉ. गौर के जीवन की संघर्ष यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ते हुए उनके चिरागी व्यक्तित्व का निर्माण हुआ। अपनी मातृभूमि के लिए कुछ श्रेष्ठ करने का संकल्प कभी नहीं छूटा। अपनी प्रतिभा से ज्ञान, राजनीति, पत्रकारिता, सृजनात्मकता आदि सभी क्षेत्रों में लगभग विजय प्राप्त करते हुए उन्होंने अपने समकालीन बड़ी हस्तियों को चौंका दिया।

26 से 30 नवम्बर तक आयोजित किये जा रहे युवा उत्सव में सभी नगरवासियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार आयोजित होने जा रहा यह आयोजन निश्चित ही ऐतिहासिक होगा। आप सभी डॉ. गौर के सपनों के वास्तविक उत्तराधिकारी हैं। जिस तरह आप अपने गौर बब्बा को याद करते हैं। वह आपके प्रेम और श्रद्धा का अविरल उदाहरण है।

कार्यक्रम में सागर विधायक शैलेन्द्र जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरासिंह राजपूत, महापौर श्रीमती संगीता तिवारी, अभिनेता मुकेश तिवारी, पूर्व सांसद लक्ष्मीनारायण यादव, सुरेश आचार्य, चर्तुभुज सिंह राजपूत,पप्पू तिवारी, विवेक तिवारी, पूर्व विधायक सुनील जैन, आनंद अहिरवार, सुनील देव, लखन राठौर, भालेश्वर तिवारी,रमाकांत यादव, राजकुमार पचौरी,विजय साहू सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

तीनबत्ती से निकली डॉ. गौर की भव्य शोभायात्रा

परम्परानुसार शहर के तीनबत्ती से बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकली जो प्रमुख मार्गों से होती हुई विश्वविद्यालय पहुँची। इस दौरान शहर के नागरिक, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी और आमजन इस शोभायात्रा का हिस्सा बने, शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ।

गौर प्रांगण में हुआ मुख्य समारोह, अतिथियों ने किया संबोधित

महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ. हरीसिंह गौर की 155वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन तथा डॉ. गौर के तैल चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ मुख्य समारोह प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं पूर्व आईपीएस कन्हैया लाल बेरवाल ने की। सारस्वत उद्बोधन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने दिया। इस अवसर विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने ऑनलाइन माध्यम से वीडियो संबोधन दिया। सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, गोविन्द सिंह राजपूत, कैबीनेट मंत्री, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, शैलेन्द्र जैन, विधायक, सागर विधानसभा उपस्थित मंचासीन रहे और समारोह को संबोधित किया। गौर उत्सव के समन्वयक प्रो. दिनेश कुमार नेमा ने स्वागत भाषण दिया और गौर उत्सव-2024 का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.डी. शर्मा, प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय और सह समन्वयक डॉ. ऋतु यादव मंचासीन थे।

महान दानवीर एवं स्वप्न द्रष्टा थे डॉ. गौरः कुलाधिपति

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने कहा कि डॉ. गौर साहित्यकार, कानूनविद एवं महान शिक्षाविद के साथ-साथ महान दानवीर एवं स्वप्न द्रष्टा थे, वे एक महान सुधारक भी थे. समाज के हर क्षेत्र में उन्होंने कार्य किया। उन्होंने विवि की स्थापना कर एक अभिनव दान दिया।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय स्थापना काल से श्रेष्ठतम ज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी विशिष्टता के लिए जाना जाता रहा है। विश्वविद्यालय के इसी योगदान को देखते हुए भारत सरकार द्वारा 15 जनवरी, 2009 को इसे एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में प्रोन्नत कर दिया गया जो विश्वविद्यालय की अकादमिक क्षमता की राष्ट्रीय-स्वीकृति है। संस्थापक डॉ. गौर की जयंती सागर में एक पर्व की तरह मनाई जाती है, साथ-साथ देश के अन्य स्थानों तथा विदेशों में भी बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। हमें गर्व है कि वर्तमान परिदृश्य में हमारे विद्यार्थी दुनिया भर में उच्च पदों पर कार्य करते हुए विश्वविद्यालय का नाम पूरे विश्व में रौशन कर रहे हैं. जिसका जीता जागता उदाहरण हमारा सम्माननीय मंच है।

कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने वीडियो संबोधन में कहा कि डॉ. गौर ने विश्वविद्यालय की स्थापना करके एक सपना पूरा किया जिसको यहाँ की जनता कभी भुला नहीं सकती। वे महान दानवीर, शिक्षाविद, कानूनविद, अनुशासन प्रिय और समय के पाबंद थे, उनके जन्मदिवस पर ही संविधान को अंगीकृत किया गया था. मेरे लिए गौरव की बात है कि मैं स्वयं यहाँ का छात्र रहा हूँ. सागर का लाखा बंजारा झील और विश्वविद्यालय सागर की पहचान है. उन्होंने गौर जयन्ती की शुभकामनाएं दीं।

सागर लोकसभा क्षेत्र की सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि संसद का सत्र चल रहा है लेकिन डॉ गौर के प्रति अगाध श्रद्धा होने के कारण आज मैं इस आयोजन में आई हूँ. उनके जन्म दिन पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना मेरे लिए गौरव की बात है, डॉ. गौर सागर के गौरव है।

मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि विश्वविद्यालय आने पर अतीत की स्मृति हो उठती है. यहाँ से पढ़े हुए छात्र बहुत ऊँचे पदों पर पहुंचे हैं और देश-विदेश में नाम कमा रहे हैं. यह सब डॉ. गौर की कृपा है। डॉ. गौर की जयन्ती केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में मनाई जाती है। उन्हें भारत दिलाने के लिए प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से कई स्तर की चर्चा हो चुकी है।

विधायक शैलेन्द्र ने कहा कि डॉ. गौर ने नारी शक्ति के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान किया है। उन्होंने महिलाओं को वकालत करने का अधिकार दिलाया. सुप्रीम कोर्ट की स्थापना में भी उनका महती योगदान है. वे भारत रत्न के सच्चे हकदार है. हमें याचक के बजाये अब हक के साथ उन्हें भारत रत्न दिलाने का प्रयास करना चाहिए।

विश्वविद्यालय ने किया गौर पीठ के दानदाताओं का सम्मान

मुख्य समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं मंचासीन अतिथियों ने गौर पीठ के दानदाताओं पूर्व सांसद, सागर लक्ष्मी नारायण यादव, समाजसेवी डॉ. वंदना गुप्ता, सरस्वती वाचनालय के सचिव पं. शुकदेव तिवारी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति चौहान, पूर्व जेल अधीक्षक डॉ. गोपाल ताम्रकार, पूर्व विभागाध्यक्ष गणित विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय प्रो. आर.के. नामदेव, प्राचार्य आई.टी.आई. सागर मुलु कुमार प्रजापति को सम्मानित किया।

पत्रकारिता विभाग के प्रायोगिक पत्र समय और शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का हुआ विमोचन

मंचासीन अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया. इस दौरान संचार एवं पत्रकारिता विभाग के प्रायोगिक पत्र समय का भी विमोचन किया गया।

अतिथियों ने मेधावी छात्रों को किया पुरस्कृत

समारोह में मंचासीन अतिथियों द्वारा विभिन्न दानदाताओं द्वारा प्रदत्त राशि से विश्वविद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के मेधावी छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया।

अतिथियों ने किया गौर मूर्ति पर माल्यार्पण, गौर समाधि पर हुआ पुष्पांजलि कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं सभी अतिथि ने गौर मूर्ति पर माल्यार्पण किया. एनसीसी विद्यार्थियों द्वारा गार्ड ऑफ आनर दिया गया. सभी अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की उद्देशिका का वाचन करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने संविधान के प्रति आस्थावान रहने शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया, आभार ज्ञापन प्रभारी कुलसचिव सत्यप्रकाश उपाध्याय ने किया।

तीनबत्ती पर शहरवासियों ने किया गौरमूर्ति पर माल्यार्पण, विवि में दानदाताओं का सम्मान

सागर | तीनबत्ती पर हुए कार्यक्रम के दौरान नगर की प्रथम नागरिक संगीता सुशील तिवारी ने भी पहुंचकर गौर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। फिल्म अभिनेता मुकेश तिवारी भी माल्यार्पण करने पहुंचे। शहर कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार पचौरी, भाजपा नेता डॉ. सुशील तिवारी, अमित रामजी दुबे, अजय दुबे, शशांक शर्मा, सुरेंद्र सुहाने, डॉ. आशीष द्विवेदी, डॉ. अंकलेश्वर अन्नी दुबे, मुकेश जैन ढाना, सुधीर यादव, डॉ. विवेक तिवारी, डॉ. राजेंद्र यादव, डॉ. संजीव सराफ, प्रो. एपी दुबे आदि ने भी पहुंचकर माल्यार्पण किया। उधर विश्वविद्यालय में हुए कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं मंचासीन अतिथियों ने गौर पीठ के दानदाताओं पूर्व सांसद लक्ष्मीनारायण यादव, समाजसेवी डॉ. वंदना गुप्ता, सरस्वती वाचनालय के सचिव पं. शुकदेव तिवारी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति चौहान, पूर्व जेल अधीक्षक डॉ. गोपाल ताम्रकार, पूर्व विभागाध्यक्ष गणित विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय प्रो. आरके नामदेव, प्राचार्य आईटीआई सागर मुलु कुमार प्रजापति को सम्मानित किया। पत्रकारिता विभाग के प्रायोगिक पत्र समय और शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी हुआ। अतिथियों ने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। एनसीसी विद्यार्थियों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। संविधान की उद्देशिका का वाचन भी हुआ। संचालन डॉ. आशुतोष ने किया। आभार प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने माना।

डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने का सामूहिक प्रयास अवश्य सफल होगा- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ हरीसिंह गौर की 155 वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सागर शहर के तीनबत्ती पहुँचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभा को संबोधित किया। उन्होंने बुन्देली संकल्प के अद्वितीय नायक डॉ. सर हरीसिंह गौर की जयंती पर सभी नगरवासियों का अभिनन्दन करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा आज का दिन हमारे लिए विशेष अर्थ रखता है क्योंकि आज के ही दिन इस धरती पर डॉ. हरीसिंह गौर जैसे महान शक्सियत ने जन्म लिया था। आज का दिन महज कैलेण्डर का एक पन्ना नहीं, बल्कि बुन्देलखण्ड के इतिहास का एक खूबसूरत पैगाम है। एक ऐसा पैगाम जिससे जुड़कर हजारों-लाखों लोगों के जीवन में ज्ञान का वसंत आया। आप भाग्यशाली हैं कि आप डॉ. गौर के शहर के वासिन्दें हैं। आप सभी गौर साहब के जीवन और सृजन से खूब परिचित हैं। उन्होंने डॉ. गौर के जीवन की संघर्ष यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ते हुए उनके चिरागी व्यक्तित्व का निर्माण हुआ। अपनी मातृभूमि के लिए कुछ श्रेष्ठ करने का संकल्प कभी नहीं छूटा। अपनी प्रतिभा से ज्ञान, राजनीति, पत्रकारिता, सृजनात्मकता आदि सभी क्षेत्रों में लगभग दिग्विजय प्राप्त करते हुए उन्होंने अपने समकालीन बड़ी हस्तियों को चौंका दिया। डॉ. गौर का यह जीवन हम सबके लिए एक मिसाल है। दुःख को शक्ति में, अभाव को सृजन में और संघर्ष को कैसे संकल्प में बदला जाता है, हमारे लिए यही गौर साहब की सीख है। एक श्रेष्ठ अधिवक्ता, विधि विशेषज्ञ, संविधान सभा के सदस्य, लेखक-कवि, धर्मज्ञ, शिक्षाविद, समाजसेवी, दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्थापक और नागपुर विश्वविद्यालय के कुलपति आदि भूमिकाओं में अपनी क्षमता और प्रतिभा से पूरे देश को प्रभावित किया। किन्तु अपार यश और समृद्धि के वैभव के बीच में भी उनकी मातृभूमि सागर की आकुल पुकार उनसे विस्मृत न हो सकी। 18 जुलाई, 1946 को अपनी पूरी सम्पत्ति का दान कर सागर विश्वविद्यालय की स्थापना की। डॉ. गौर द्वारा स्थापित यह विश्वविद्यालय अपनी स्थापना काल से ही अपने विशिष्ट ज्ञान और अनुसंधान के साथ राष्ट्र की प्रगति में अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की अकादमिक यात्रा, उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपने नवोन्मेशी पाठ्यक्रमों, योग्य शिक्षकों, कर्मठ अधिकारियों, कर्मचारियों के सहयोग से ज्ञान-विज्ञान और शोध के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुकूल श्रेष्ठ विद्यार्थी एवं संवेदनशील नागरिक तैयार करने की दिशा में सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। सभी नगरवासियों के स्नेह और सहयोग के साथ आज विश्वविद्यालय अपनी भौतिक अधोसंरचना में वृद्धि और वैश्विक स्तर पर अपनी अकादमिक प्रतिष्ठा में निरंतर सकारात्मक सम्पन्नता अर्जित कर रहा है। अकादमिक प्रगति के साथ ही विश्वविद्यालय अपने सामाजिक सरोकारों को भी लगातार पुनर्परिभाषित कर रहा है। आपका विश्वविद्यालय आपके प्रेम, सहयोग और समर्पण के लिए हमेशा आभारी है। 26 से 30 नवम्बर तक आयोजित किये जा रहे युवा उत्सव में सभी नगरवासियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार आयोजित होने जा रहा यह आयोजन निश्चित ही ऐतिहासिक होगा। आप सभी डॉ. गौर के सपनों के वास्तविक उत्तराधिकारी हैं। जिस तरह आप अपने गौर बप्पा को याद करते हैं; वह आपके प्रेम और श्रद्धा का अविरल उदाहरण है। विभिन्न मंच, संस्थाओं द्वारा डॉ. हरीसिंह गौर को भारत रत्न दिलवाने हेतु किए गए प्रयासों की यह विश्वविद्यालय सराहना करता है, समर्थन करता है और साथ ही मैं आवाहन करती हूँ - समस्त सागर वासियों को - आइए हम सब एकजुट होकर डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाएं जिसके वह हकदार हैं। कह-कह कर थक गए हम, डॉ. गौर को भारत रत्न दिलवाना है। आइए, अब हमें मिलकर करके दिखाना है - हमें डॉ. गौर को - भारत रत्न दिलवाना है। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि, विभिन्न महाविद्यालयों एवं स्कूलों के विद्यार्थी, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं पत्रकारगण उपस्थित थे.

तीनबत्ती से निकली डॉ. गौर की भव्य शोभायात्रा

परम्परानुसार शहर के तीनबत्ती से बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकली जो प्रमुख मार्गों से होती हुई विश्वविद्यालय पहुँची। इस दौरान शहर के नागरिक, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी और आमजन इस शोभायात्रा का हिस्सा बने, शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत हुआ।

गौर प्रांगण में हुआ मुख्य समारोह, अतिथियों ने किया संबोधित

महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ. हरीसिंह गौर की 155वीं जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन तथा डॉ. गौर के तैल चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ मुख्य समारोह प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं पूर्व आईपीएस कन्हैया लाल बेरवाल ने की। सारस्वत उद्?बोधन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने दिया। इस अवसर विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने ऑनलाइन माध्यम से वीडियो संबोधन दिया। सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, गोविन्द सिंह राजपूत, कैबीनेट मंत्री, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, मध्यप्रदेश शासन, शैलेन्द्र जैन, विधायक, सागर विधानसभा उपस्थित मंचासीन रहे और समारोह को संबोधित किया। गौर उत्सव के समन्वयक प्रो. दिनेश कुमार नेमा ने स्वागत भाषण दिया और गौर उत्सव-2024 का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. इस दौरान विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.डी. शर्मा, प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय और सह समन्वयक डॉ. ऋतु यादव मंचासीन थे।

महान दानवीर एवं स्वप्न द्रष्ठा थे डॉ. गौर- कुलाधिपति

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने कहा कि डॉ. गौर साहित्यकार, कानूनविद एवं महान शिक्षाविद के साथ-साथ महान दानवीर एवं स्वप्न द्रष्ठा थे, वे एक महान सुधारक भी थे। समाज के हर क्षेत्र में उन्होंने कार्य किया, उन्होंने विवि की स्थापना कर एक अभिनव दान दिया. उनके योगदान को स्मृति में रखते हुए हम सभी को उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए और उनके द्वारा बताये गये मार्गों का अनुकरण करना चाहिए।

डॉ. गौर के त्याग और योगदान को स्मृति में रखते हुए अपने दायित्वों के प्रति समर्पित हों- कुलपति

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय स्थापना काल से श्रेष्ठतम ज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी विशिष्टता के लिए जाना जाता रहा है। विश्वविद्यालय के इसी योगदान को देखते हुए भारत सरकार द्वारा 15 जनवरी, 2009 को इसे एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में प्रोन्नत कर दिया गया जो विश्वविद्यालय की अकादमिक क्षमता की राष्ट्रीय-स्वीकृति है। संस्थापक डॉ. गौर की जयंती सागर में एक पर्व की तरह मनाई जाती है, साथ-साथ देश के अन्य स्थानों तथा विदेशों में भी बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। हमें गर्व है कि वर्तमान परिदृश्य में हमारे विद्यार्थी दुनिया भर में उच्च पदों पर कार्य करते हुए विश्वविद्यालय का नाम पूरे विश्व में रौशन कर रहे हैं, जिसका जीता जागता उदाहरण हमारा सम्मानीय मंच है। कोई भी शिक्षा संस्थान अपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के नवोन्मेषी अकादमिक ज्ञान से ही प्रतिष्ठा पाता है। हम अपने पितृ पुरूष डॉ. गौर के महत्तम त्याग और योगदान को अपनी स्मृति में रखते हुए; अपने दायित्वों के प्रति समर्पित हो, संपूर्ण सेवा भाव से विश्वविद्यालय के उन्नयन में योगदान दें। विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षण और शोध को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति एवं स्थायित्व दें, शैक्षणिक गुणवत्ता ऐसी हो जो देश-विदेश के विद्यार्थियों को ज्ञानार्जन के लिए इस शिक्षा संस्थान की ओर आकर्षित करें। उन्होंने डॉ. गौर के जीवन और अवदान को रेखांकित करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति को साझा किया. उन्होंने गत वर्ष की अकादमिक उपलब्धियों का विस्तृत उल्लेख करते हुए कहा कि हमारा विश्वविद्यालय निरंतर नए मुकाम हासिल कर रहा है.

लाखा बंजारा झील और विश्वविद्यालय सागर की पहचान है- डॉ. वीरेंद्र कुमार

कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने वीडियो संबोधन में कहा कि डॉ. गौर ने विश्वविद्यालय की स्थापना करके ऐसा सपना पूरा किया जिसको यहाँ की जनता कभी भुला नहीं सकती. वे महान दानवीर, शिक्षाविद, कानूनविद, अनुशासन प्रिय और समय के पाबंद थे. उनके जन्मदिवस पर ही संविधान को अंगीकृत किया गया था। मेरे लिए गौरव की बात है कि मैं स्वयं यहाँ का छात्र रहा हूँ। सागर का लाखा बंजारा झील और विश्वविद्यालय सागर की पहचान है. उन्होंने गौर जयन्ती की शुभकामनाएं दीं।

डॉ. गौर ने सर्वस्व दानकर अज्ञानता के अंधकार को दूर करने ले लिए शिक्षा रूपी शस्त्र प्रदान किया- सांसद

सागर लोकसभा क्षेत्र की सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि संसद का सत्र चल रहा है लेकिन डॉ गौर के प्रति अगाध श्रद्धा होने के कारण आज मैं इस आयोजन में आई हूँ। उनके जन्म दिन पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना मेरे लिए गौरव की बात है। डॉ. गौर सागर के गौरव हैं. डॉ. गौर और उनके द्वारा स्थापित शिक्षा के इस केंद्र से ही सागर की पहचान है। वे एक तार्किक क्षमता वाले कानूनविद थे तो एक सहृदय कवि भी थे। वे दधीचि की तरह थे। उन्होंने अपना सर्वस्व दानकर अज्ञानता के अंधकार को दूर करने ले लिए शिक्षा रूपी शस्त्र प्रदान किया। उन्हें भारत रत्न जरूर मिलेगा और हम सब इस प्रयास में अवश्य सफल होंगे।

डॉ. गौर को भारत रत्न दिलाने का सामूहिक प्रयास अवश्य सफल होगा- मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत

मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि विश्वविद्यालय आने पर अतीत की स्मृति हो उठती है। यहाँ से पढ़े हुए छात्र बहुत ऊँचे पदों पर पहुँचे हैं और देश-विदेश में नाम कमा रहे हैं। यह सब डॉ. गौर की कृपा है। डॉ. गौर की जयन्ती केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में मनाई जाती है। उन्हें भारत दिलाने के लिए प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से कई स्तर की चर्चा हो चुकी है। हम सबका साझा और सामूहिक प्रयास जरूर सफल होगा और हम निश्चित तौर पर उन्हें भारत रत्न दिलाने में सफल हो पायेंगे। उन्होंने भास्कर समूह द्वारा चलाये गये माल्यार्पण और मानव श्रृंखला अभियान की प्रशंसा की।

नारी शक्ति के उत्थान में डॉ. गौर की महती भूमिका और योगदान- विधायक शैलेन्द्र जैन

नगर के विधायक शैलेन्द्र ने कहा कि डॉ. गौर ने नारी शक्ति के उत्थान में महत्त्वपूर्ण योगदान किया है। उन्होंने महिलाओं को वकालत करने का अधिकार दिलाया। सुप्रीम कोर्ट की स्थापना में भी उनका महती योगदान है। वे भारत रत्न के सच्चे हकदार हैं। हमें याचक के बजाये अब हक के साथ उन्हें भारत रत्न दिलाने का प्रयास करना चाहिए।

विश्वविद्यालय ने किया गौर पीठ के दानदाताओं का सम्मान

मुख्य समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं मंचासीन अथितियों ने गौर पीठ के दानदाताओं पूर्व सांसद, सागर लक्ष्मी नारायण यादव, समाजसेवी डॉ. वंदना गुप्ता, सरस्वती वाचनालय के सचिव पं. शुकदेव तिवारी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति चौहान, पूर्व जेल अधीक्षक डॉ. गोपाल ताम्रकार, पूर्व विभागाध्यक्ष गणित विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय प्रो. आर.के. नामदेव, प्राचार्य आई.टी.आई. सागर मुलु कुमार प्रजापति को सम्मानित किया।

पत्रकारिता विभाग के प्रायोगिक पत्र समय और शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का हुआ विमोचन

मंचासीन अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया. इस दौरान संचार एवं पत्रकारिता विभाग के प्रायोगिक पत्र समय का भी विमोचन किया गया।

अतिथियों ने मेधावी छात्रों को किया पुरस्कृत

समारोह में मंचासीन अतिथियों द्वारा विभिन्न दानदाताओं द्वारा प्रदत्त राशि से विश्वविद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के मेधावी छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया।

अतिथियों ने किया गौर मूर्ति पर माल्यार्पण, गौर समाधि पर हुआ पुष्पांजलि कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैया लाल बेरवाल, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं सभी अतिथियों ने गौर मूर्ति पर माल्यार्पण किया। एनसीसी विद्यार्थियों द्वारा गार्ड ऑफ आनर दिया गया। सभी अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की।

संविधान की उद्देशिका का हुआ वाचन

संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की उद्देशिका का वाचन करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने संविधान के प्रति आस्थावान रहने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया। आभार ज्ञापन प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने किया

धूमधाम से मनाई 155वीं जयंती, कुलपति ने कहा- भारत रत्न दिलाने करने होंगे समन्वित प्रयास

डॉ. हरिसिंह गौर की 155वीं जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सागर शहर के तीन बत्ती पहुंचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभा को संबोधित किया।

सागर • विद्या की वाणी

सागर | महान दानवीर, विधिवेत्ता एवं डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के संस्थापक सर डॉ. हरिसिंह गौर की 155वीं जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सागर शहर के तीन बत्ती पहुंचकर डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभा को संबोधित किया। उन्होंने बुन्देली संकल्प के अद्वितीय नायक डॉ. सर हरिसिंह गौर की जयंती पर सभी नगरवासियों का अभिनन्दन करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा, आज का दिन हमारे लिए विशेष अर्थ रखता है। क्योंकि आज के ही दिन इस धरती पर डॉ. हरिसिंह गौर जैसे महान शख्सियत ने जन्म लिया था। आज का दिन महज कैलेंडर का एक पन्ना नहीं, बल्कि बुंदेलखंड के इतिहास का एक खूबसूरत पैगाम है। एक ऐसा पैगाम जिससे जुड़कर हजारों-लाखों लोगों के जीवन में ज्ञान का वसंत आया। आप भाग्यशाली हैं कि आप डॉ. गौर के शहर के वासिन्दें हैं। आप सभी गौर साहब के जीवन और सृजन से खूब परिचित हैं।

उन्होंने डॉ. गौर के जीवन की संघर्ष यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ते हुए उनके चिरागी व्यक्तित्व का निर्माण हुआ। अपनी मातृभूमि के लिए कुछ श्रेष्ठ करने का संकल्प कभी नहीं छूटा। अपनी प्रतिभा से ज्ञान, राजनीति, पत्रकारिता, सृजनात्मकता आदि सभी क्षेत्रों में लगभग दिग्विजय प्राप्त करते हुए उन्होंने अपने समकालीन बड़ी हस्तियों को चौंका दिया। डॉ. गौर का यह जीवन हम सबके लिए एक मिसाल है। दुःख को शक्ति में, अभाव को सृजन में और संघर्ष को कैसे संकल्प में बदला जाता है, हमारे लिए यही गौर साहब की सीख है। एक श्रेष्ठ अधिवक्ता, विधि विशेषज्ञ, संविधान सभा के सदस्य, लेखक-कवि, धर्मज्ञ, शिक्षाविद, समाजसेवी, दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्थापक और नागपुर विश्वविद्यालय के कुलपति आदि भूमिकाओं में अपनी क्षमता और प्रतिभा से पूरे देश को प्रभावित किया। किन्तु अपार यश और समृद्धि के वैभव के बीच में भी उनकी मातृभूमि सागर की आकुल पुकार ने उन्हें यहां वापस बुलाया और 18 जुलाई, 1946 को अपनी पूरी सम्पत्ति का दान कर सागर विश्वविद्यालय की स्थापना की। डॉ. गौर द्वारा स्थापित यह विश्वविद्यालय अपनी स्थापना काल से ही अपने विशिष्ट ज्ञान और अनुसंधान के साथ राष्ट्र की प्रगति में अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहा है।

तीन बत्ती से निकली डॉ. गौर की भव्य शोभा यात्रा

परम्परानुसार शहर के तीन बत्ती से बैंड बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकली, जो प्रमुख मार्गों से होती हुई विश्वविद्यालय पहुंची। इस दौरान शहर के नागरिक, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी और आमजन इस शोभायात्रा का हिस्सा बने। शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। आयोजन के दूसरे सत्र का कार्यक्रम विश्विद्यालय में आयोजित किया गया।

कला, संस्कृति और शौर्य का समन्वय है गौर संग्रहालय

विश्वविद्यालय के पथरिया स्थित वैली कैम्पस में गौर संग्रहालय का हुआ उद्घाटन

सागर. डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में शौर्य, संस्कृति एवं कला संग्रहालय का उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, खाद्य एवं आपूर्तिमंत्री गोविंद सिंह राजपूत, शैलेन्द्र जैन विधायक सागर, कुलाधिपति श्री कन्हैया लाल बेरवाल, प्रो नीलिमा गुप्ता कुलपति के कर कमलों द्वारा किया गया।

डॉ. हरीसिंह गौर संग्रहालय में डॉ. गौर से सम्बंधित साहित्य एवं उनसे जुड़ी सामग्री, उनके जीवन से जुड़ी दुर्लभ जानकारियाँ एवं सामग्री, जनजातीय संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी एवं सामग्री की प्रदर्शनी, बुंदेलखंड और मध्य प्रदेश के वीर सेनानियों के पोर्ट्रेट एवं जानकारियाँ, मध्य प्रदेश की जैव विविधता का परिचय देने संबंधी पोर्ट्रेट, मध्य प्रदेश से सम्बंधित भूगर्भशास्त्रीय जानकारियाँ एवं सामग्री आदि का प्रदर्शन किया गया. इसी के साथ ही एनसीसी से सम्बंधित विभिन्न जानकारियाँ एवं सामग्री प्रदर्शित की गई. सागर एवं बुंदेलखंड का इतिहास, भारत की आजादी में उनके योगदान को रेखांकित करते हुए हमारे जननायकों की गाथाओं को भी इस संग्रहालय में स्थान दिया गया है. जनजातीय नायकों, उनके संघर्ष, योगदान एवं बलिदान को भी संग्रहालय में स्थान दिया गया है. इसके साथ ही बुंदेलखंड की लोक कला, संस्कृति, पारंपरिक वाद्य यंत्र, देशज परंपरा से सम्बंधित जानकारी एवं सामग्री भी प्रदर्शित की गई।

नईदुनिया सीहोरा-राहतगढ़ • गढ़ाकोटा • बांदरी • बरौदिया-मालथौन सागर, 28 नवम्बर 2024

सर डॉ. हरीसिंह गौर की मनाई जयंती, हुए कार्यक्रम

मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव का हुआ उद्घाटन

सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के संस्थापक महान शिक्षाविद् एवं प्रख्यात विधिवेत्ता, संविधान सभा के सदस्य एवं दानवीर डॉ. सर हरीसिंह गौर के 155वें जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ (ड्डू) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मध्य क्षेत्र अंतरविश्वविद्यालयीन युवा उत्सव 2024-25 'गौर-गौरव उत्सव' 26 से 30 नवम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है।

युवा उत्सव का उद्घाटन समारोह 26 नवम्बर को सायं 6 बजे गौर प्रांगण में सम्पन्न हुआ. इस अवसर पर मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, कैबिनेट मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, विधायक शैलेन्द्र जैन, महापौर श्रीमती संगीता तिवारी, प्रख्यात सिने अभिनेता श्री मुकेश तिवारी, एआईयू की सह-सचिव डॉ. ममता आर अग्रवाल, श्री गौरव सिरोठिया, श्री शैलेश केसरवानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की संरक्षिका कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता रहीं। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने की। इस दौरान छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो अम्बिकादत्त शर्मा, प्रभारी कुलसचिव श्री सत्यप्रकाश उपाध्याय मौजूद थे। स्वागत भाषण डॉ राकेश सोनी ने दिया।

ए आई यू की अतिरिक्त सचिव ममता अग्रवाल ने सभी प्रतिभागी विश्वविद्यालय से आये छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सभी तरह की अभिव्यक्तियां कला हैं। उन्होंने व्यापक स्वरूप में किये गए इस आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के सभी आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए म प्र के उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। भारत सुपर इकोनॉमिक पावर बनने जा रहा है। यह विश्वविद्यालय एक महापुरुष द्वारा स्थापित है। संविधान निर्माण में उनका योगदान बहुत बड़ा है। वे एक प्रेरणा पुंज हैं। उनके जीवन गाथा से प्रेरणा और विचारों को आत्मसात करना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने युवा उत्सव में आये सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि मैं इस विश्वविद्यालय का छात्र रहा हूं। यहां का वातावरण अध्ययन के लिए बहुत अच्छा है। यहां से बहुत से छात्रों ने पढ़कर देश विदेश में नाम कमाया है। यहां के अनुभवों से सीखिए। जीवन में उनको अपनाइए। यह डॉ गौर की धरती है। यहां के अनुभव और शिक्षा को अपने जीवन में अपनाकर अपना भविष्य और देश के भविष्य को संवारिये।

प्रख्यात सिने श्री अभिनेता मुकेश तिवारी ने कहा कि यह बुंदेलखंड की धरती है। मैं यहीं पैदा हुआ, यहीं बड़ा हुआ। यहां की माटी बहुत पवित्र है। यहां से सीखकर जाइये और अपने जीवन में अच्छा कार्य करिए। उन्होंने प्रतिभागियों को जीत और हार के मायने समझाए और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रोत्साहित किया।

कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के स्वागत करते हुए अगले पांच दिनों तक चलने वाले युवा उत्सव में प्रतिभागिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

विश्वविद्यालय को पहली बार मध्य क्षेत्र युवा उत्सव की मेजबानी मिली है. इस युवा उत्सव में सांस्कृतिक रैली, संगीत, मिमिक्री, पोस्टर मेकिंग, क्लासिकल डांस, स्किट, वाद-विवाद, चित्रकारी, क्विज प्रतियोगिता, क्ले मॉडलिंग, फोटोग्राफी, डिबेट, समूह नृत्य, समूह गायन, कार्टूनिंग, रंगोली, कोलाज, मेहंदी आदि कार्यक्रम हुए।

सोशल मीडिया लिंक -

SAGAR NEWS || BUNDELI HALCHAL- https://youtu.be/AgFE-I1ZUk0?si=-4QWKO5Pm7JtsREj
https://www.facebook.com/share/v/15ERZxGz1T/
https://khabarkaasar.com/2024/11/mp-many-events-will-be-organized-on-gaur-jayanti-and-38th-inter-university-youth-festival-2024-vice-chancellor-prof-neelima-gupta-gave-detailed-information/
https://www.teenbattinews.com/2024/11/38-2024.html?m=0
https://www.sagarwatch.in/2024/11/dr-gour-utsav.html
https://dainik.bhaskar.com/gAKFkow1xOb
https://www.etvbharat.com/hi/!state/sagar-university-hari-singh-gaur-birthday-celebration-bundelkhand-style-gaur-gaurav-utsav-madhya-pradesh-news-mps24111500873
https://youtu.be/rMMgOXnKicU
https://bundelkhandpresentnews.blogspot.com/2024/11/blog-post_16.html
https://jantantrasetunews.com/wxd2
https://mpnews.live/gaur-utsav-many-programs-will-be-organized-in-gaur-utsav-from-26th-to-30th-november-press-conference-was-organized/
https://aimamedia.org/newsdetails.aspx?nid=350360&y=1
https://bundelkhandpresentnews.blogspot.com/2024/11/blog-post_16.html
https://dabangbundelkhand.blogspot.com/2024/11/blog-post_82.html
https://youtu.be/rMMgOXnKicU
https://www.facebook.com/share/v/1M6pHMgJSj/
https://www.etvbharat.com/hi/!state/sagar-university-hari-singh-gaur-birthday-celebration-bundelkhand-style-gaur-gaurav-utsav-madhya-pradesh-news-mps24111500873
https://www.sagartvnews.com/news_only.php?newsidget=29858
Youtube- https://youtu.be/Tg2fy89XdEc
facebook- https://fb.watch/vU721quw8_/
https://youtube.com/shorts/LdhHTf2tBJk?feature=share
Patrika News - https://www.patrika.com/sagar-news/1500-artists-from-70-universities-will-perform-in-yuva-utsav-bollywoods-leading-artists-will-be-included-19122966
https://www.amarujala.com/madhya-pradesh/sagar/dr-harisingh-gaurs-155th-birth-anniversary-will-be-celebrated-with-full-pomp-university-administration-busy-in-preparations-sagar-news-c-1-1-noi1338-2328231-2024-11-18
http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post_20.html
https://www.teenbattinews.com/2024/11/blog-post_84.html?m=0
https://www.sagartvnews.com/news_only.php?newsidget=29911
https://youtu.be/AHKO2iu4RPQ
https://fb.watch/vZFYUsmqfq/
https://khabarkaasar.com/2024/11/minister-shri-patel-participated-in-the-cultural-program-organized-on-the-155th-birth-anniversary-of-dr-harisingh-gour/
Sagarwatch: https://www.sagarwatch.in/2024/11/gour-utsav.html
khabar1minit : http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post_21.html
https://yashbharat.co.in/
https://chat.whatsapp.com/Inq3LBRjN2B1gW1lMKWq1V
https://www.facebook.com/share/v/1BFRbDLgv6/
khabar1minit : http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/4.html

https://khabarkaasar.com/2024/11/sagar-gaur-utsav-20-30-many-events-are-going-on-in-the-university-campus/
https://dainik.bhaskar.com/aazEvGS9JOb
http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/4_23.html
http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post_66.html
https://www.sagarwatch.in/2024/11/gour-utsav_23.html
https://www.sagarwatch.in/2024/11/gour-utsav_24.html
https://www.teenbattinews.com/2024/11/2024-20.html?m=0
https://www.teenbattinews.com/2024/11/2024_24.html?m=0
http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post_29.html
http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post_25.html
http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post_29.html
https://youtu.be/-1GEF7MU5Pc?si=2hjo3lAUsy_VzSls
https://www.facebook.com/share/v/1BFVkELwgX/
https://c7newssagar.com/गौर-जयंती/5813/tanveer@bureau/outlooksagar
http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post_26.html
http://khabar1minit.blogspot.com/2024/11/blog-post_67.html
https://youtu.be/mEONVSGZsi4?si=BX5YrDcK0DN65WtW
https://www.teenbattinews.com/2024/11/blog-post_26.html?m=0

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन
कार्यालय, जनसंपर्क अधिकारी
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)